@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 12 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 337 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नासिक में तोप का गोला फटा, दो अग्निवीरों की मौत

नासिक, 11 अक्टूबर। नासिक में फायरिंग अभ्यास के दौरान तोप का गोला फट गया। इसके चलते दो अग्निवीरों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक नासिक जिले के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र में अग्निवीरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार दोपहर को अभ्यास के दौरान तोप का एक गोला फट गया। इसके चलते अग्निवीर गोहिल विश्वराज सिंह (20) और सैकत शेट (21) की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र में अग्निवीरों का एक दल प्रशिक्षण ले रहा था। इस दौरान तोप का एक गोला फट गया। इसमें दो अग्निवीर घायल हो गए। घायलवस्था में दोनों को देवलाली के एमएच अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर दोनों की मौत हो गई। हवलदार अजीत कुमार की शिकायत के आधार पर देवलाली पुलिस थाने में हादसे में मौत होने का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। अग्निपथ योजना की घोषणा केंद्र ने जून 2022 में की थी। इस योजना के तहत भर्ती होने वालों को अग्निवीर कहा जाता है। सरकार ने कहा है कि रक्षा बलों में चार साल की सेवा के बाद युवाओं के लिए कई नौकरियां और अन्य रास्ते खुले रहेंगे। चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर, 25 फीसदी अग्निवीरों को भारतीय सशस्त्र बलों में नियमित कैडर के रूप में रखा जाएगा। बाकी को आगे रोजगार के अवसरों के लिए सहायता मिलेगी। अग्निवीरों को उनके बाहर निकलने पर सेवा निधि पैकेज के रूप में 11.71 लाख रुपये दिए जाएंगे, जो आयकर से मुक्त होंगे। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, असम, ओडिशा और गोवा सरकार ने अग्निवीरों को चार साल की सेवा पूरी करने के बाद सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने का एलान किया है। इसके अलावा विभिन्न केंद्रीय बलों में भी अग्निवीरों को आयुसीमा और सरकारी नौकरियो में प्राथमिकता देने के लिए कहा है।

सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के खिलाफ पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह बात विपक्ष ने भी स्वीकार की है। सरकार ने नीतिगत निष्क्रियता को खत्म किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदल दिया। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर अग्रसर है। शाह नई दिल्ली स्थिति विज्ञान भवन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 119वें वार्षिक अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के उठाए गए कदमों के कारण भारत 2047 तक दुनिया के सबसे विकसित देशों में से एक होगा। 2014 में पीएम मोदी के कार्यभार संभालने के बाद से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसमें बुनियादी ढांचे का उन्नयन, बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रेलवे नेटवर्क का विस्तार, सेमी-कंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विनिर्माण उद्योगों की स्थापना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस दौरान हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह बात विपक्ष ने भी स्वीकार की है। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को 200 गज गहराई में दफना दिया है। जब पीएम मोदी ने कार्यभार संभाला था तो एक नीतिगत निष्क्रियता थी, जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक कार्रवाई के साथ खत्म कर दिया गया। पीएम मोदी ने इसकी जगह प्रदर्शन की नीति ला दी। शाह ने कहा कि दस साल में दुनिया का सबसे लंबा टनल हाईवे भारत में बना। दुनिया का सबसे ऊंचा ब्रिज भारत में है, कोलकाता की अंडर वॉटर मेट्रो है। ये सबकुछ दस साल के अंदर हुआ है। हमने सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट प्रणाली बनाई। दुनिया के कई देश इसे अपना रहे हैं। अनाज सुरक्षा से लेकर स्वास्थ्य सुरक्षा तक हमने सभी आयामों पर काम किया है। विजन, अनुभव और प्रतिबद्धता तीनों के साथ मिलने वाला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री हो तो बहुत फायदा होता है। शाह ने कहा कि भारत को एक समय कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब आईएमएफ इसे उज्ज्वल जगह कहता है। अगस्त 2013 में मॉर्गन स्टेनली के एक वित्तीय विश्लेषक की ओर से कमजोर पांच अवधारणा का उपयोग उभरते बाजार देशों का वर्णन करने के लिए किया गया था, जो अपनी विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के

लिए जोखिम भरे विदेशी निवेश पर अत्यधिक निर्भर हो गए। इसमें इंडोनेशिया, ब्राजील, तुर्किये, भारत और दक्षिण अफ्रीका को शामिल किया गया था। गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल पहले भारत दोहरे अंक की मुद्रास्फीति वाला देश था, लेकिन अब यह दहाई अंक की विकास दर वाला देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में हाशिये पर पड़े वर्गों के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है, पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिए गए हैं। 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है, 11 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और 15 करोड़ लोगों को पीने योग्य पानी दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत 50 करोड़ लोगों का बाजार है, जबकि शेष 80 करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने में व्यस्त हैं और उनकी क्रय शक्ति नहीं है। हालांकि, मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराकर उनकी इन समस्याओं को खत्म कर दिया है और भारत अब 130 करोड़ लोगों का बाजार है। शाह ने कहा, अगले 25 वर्षों में भारत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक लीडर बन जाएगा और मोदी सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम कर रही है।

नोएल नवल टाटा होंगे टाटा ट्रस्ट्स के नए चेयरमैन

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। उद्योगपति रतन टाटा के निधन के बाद उनके उत्तराधिकारी के तौर पर नोएल नवल टाटा के नाम का एलान हो गया है। मुंबई में टाटा ट्रस्ट्स में शामिल कई ट्रस्ट के न्यासियों ने बैठकों के बाद सर्वसम्मति से यह फैसला लिया कि नोएल नवल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स और उसके तहत आने वाले अन्य सभी ट्रस्ट का चेयरमैन नियुक्त किया जाए। इसके साथ ही उन्हें टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन भी नामित किया जाए। इसमें कहा गया कि उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभावी होगी। बता दें कि टाटा ट्रस्ट्स में शामिल कई ट्रस्ट के न्यासियों ने शुक्रवार को मुंबई में एक संयुक्त बैठक की और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस बैठक में न केवल टाटा समूह के लिए बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी रतन टाटा की महत्वपूर्ण सेवाओं को याद किया। नोएल टाटा ने अपनी नियुक्ति पर कहा, मैं रतन एन. टाटा और टाटा समूह के संस्थापकों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं। एक सदी से भी अधिक समय पहले स्थापित टाटा ट्रस्ट्स सामाजिक कल्याण के कार्यों का एक अद्वितीय जरिया है। टाटा ट्रस्ट्स कई परमार्थ-संस्थाओं का एक समूह है जो अप्रत्यक्ष रूप से 165 अरब अमेरिकी डॉलर के नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाले समूह को नियंत्रित करता है। रतन टाटा के सौतेल भाई नोएल टाटा ने टाटा ग्रुप की कई कंपनियों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। वह वर्तमान में ट्रेंट, टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड और वोल्टास लिमिटेड सहित कई कंपिनयों के अध्यक्ष है। नोएल टाटा 2000 से टाटा समूह की कंपनियों के साथ जुड़े, उन्होंने टाटा स्टील लिमिटेड और टाइटन कंपनी के उपाध्यक्ष के रूप में काम किया। समूह में शामिल होने के बाद से समूह के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टाटा ट्रस्ट जो टाटा संस में 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं, दो प्राथमिक ट्रस्ट्स सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और टाटा ट्रस्ट से मिलकर बना है। इन संस्थाओं के पास मिलकर टाटा संस में 50 प्रतिशत से अधिक का अधिकार रखते हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कंपनी का कारोबार 500 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर 3 बिलियन डॉलर से अधिक कर दिया। उन्होंने पहले ट्रेंट लिमिटेड का भी प्रबंधन किया, जिसमें एक स्टोर से बढ़ाकर मौजूदा समय में 700 स्टोर से अधिक तक पहुंचा दिया है। यूके के ससेक्स विश्विद्यालय से स्नातक उन्होंने आईएनएसईएडी से अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी पाठयक्रम पूरा किया है। वे नवल एच.टाटा और सिमोन एन. टाटा के पुत्र हैं। नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। दरअसल रतन टाटा के पिता नवल टाटा ने दो शादियां की थीं। नवल टाटा ने पहली शादी सूनी टाटा से की थी, जिनसे उनके दो बेटे रतन टाटा और जिम्मी टाटा हुए। सूनी टाटा से तलाक के बाद नवल टाटा ने स्विट्जरलैंड की एक बिजनेसवूमेन सिमोन से साल 1955 में दूसरी शादी की।

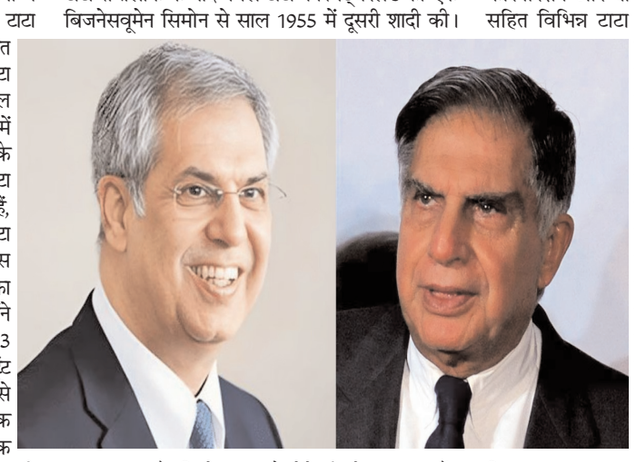

नवल टाटा और सिमोन टाटा के बेटे ही नोएल टाटा हैं। नोएल 40 वर्षों से टाटा समूह से जुड़े हुए हैं और मौजूदा समय में टाटा समूह की कई कंपनियों के बोर्ड में कार्यरत हैं। नोएल टाटा टाटा समूह की कंपनियों के निदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वह वोल्टास लिमिटेड, टाइटन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन और बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सहित विभिन्न टाटा कंपनियों के निदेशक हैं। उन्होंने ट्रेंट, नेस्ले यूके और टाटा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (अब टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड) के लिए भी काम किया है। नोएल टाटा की शादी आलू मिस्त्री से हुई है, जो टाटा संस में सबसे बड़े एकल शेयरधारक और साइरस मिस्त्री के पिता पालोनजी मिस्त्री की बेटी हैं। दंपति की तीन संतान हैं, जिनमें लीह टाटा, माया टाटा और नेवाइल टाटा शामिल हैं। नोएल टाटा की बेटी लीह टाटा भी टाटा समूह में अपनी पहचान बना रही हैं। स्पेन में प्रतिष्ठित ढ्ढश्व बिजनेस स्कूल में मार्केटिंग में अपनी मास्टर डिग्री पूरी की और फिलहाल टाटा समूह के साथ काम कर रही हैं। लीह ने 2006 में ताज होटल्स रिसॉर्ट्स एंड पैलेसेस में सहायक बिक्री प्रबंधक के रूप में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की। पिछले कुछ वर्षों में, वह रैंक में ऊपर उठती गई हैं और वर्तमान में ताज होटल्स में विकास और विस्तार के प्रबंधक के रूप में कार्य करती हैं।

कर्नाटक सरकार ने हुबली दंगा केस लिया वापस

कर्नाटक, 11 अक्टूबर। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 2022 में हुबली में हुए पुलिस पर हमले के मामले में आरोपियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को वापस लेने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति गर्म हो गई है। बीजेपी कांग्रेस सरकार के इस फैसले पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। इसके साथ ही बीजेपी ने राज्य सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप भी लगाया है। साल 2022 में हुबली जिले में एक आरोपी ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर अपमानजनक सामग्री पोस्ट की थी। जिससे नाराज अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 150 लोगों ने 16 अप्रैल, 2022 को रात करीब 10.30 बजे उत्तरी कर्नाटक के ओल्ड हुबली टाउन पुलिस स्टेशन के पास डंडों से लैस होकर जमा हुए थे। सूत्रों की माने तो कर्नाटक सरकार की तरफ से यह उन 43 मामलों में से एक है, जिन्हें राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को अपनी बैठक में वापस लेने का फैसला किया है। हुबली दंगे के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया था कि वहां उपस्थित भीड़ मांग कर रही थी कि पुलिस आरोपी को उन्हें सौंप दें, ताकि वे उसे वहीं खत्म कर सकें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि जो कोई भी आरोपी की बचाएगा, उसे भी नहीं बख्शा जाएगा। इस दौरान भीड़ ने कथित तौर पर आरोपी रक्षा करने वाले पुलिसकर्मियों को मारने के नारे लगाए। सूत्रों ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर ने उन्हें अपना अड़ियल रुख छोड़ने और मनाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान आक्रोशित भीड़ हर हाल में आरोपी को हासिल करना चाहते थे। इसके बाद भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर डंडों और पत्थरों से हमला किया और जिसमें कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस दौरान आक्रोशित भीड़ पुलिस स्टेशन में मौजूद कई सरकारी और निजी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया था। इसके साथ ही इस मामले में अधिकारी ने आगे बताया कि ओल्ड हुबली टाउन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दंगा, हत्या का प्रयास, सरकारी अधिकारियों पर हमला, सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनाने का दावा किया पेश

कौमी संवाददाता

जम्मू, 11 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर में सरकार बनाने को लेकर उमर अब्दुल्ला ने दावा पेश कर दिया है। उन्होंने शुक्रवार को राज भवन जाकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 13 अक्तूबर को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा ने कहा कि मैंने एलजी से मुलाकात की और कांग्रेस, सीपीएम, आप और निर्दलीयों से मिले समर्थन पत्र सौंपे। उमर ने कहा कि मैंने उनसे शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय करने का अनुरोध किया ताकि सरकार काम करना शुरू कर सके। यह एक लंबी प्रक्रिया होगी क्योंकि यहां केंद्र का शासन है। एलजी पहले राष्ट्रपति भवन और फिर गृह मंत्रालय को दस्तावेज भेजेंगे। हमें बताया गया है कि इसमें 2-3 दिन लगेंगे। इसलिए अगर यह मंगलवार से पहले होता

है, तो हम बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह करेंगे। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस सरकार में जम्मू की अनदेखी नहीं की जाएगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस को निर्दलीय विधायकों के बाद अब आम आदमी पार्टी का भी समर्थन मिल गया है। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को अपना समर्थन पत्र उपराज्यपाल को सौंप दिया। बता दें कि डोडा में आम आदमी पार्टी के मेहराज मलिक ने भाजपा उम्मीदवार गजय सिंह राणा को 4,538 वोटों से हराकर जीत दर्ज की है।

हार से झटका, लेकिन महाराष्ट्र पर नहीं होगा असर: पूर्व सीएम गहलोत

जयपुर, 11 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा चुनावों के अप्रत्याशित नतीजों पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत का बयान आया है। गहलोत ने कहा कि हार से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को झटका लगा है, लेकिन आने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर इसका असर नहीं होगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि किसी भी हार से पार्टी और कार्यकर्ताओं को थोड़ा झटका लगता है, लेकिन इस हार का महाराष्ट्र के चुनाव पर असर नहीं पड़ेगा। हरियाणा में टिकट बंटवारे और अति आत्मविश्वास को लेकर कांग्रेस की चौतरफा आलोचना हो रही है। गहलोत को हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस ने सीनियर ऑब्जर्वर के तौर पर भेजा था। जयपुर में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि चुनाव में हार के बाद गुटबाजी, ओवर कॉन्फिडेंस जैसी बातें सामने आ रही हैं। हर बार ये दो-तीन कारण सामने आते हैं। लेकिन इस हार की तह में जाए बिना कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती। ईवीएम के बारे में भी हमने चुनाव आयोग को शिकायत दी है, उसके जवाब का इंतजार है।

देश की सुरक्षा में सेना की महत्वपूर्ण भूमिका: रक्षा मंत्री

गंगटोक, 11 अक्टूबर। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को दार्जिलिंग के सुकना कैंट से सेना कमांडरों के सम्मेलन में वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस दौरान उन्होंने देश की सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद से लड़ने और जरूरत के समय नागरिकों व प्रशासन की मदद के लिए आगे आने के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। सेना कमांडरों में जोश भरते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना देश का सबसे भरोसेमंद और प्रेरक संगठन है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना कमांडरों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गंगटोक जा रहे थे। मगर खराब मौसम के कारण उनकी उड़ान सिलीगुड़ी लौट आई। इसके बाद रक्षा मंत्री ने दार्जिलिंग के सुकना कैंट से वर्चुअली सेना कमांडरों को संबोधित किया। उन्होंने हर सैनिक के देश की रक्षा में दिए जा रहे योगदान की प्रशंसा की। साथ ही राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को सम्मानित भी किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना हर मुद्दे पर सहायता करती है। यह सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के साथ ही नागरिक प्रशासन की सहायता भी करती है। उन्होंने कहा कि मैं पांच साल से अधिक समय से सेना कमांडरों के सम्मेलन में भाग ले रहा हूं। ऐसी चर्चाओं से सशस्त्र बल और पूरे देश को लाभ होता है। उन्होंने सेना में की गई औद्योगिक और तकनीकी प्रगति की भी सराहना की। वैश्विक स्थिति को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा कि हाईब्रिड युद्ध समेत अपरंपरागत युद्ध भविष्य के संघर्षों के अभिन्न अंग हैं।

अखिलेश ने जेपी के बहाने नीतीश से की एनडीए से हटने की अपील

सौरभ शर्मा

लखनऊ, 11 अक्टूबर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उसकी सरकार समाजवादियों को जेपी को याद नहीं करने दे रही है। इसलिए बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा गठबंधन सरकार से बाहर आएं, क्योंकि नीतीश कुमार जेपी आंदोलन से ही निकले हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि सरकार जेपीएनआईसी को अपने लोगों को बेचने की साजिश कर रही है। अखिलेश शुक्रवार को अपने आवास के बाहर जेपी को श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया के बीच अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि हर साल ही समाजवादी जेपीएनआईसी में श्रद्धांजलि देने जाते थे, पता नहीं क्या कारण है कि सरकार अब हमें रोक रही है। इसलिए हम सड़क पर खड़े होकर जेपी को याद करने के लिए मजबूर हैं। यह सरकार हर अच्छा काम रोक रही है। अखिलेश ने कहा कि हम हर साल जेपी की जंयती मनाएंगे। यह पुलिस कब तक खड़ी रहेगी। जैसे ही पुलिस हटेगी, हम लोग फिर वहीं जाकर सम्मान करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार गूंगी बहरी तो थी ही, अब तो इसे दिखाई भी नहीं दे रहा है। यह विकासवादी नहीं, विनाशकारी सरकार है। भाजपा समाजवादियों को उनका त्योहार तक मनाने नहीं दे रही है। जो भी समाजवादी सोच के लोग सरकार में

हैं, वे भाजपा का साथ छोड़ें। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी को लोहिया पार्क के बराबर में इसलिए बनाया गया था कि समाजवादी नेताओं को एक ही जगह सम्मान दे सकें। सरकार इसे बेचकर मुनाफा कमाना चाहती है। यह पूछे जाने पर कि सरकार ने सुरक्षा कारणों से आपको (अखिलेश) को जेपीएनआईसी नहीं जाने दिया, अखिलेश ने कहा कि जो सरकार भेड़ियों और गुलदारों से गरीबों को नहीं बचा पा रही है, वो हमारे स्वास्थ्य की चिंता क्यों कर रही है। अगर वहां हमारी सुरक्षा को खतरा था, तो हमें सुरक्षा के साथ बाहर ले जाना चाहिए था। यह सरकार की जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि बिच्छू जेपीएनआईसी में नहीं, सरकार में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा का कोई योगदान नहीं रहा है। इसलिए स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वालों का सम्मान करने से रोका जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि जेपीएनआईसी का निर्माण पूरा करके उसे जनता के लिए खोलने की जिम्मेदारी सरकार की है। अपने ठेकेदार को काम देने के बावजूद केंद्र का काम पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी के संबंध में जांच रिपोर्ट कभी नहीं आएगी, क्योंकि इसमें उन्हीं के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सीएम को जेपी के योगदान के बारे में पता होता तो नवरात्र के दिन इस तरह से फोर्स नहीं लगाते। इस मामले में जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि अखिलेश यादव मध्य रात्रि में श्रद्धांजली देने पहुंचे गए।

फडणवीस ने किया साइबर कमांड और कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 11 अक्टूबर। फिल्म अभिनेता सयाजी शिंदे ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सदस्यता ग्रहण की। बता दें कि सयाजी शिंदे हिंदी फिल्मों के साथ-साथ अन्य भाषा की फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को एक 22 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसका नेतृत्व निर्माता स्मिता ठाकरे करेंगी। यह समिति राज्य की नई फिल्म नीति बनाएगी। संस्कृति मंत्री सुधीर मुंगुंटीवार ने यह घोषणा की। स्मिता ठाकरे, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की भाभी हैं। इस समिति के सदस्यों में अभिनेता-निर्माता प्रवीण तरडे भी शामिल हैं, जिन्होंने दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे पर आधारित धर्मवीर फिल्म का निर्देशन और निर्माण किया है। दिघे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के राजनीतिक गुरु हैं। महाराष्ट्र के पालघर जिले के सबसे चर्चित चेहरा माने जाने वाले कालूराम दोधाडे का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने 86 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा। जानकारी के लिए बता दें कि कालूराम दोधाड़े ने आदिवासियों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी थी। कालूराम दोधड़े के देहांत के बाद आदिवासी समाज में शोक का महौल है। बता दें कि दोधड़े को आदिवासी समाज प्यार से कालूराम काका बुलाया करते थे। उन्होंने पांच दशकों से अधिक समय तक आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को हस्तांतरित करने सहित विभिन्न कारणों से कई आंदोलनों में भाग लिया था। इसके साथ ही वो आदिवासी समाज की मांग को लेकर जेल भी जाना पड़ा था। चालक की हत्या के आरोप में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार मुंबई के ठाणे में ऑटो चालक की हत्या मामले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुरानी दुश्मनी के कारण एक साथी चालक की हत्या करने के आरोप में 35 वर्षीय ऑटोरिक्शा चालक को गिरफ्तार किया। बता दें कि गुरुवार शाम भिवंडी इलाके में एक ऑटो चालक गणपत भोईर का शव ऑटो पर मिला था। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की। आरोपी साथी चालक की गिरफ्तारी

के बाद भिवंडी के कोनगांव पुलिस स्टेशन के अधिकारी नेतराम म्हस्के ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि उसने गुरुवार को भोईर की गर्दन पर चाकू मारकर हत्या कर दी थी और भाग गया। जिसके बाद से पुलिस आरोपी की खोज में लगी हुई थी। ठाणे पुलिस ने गुरुवार को एक कबाड़ी (28 वर्षीय) को गिरफ्तार किया है, जिसने उसी काम में लगे एक व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या कर दी और उसके शव को जला दिया। कबाड़ी ने पांच सौ रुपये की उधारी के लिए कथित तौर पर यह हत्या की। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेश मनोरे ने बताया कि 3 अक्तूबर को गंगारामपाड़ा निवासी सुरेश तारा सिंह जाधव (35 वर्षीय) का अधजला शव वाडपे गांव के इलाके में मिला था। पुलिस ने पहले हत्या और साक्ष्य नष्ट करने के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (1) और 238 के तहत मामला दर्ज किया। बाद में अपराध शाखा ने सूचनाओं और सुरागों के आधार पर आरोपी बर्कु मारुति पडवले को गिरफ्तार कर लिया। पडवले से पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने एक अन्य व्यक्ति देवा के साथ मिलकर जाधव की हत्या की थी। देवा अभी तक गिरफ्तार नहीं हुआ है। तीनों कबाड़ी का काम करते थे। जाधव ने देवा से 500 रुपये उधार लिए थे, जिसे वह बार-बार याद दिलाने के बावजूद वापस नहीं कर रहा था। हत्या के दिन पडवले और देवा ने जाधव को वाडपे गांव ले जाकर पैसे की मांग की।

बलूचिस्तान के कोयला खदान पर हुए सशस्त्र हमले में 20 लोगों की मौत

एजेंसी

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक छोटी निजी कोयला खदान पर हथियारबंद लोगों द्वारा किए गए हमले में कम से कम 20 खनिकों की मौत हो गई जबकि अन्य सात घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय पुलिस ने दी। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, डुकी स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) हुमायूं खान ने कहा कि ÷हथियारबंद लोगों के एक समूह ने आज तड़के डुकी इलाके में जुनैद कोयला कंपनी की खदानों पर भारी हथियारों से हमला किया। उन्होंने खदानों पर रॉकेट और ग्रेनेड भी दागे। डुकी जिला अस्पताल के एक डॉक्टर जौहर खान शादीजई ने कहा कि हमें जिला अस्पताल में अब तक 20 शव और छह घायल मिले हैं।

श्रीलंका की नौसेना ने 21 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना और तटरक्षक बल ने 21 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इन पर श्रीलंका के जल क्षेत्र में अवैध रूप से शिकार करने का आरोप लगाया गया है। इनके चार ट्रॉलरों को जब्त कर लिया गया है। श्रीलंका के समाचार में यह जानकारी दी गई है। इन भारतीय मछुआरों को डेल्फ्ट द्वीप पर पकड़ा गया। श्रीलंका की नौसेना और तटरक्षक बल गश्त के दौरान पकड़े गए भारतीय मछुआरों को मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंपेगी। स्थानीय मछुआरों की आजीविका के मद्देनजर तट रक्षक बल अपने जल क्षेत्र पर निगहबान रहते हैं। उत्तरी नौसेना कमान ने फास्ट अटैक क्राफ्ट को भी तैनात किया है। इस साल अब तक 59 भारतीय ट्रॉलर को जब्त कर 434 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है। डेली मिरर अखबार के अनुसार, जब्त किए गए चारों भारतीय ट्रॉलरों को कांकेसंथुराई बंदरगाह लाया गया है।

सौर तूफान का पृथ्वी पर आगमन

लॉस एंजेल्स। अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) ने कहा कि एक शक्तिशाली सौर तूफ़ान पृथ्वी पर आया है और यह तूफान हेलेन और मिल्टन के लिए चल रहे पुनर्प्राप्ति प्रयासों को प्रभावित कर सकता है। एनओएए के स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर (एसडब्ल्यूपीसी) के अनुसार, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) मंगलवार शाम को सूर्य से निकला और पूर्वी समय के अनुसार गुरुवार सुबह 11:15 बजे पृथ्वी पर पहुंचा। एसडब्ल्यूपीसी के अनुसार, तूफान जी-4 (गंभीर) स्तर तक पहुंच गया है और जी-4 या अधिक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच और प्रभावी रहेगी। एसडब्ल्यूपीसी भू-चुंबकीय तूफान की स्थिति के लिए कई चेतावनियां और अलर्ट जारी करता रहता है। एनओएए के अनुसार, तूफान हेलेन और मिल्टन तूफान के लिए चल रहे पुनर्प्राप्ति प्रयासों को कई महत्वपूर्ण तरीकों से प्रभावित कर सकता है, जिसमें संचार व्यवधान, पावर ग्रिड तनाव और खराब जीपीएस सेवाएं शामिल हैं।

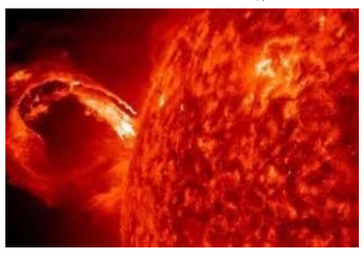

उत्तरी गाजा में तीन सैन्यकर्मियों की मौत : आईडीएफ

तेल अवीव। इज़रायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने गुरुवार को कहा कि उत्तरी गाजा पट्टी में उसके तीन रिजर्व सैनिक मारे गए। आईडीएफ ने सैनिकों के नाम भी प्रकाशित किए, जो कि 5460 प्रशासनिक सहायता इकाई के सदस्य थे। इज़रायली सेना रेडियो ने कहा कि जबालिया क्षेत्र में एक आपूर्ति मार्ग पर एक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से तीन सैनिक मारे गए। इस सप्ताह की शुरुआत में, आईडीएफ ने जबालिया क्षेत्र में एक नए आतंकवाद विरोधी अभियान की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर, 2023 को मध्य पूर्व में शुरू हुए संघर्ष के बाद से, इज़रायल ने विभिन्न मोर्चों पर 734 सैनिकों को खो दिया है, जिसमें गाजा पट्टी में जमीनी अभियानों में मारे गए लगभग 350 सैनिक भी शामिल हैं।

तूफान मिल्टन ने पूरे फ्लोरिडा को अपनी चपेट में लिया, 9 लोगों की मौत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। तूफान मिल्टन ने रात भर तेज हवाओं, विनाशकारी बवंडर और भारी बारिश के साथ दक्षिणपूर्वी अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा को प्रभावित किया, जिससे सुबह तक कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई और लाखों लोगों के घरों की बिजली चली गई। तूफान मिल्टन ने बुधवार रात फ्लोरिडा के पश्चिम-मध्य तट पर श्रेणी-3 के तूफान के रूप में दस्तक दी और मध्य फ्लोरिडा में तेजी से बढ़ने के कारण यह कमजोर होकर श्रेणी-1 में तब्दील हो गया। सेंट लूसी काउंटी ने तूफान के कारण आए बवंडर में चार लोगों के मौत की पुष्टि की। काउंटी ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि पोर्ट सेंट लूसी शहर और असंगठित क्षेत्रों सहित सेंट लूसी काउंटी में कई घरों और संरचनाओं को महत्वपूर्ण क्षति हुई।

विज्ञप्ति में कहा गया कि ÷जैसे-जैसे तूफान मिल्टन अटलांटिक में प्रवेश कर रहा है, सेंट लूसी काउंटी के आपातकालीन प्रबंधन अधिकारी स्थानीय लोगों को सड़कों से दूर रहने और सुरक्षित स्थिति होने तक घर में रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

अनावश्यक यातायात या दर्शक प्रतिक्रिया एवं पुनर्प्राप्ति की कोशिशों में बाधा उत्पन्न करेंगे। एनबीसी न्यूज के अनुसार, वोलुसिया काउंटी में तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिसमें एक पेड़ गिरने से मारा गया व्यक्ति भी शामिल है। समाचार आउटलेट ने कहा कि इसके अलावा, सेंट पीटर्सबर्ग शहर में तूफान से दो लोगों की मौतें हुईं। फ़्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस नेसुबह एक्स पर लिखा कि 30 लाख से अधिक घरों में बिजली नहीं है। तूफान मिल्टन 2024 में अब तक खाड़ी तट से टकराने वाला पांचवां तूफान है, जिनमें से तीन फ्लोरिडा तट से टकराया है।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की लाओस में चार्ल्स मिशेल, मार्कोस और क्लाउस से मुलाकात

एजेंसी

विएंतियान (लाओस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाओस की राजधानी विएंतियान में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल, फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस और विख्यात अर्थशास्त्री क्लाउस श्वाब से मुलाकात की।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक नेताओं से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा,यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ एक शानदार बातचीत। फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस के साथ अद्भुत बातचीत हुई और दोस्त मार्टिन श्वाब से मिलना अच्छा लगा। उल्लेखनीय है कि मार्टिन श्वाब जर्मन मैकेनिकल इंजीनियर, अर्थशास्त्री और विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक हैं। उन्होंने 1971 में संगठन की स्थापना के बाद से डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

मई 2024 में डब्ल्यूईएफ ने घोषणा की कि श्वाब जनवरी 2025 तक कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में

अपनी भूमिका से न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका में आ जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री इशिबा उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और जापान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उनकी सफलता की कामना की। दोनों नेताओं ने सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीखों पर भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। दोनों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, डेयरी, कृषि तकनीक, खेल, पर्यटन, अंतरिक्ष और लोगों से लोगों के संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान सम्मेलन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं और एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। हम अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व संघर्ष और तनाव का सामना कर रहा है, भारत-आसियान मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटारन शिनावात्रा से मुलाकात की

एजेंसी

वियेनतिएन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के इतर आज यहां थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटारन शिनावात्रा से मुलाकात की। यह दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच पहली बैठक थी। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुश्री शिनावात्रा को थाई प्रधानमंत्री को पदभार संभालने पर बधाई दी। इस पर सुश्री शिनावात्रा प्रधानमंत्री श्री मोदी को उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग बनाने के तरीकों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इस संदर्भ में उन्होंने बिम्सटेक के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। थाईलैंड के साथ भारत के संबंध भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो इस वर्ष एक दशक पूरा कर रहा है। थाईलैंड हिन्द-प्रशांत के बारे में भारत के विज़न का एक प्रमुख घटक भी है।

भारत ने म्यांमार पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन किया

एजेंसी

विएंतियान (लाओस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यहां 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत म्यांमार की स्थिति पर आसियान के दृष्टिकोण और पांच सूत्री सहमति का समर्थन करता है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन का वक्तव्य जारी किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत का मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और लोकतंत्र की बहाली के लिए भी उचित कदम उठाए जाने चाहिए। इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए। उसे अलग-थलग नहीं किया जाना चाहिए। पड़ोसी देश के रूप में भारत अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि समुद्री गतिविधियां अन्क्लोस के अंतर्गत संचालित होनी

चाहिए। फ्रीडम ऑफ नेविगेशन और एयर स्पेस सुनिश्चित करना जरूरी है। एक ठोस और प्रभावी कोड ऑफ कंडक्ट बनाया जाना चाहिए। इसमें क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश नहीं लगाए जाने चाहिए। हम सबकी सोच विकासवाद की होनी चाहिए न कि विस्तारवाद की। उन्होंने कहा कि विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। भारत चाहता है कि चाहे यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं बुद्ध की धरती से आता हूं। मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं निकल सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, संवाद और कूटनीति को प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए, मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करना ही होगा। उन्होंने मलेशिया को आगामी मेजबान के लिए शुभकामनाएं देते हुए सफल अध्यक्षता के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का विश्वास दिलाया।

ईरान ने अमेरिकी सहयोगियों हमला का जवाब हमला से देने की धमकी दी

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने गुप्त राजनयिक चैनलों के माध्यम से फारस की खाड़ी और मध्य पूर्व में अमेरिकी सहयोगियों पर हमला करने की धमकी दी है। तेहरान ने कहा कि अगर उनके क्षेत्रों या हवाई क्षेत्रों का उपयोग ईरान पर हमला करने के लिए किया जाता है तो वह इसका जवाब हमला से देगा। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अरब अधिकारियों के हवाले से दी। रिपोर्ट में कहा गया कि तेहरान ने जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कतर को संबंधित चेतावनी भेजी है। इन देशों

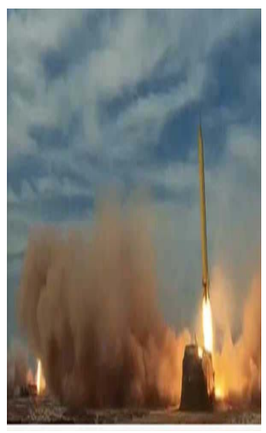

ने कथित रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन को सूचित किया है कि वे ईरान के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई के लिए अमेरिका और इज़रायल को अपने सैन्य संरचना या हवाई क्षेत्र प्रदान नहीं करना चाहते हैं। पिछले सप्ताह, ईरानी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने कहा था कि अमेरिका सहित इज़रायल का समर्थन करने वाले देशों का सीधा हस्तक्षेप और ईरान के खिलाफ उनकी आक्रामकता की स्थिति में, मध्य पूर्व में उनके ठिकानों और हितों को एक साथ एक शक्तिशाली हमले का सामना करना पड़ेगा।

लेबनान से पिछले 24 घंटों में लगभग 5,959 लोगों ने किया सीरियाई सीमा पार

एजेंसी

दमिश्क। लेबनान से पिछले 24 घंटों में लगभग 5,959 लोगों ने सीरियाई सीमा पार किया। यह जानकारी रूसी रक्षा मंत्रालय के सीरिया में विरोधी पक्षों के सुलह केंद्र के उप प्रमुख कैप्टन प्रथम रैंक ओलेग इग्नास्युक ने दी। इग्नासियुक ने कहा, पिछले 24 घंटों में, 5,959 लोगों ने लेबनान से अल अरिदा, जौसिह, दबौसिह, जेसर अल क़मार और जदीदेत याबस सीमा क्रॉसिंग के माध्यम से सीरियाई अरब गणराज्य की सीमा पार की है। इज़रायल 01 अक्टूबर से दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा है और साथ ही हवाई हमले भी कर रहा

है। नुकसान के बावजूद, हिजबुल्लाह जमीनी स्तर पर इज़रायली सैनिकों से लड़ रहा है और सीमा पार रॉकेट दाग रहा है। इज़रायल का कहना है कि उसका मुख्य उद्देश्य उत्तर में गोलाबारी से पलायन कर चुके 60,000 निवासियों की वापसी के लिए परिस्थितिया बनाना है।

बांग्लादेश में ढाका–चटगांव हाइवे पर 10 किलोमीटर लंबा जाम

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा उत्सव के बीच आज ढाका-चटगांव राजमार्ग के नारायणगंज खंड पर यात्रियों को यातायात की भीषण समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस खंड पर 10 किलोमीटर से अधिक लंबा जाम है। सार्वजनिक परिवहन और यात्री वाहनों की भीड़ की वजह से वाहन रेंग रहे हैं।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, आज सुबह से चटगांव जाने वाली लेन पर शिमरैल मोड़ से लंगालबंध तक ट्रैफिक रुका हुआ है। राजमार्ग के विभिन्न बिंदुओं पर वाहन खड़े हैं। चार दिवसीय दुर्गा पूजा की छुट्टी के कारण सड़क पर यात्री वाहनों का दबाव बढ़ गया। लंगालबांध सहित कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम है। इस वजह से लगभग 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। बंधु परिवहन की यात्री रहीमा बेगम ने कहा कि वह सुबह से

ही जाम में फंसी हैं। बसें भी बदल लीं, लेकिन जाम नहीं खुला। कांचपुर हाइवे पुलिस चौकी के प्रभारी अधिकारी काजी वाहिद मोरशेद का कहना है कि राजमार्ग पर कुछ स्थानों पर ट्रैफिक जाम है। सुबह बारिश हुई है। लंगलबंध में यातायात सुचारू नहीं है। इसके कारण कुछ क्षेत्रों में यातायात बेहद धीमा है। कुछ स्थानों पर जाम लगा हुआ है।

बेरूत पर इजरायली हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हुई, 117 घायल

एजेंसी

बेरूत। मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले इलाके अल-नुएरी को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है और 117 लोग घायल हुए हैं। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने नवीनतम अपडेट में यह जानकारी दी। अल जज़ीरा टीवी चैनल के अनुसार, हवाई हमले का लक्ष्य कथित रूप से हिजबुल्लाह के संपर्क और समन्वय इकाई के प्रमुख वाफिक सफा को निशाना बनाना था लेकिन वह हमले में बच गए।

यह तीसरी बार है जब इज़रायल ने अल कोला और अल-बचौरा क्षेत्रों पर हमले के बाद लेबनान की राजधानी बेरूत को निशाना बनाया है। इज़रायल ने हाल ही में बेरूत और उसके उपनगरों पर अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं, मुख्य रूप से

हिजबुल्लाह के अधिकारियों और सुविधाओं को निशाना बनाया है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष एक साल पहले तब शुरू हुआ था जब हिजबुल्लाह ने गाजा युद्ध की शुरुआत में हमास के समर्थन में इजराइल पर रॉकेटों की बौछार की थी।

ईरानी हमले का जवाब घातक, चकित करने वाला होगा : इजरायली रक्षा मंत्री

एजेंसी

यरूशलम। इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि ईरानी मिसाइल हमले पर इजरायल की प्रतिक्रिया घातक, सटीक और आश्चर्यजनक होगी। गैलेंट ने इजरायली सैनिकों से मुलाकात करने के बाद एक्स पर कहा, ईरान पर हमारा हमला घातक, सटीक और चकित करने वाला होगा। जो लोग इजरायल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। केशेत 12 प्रसारक के अनुसार, इजरायली रक्षा मंत्री ने कहा कि तेहरान समझ नहीं पाएगा कि क्या हुआ, लेकिन वह केवल जवाबी हमले का परिणाम देखेगा। पिछले सप्ताह, ईरान ने इजरायल पर बड़ा मिसाइल हमला किया था और इसे आत्मरक्षा की कार्रवाई बताया था। इज़रायली सेना ने कहा कि लगभग 180 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं, जिनमें से अधिकांश को रोक दिया गया।

बांग्लादेश के जेशोरेश्वरी मंदिर से प्रधानमंत्री मोदी का मां काली को भेंट किया मुकुट चोरी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गठित अंतरिम सरकार भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काली माता को उपहार स्वरूप भेंट मुकुट संभाल नहीं पाई। वह चोरी हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2021 में कोरोनाकाल के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के क्रम में बांग्लादेश पहुंचकर प्रमुख शक्तिपीठ जेशोरेश्वरी मंदिर में विराजमान मां काली के चरणों में मुकुट भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया था। यह मुकुट दोपहर चोरी हुआ। राजधानी ढाका से छपने वाले अखबार द डेली स्टार की खबर के अनुसार, यह मंदिर बांग्लादेश में सतखिरा के श्यामनगर में स्थित है। जेशोरेश्वरी मंदिर के पुजारी दिलीप मुखर्जी बताया है कि दिन की पूजा पूरी कराने के बाद वह दोपहर करीब दो बजे मंदिर से चले गए। कुछ ही देरबाद मंदिर का सफाई कर्मचारी परिसर में दाखिल हुआ। थोड़ी देर बाद उसकी नजर काली मां पर पड़ी। वह मुकुट न देखकर हक्का-बक्का रह गया। प्रधानमंत्री मोदी ने 27 मार्च, 2021 को जेशोरेश्वरी मंदिर का दौरा किया था। उन्होंने भेंट स्वरूप में मां काली के सिर पर मुकुट रखा था। यह मंदिर हिंदू धर्म के 52 शक्तिपीठों में से एक है। श्यामनगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ताइजुल इस्लाम ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मुकुट चुराने वाले की पहचान करने के लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

कई पीढ़ियों से मंदिर की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य ज्योति चट्टोपाध्याय ने कहा कि मुकुट चांदी से बना था और उस पर सोने की परत चढ़ी थी। उल्लेखनीय है कि यह वारदात प्रमुख हिन्दू पर्व शारदीय नवरात्रि के दौरान हुई है। नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। देवी का एक स्वरूप मां काली का भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था... अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत इस मंदिर में एक बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल का निर्माण कराएगा। इस हॉल का उपयोग स्थानीय नागरिक सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक आयोजनों के लिए करेंगे। साथ ही यह बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल चक्रवात जैसी आपदाओं के समय सभी के लिए आश्रय स्थल के रूप में कार्य करेगा।

जेशोरेश्वरी शक्तिपीठ के लिए 100 कमरों वाले इस मंदिर का निर्माण अनारी नाम के ब्राह्मण ने 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कराया था। इसका जीर्णोद्धार 13वीं शताब्दी में लक्ष्मण सेन ने और 16 वीं शताब्दी में राजा प्रतापदित्य ने पुनर्निर्माण करवाया था।

पौराणिक कथा है कि इसी शक्तिपीठ में देवी सती की हथेलियां और पैरों के तलवे गिरे थे। देवी यहां मां जशोरेश्वरी के रूप में निवास करती हैं। भगवान शिव चंदा के रूप में प्रकट होते हैं। यह मंदिर मां काली को समर्पित है।

गृह मंत्रालय ने हिज्ब-उत-तहरीर को आतंकवादी संगठन घोषित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने हिज्ब-उत-तहरीर को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत हिज्ब-उत-तहरीर (हुत) और उसके सभी रूपों और प्रमुख संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को यह अधिसूचना जारी की है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 1953 में यरूशलम में बने वैश्विक इस्लामी कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर (हुत) को आतंकवादी संगठन घोषित कर इसके ऊपर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का कहना है कि यह संगठन आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है जोकि देश के भोले-भाले नागरिकों को जिहाद की आड़ लेकर उन्हें प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में शामिल करने के

लिए उकसाता है। मंत्रालय के मुताबिक, यह संगठन आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने का भी काम कर रहा है। देश में कई आतंकवादी गतिविधियों में इसका हाथ रहा है। सरकार ने यह भी कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर नाम का यह संगठन भारत समेत दुनिया भर में इस्लामिक राज्य स्थापित करना चाहता है। इसी मकसद को हासिल करने के लिए यह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है। यह देश की एकता-अखंडता को खतरा है। इस पर प्रतिबंध लगाना बेहद जरूरी है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में यह भी बताया गया है कि यह संगठन विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते हुए मासूम नौजवानों को आतंकवाद में शामिल होने के लिए उकसा रहा है। यह संगठन देश में अशांति फैलाना चाहता है।

केंद्र सरकार का यह भी मानना है कि यह संगठन भारत में आतंकवाद के कई कार्यों में शामिल रहा है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने देश में हिंसक जिहाद छेड़कर, भारत सरकार को उखाड़ फेंककर, खिलाफत की स्थापना करने के मामले में तमिलनाडु से फैजुल रहमान को गिरफ्तार किया। यह हुत से संबद्ध आतंकी है। वह अब एनआईए की हिरासत में सातवां आरोपी है।

दिल्ली के मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, डीडीए उपाध्यक्ष को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अलीपुर इलाके में खुले नाले में गिरने से पांच वर्षीय बालक की हुयी मौत की घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुये दिल्ली के मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष, दिल्ली नगर निगम आयुक्त को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। आयोग की जारी विज्ञप्ति के अनुसार, आठ अक्टूबर, 2024 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि सात अक्टूबर, 2024 को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अलीपुर इलाके में पांच वर्षीय बालक की खुले नाले में गिर जाने से मौत हो गयी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, वहां काम करने वाले ठेकेदार ने कथित तौर पर बिना किसी चेतावनी या संकेत लगाये कई जगहों पर नाले को खुला छोड़ दिया था।

आआपा नेता सौरभ भारद्वाज ने मार्शल के मुद्दे पर विजेंद्र गुप्ता की आलोचना की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) नेता सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली विधामसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजेंद्र गुप्ता के बस मार्शल की बहाली पर दिए बयान की आलोचना की है । सौरभ भारद्वाज ने एक्स हेंडल पर कहा कि भाजपा के विजेंद्र गुप्ता ने 5 अक्टूबर को कहा था कि उपराज्यपाल ने सरकार का प्रस्ताव मान लिया है । इसका मतलब बस मार्शल बहाल हो गये थे। मगर दिल्ली के

उपराज्यपाल ने बस मार्शल की बहाली का ऑर्डर अभी तक नहीं निकाला ? अगर इनकी बहाली नहीं हुई तो पूरी दिल्ली इन बस मार्शलों के लिए सड़कों पर उतरेगी । उल्लेखनीय है कि विजेंद्र गुप्ता ने कुछ दिनों पहले ही प्रेस वार्ता का आयोजन कर के दिल्ली सरकार पर बस मार्शल की बहाली का आरोप लगाया था ।

ट्रंप और हैरिस पीएम मोदी के प्रवासी समुदाय से जुड़ाव का चुनाव में उठाना चाहते हैं फायदा : हर्षवर्धन श्रृंगला

नई दिल्ली। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद कुछ ऐसा है जिसे दुनिया भर के नेता स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक का लक्ष्य अपनी सफलता के लिए भारतीय प्रवासियों के साथ पीएम मोदी के जुड़ाव का लाभ उठाना होगा। चुनाव की तारीख (5 नवंबर) नजदीक आने के साथ ही व्हाइट हाउस की रेस में डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच करीबी मुकाबला माना जा रहा है। मिशिगन, विस्कॉन्सिन और पेंसिल्वेनिया प्रांतों में भारतीय समुदाय की एक बड़ी आबादी है, जिसने पिछले कई दशकों में अमेरिका में अपनी अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से अंतिम परिणाम में इस समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। श्रृंगला ने दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, वर्ष 2014 में जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, उनका प्रयास भारतीय समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करने और उन्हें भारत के विकास से जोड़ने का रहा है। भारतीय समुदाय पेंसिल्वेनिया और जॉर्जिया जैसे कई महत्वपूर्ण राज्यों में मौजूद है, जहां उनके वोट और वित्तीय योगदान महत्वपूर्ण हैं। अगर हम देखें तो दोनों ही खेमे प्रधानमंत्री मोदी के भारतीय समुदाय के साथ बेहतर जुड़ाव को अपने फायदे में भुनाने का लक्ष्य बना रहे हैं।

बंगला भाजपा को मुबारक हो, हम दिल्ली की जनता की सेवा करेंगे : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा मुख्यमंत्री आवास सील किए जाने के बाद गुरुवार को कहा कि उन्हें न बंगले का लालच है, न किसी अन्य सुविधा का। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, हम राजनीति में न ही बंगले में रहने आए हैं, न ही कोई सरकारी सुविधा प्राप्त करने। राजनीति में आने का हमारा मुख्य उद्देश्य सिर्फ जनता की सेवा करना है, जो हम किसी भी कीमत पर करके रहेंगे। हमें ऐसा करने से कोई नहीं रोक सकता है। अगर जरूरत पड़ी, तो हम सड़क पर बैठकर भी दिल्ली की जनता की सेवा करेंगे। यह सभी गाड़ी-बंगले भाजपा को मुबारक हों। उन्होंने आगे कहा, भारतीय जनता पार्टी इसलिए परेशान है कि वह आम आदमी पार्टी को हरा नहीं पा रही है। भाजपा चुनाव लड़ती है, लेकिन उसे मुंह की खानी पड़ती है। भाजपा सिंगल डिजिट से ज्यादा विधायकों की संख्या नहीं कर पा रही है। भाजपा चुनाव हार जाती है, तो इनकी सरकार नहीं बन पाती है। इनका कोई मुख्यमंत्री नहीं बन पाता है और जब इनका कोई मुख्यमंत्री नहीं बन पाता है, तो ये लोग ऑपरेशन लोटस शुरू कर देते हैं, ताकि अन्य दलों की सरकार को गिराया जा सके। यह लोग इसी कोशिश में लगे रहते हैं कि कैसे भी करके, खरीद-फरोख्त करके अपनी सरकार बना लें, लेकिन भाजपा के लोग यह भी नहीं कर पाए। इसके बाद इन लोगों ने तीसरा पैंतरा अपनाना शुरू कर दिया। इन लोगों ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को जेल भेजना शुरू कर दिया, ताकि हमारी पार्टी तोड़कर अपना मुख्यमंत्री बना सकें, लेकिन यह भी नहीं हो सका।

दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है : कपिल मिश्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को मुफ्त पानी और बिजली देने वाली राज्य की सरकार घाटे में चल रही है। अगर समय रहते स्थिति नहीं सुधरी कर्मचारियों को वेतन भी नहीं मिल सकेगा। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा, यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का मामला है। अरविंद केजरीवाल अपने भाषण में कहते थे कि अगर ईमानदारी से काम किया जाए तो सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं होती है। लेकिन, दिल्ली सरकार के भ्रष्टाचार के कारण इतिहास में पहली बार राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है, ऐसा इससे पहले कभी नहीं हुआ था। दिल्ली एक राजधानी है और यहां पर केंद्र द्वारा भी बहुत पैसा मिलता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद अगर यहां पर घाटा हो जाए तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली में डीटीसी घाटे में चली गई है। जल बोर्ड घाटे में है। सड़क की मरम्मत के लिए पैसा नहीं है। सड़कों की लाइट ठीक कराने के लिए पैसे नहीं हैं। यहां तक कि कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी पैसे नहीं हैं। महज दो माह का पैसा दिल्ली सरकार के पास बचा है। भाजपा नेता ने कहा कि दिल्ली की यह स्थिति दिखाती है कि किस स्तर पर राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार किया है। अरविंद केजरीवाल के लॉजिक से सरकार ईमानदार हो तो पैसे की कोई कमी नहीं होती है। इससे सिद्ध हो गया है कि सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और दिल्ली आज इसकी कीमत चुका रही है। कपिल मिश्रा ने कहा, यह केवल 7000 करोड़ रुपये का घाटा नहीं है। यह तो राजकोषीय घाटा है जो सरकार का है। इसके अलावा जल बोर्ड 70 हजार करोड़ रुपये के घाटे में जा चुका है, डीटीसी का निजीकरण हो चुका है। घाटा अभी इतना नहीं है जितना दिखाया जा रहा है। घाटा कई लाख करोड़ का हो चुका है।

टेली मानस हेल्पलाइन में 2 साल में आए 14.5 लाख से अधिक कॉल, अब वीडियो कॉल भी कर सकेंगे लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय टेली-मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत दो साल पहले शुरू की गई टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता और राज्यों में नेटवर्किंग (टेली मानस) हेल्पलाइन पर अब तक 14.5 लाख अधिक कॉल आ चुकी है। विश्व मानसिक दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई। इस मौके पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने टेली मानस एप लॉन्च किया। इस एप के माध्यम से लोग वीडियो कॉल के जरिए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान पा सकेंगे। फिलहाल यह सुविधा कर्नाटक, जम्मू एवं कश्मीर और तमिलनाडु में शुरू की गई है लेकिन जल्द ही इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा। यह पहल मानसिक स्वास्थ्य को सुलभ और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे लोग मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर सही परामर्श ले सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि टेलीमानस

टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरः 14416 या 1-800-891-441 कई भाषाओं में है और इसके माध्यम से फोन करने वाले अपनी पसंद की भाषा चुनकर सेवायें ले सकते हैं। कॉल पर विशेषज्ञों द्वारा परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। टेली मानस ऐप एक मोबाइल प्लेटफॉर्म है जिसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। ऐप में एक लाइब्रेरी है जिसमें आत्म-देखभाल, संकट संकेतों को पहचानने, तनाव, चिंता और भावनात्मक संघर्ष के शुरुआती संकेतों के प्रबंधन के सुझाव शामिल हैं। यह उपयोगकर्ता के अनुकूल अनुभव प्रदान करते हुए दिमागी चुनौतियों, खेलों और माइंडफुलनेस प्रथाओं के माध्यम से उनके समस्या का समाधान करने की सुविधा प्रदान करता है। ऐप उपयोगकर्ताओं को मुफ्त में जुड़ने और तत्काल परामर्श के लिए 24×7 भारत भर में प्रशिक्षित मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के माध्यम से गोपनीय मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्राप्त करने में मदद करेगा।

हरियाणा की जनता को मालूम था 'मोहब्बत की दुकान' में फर्जी माल है : शाजिया इल्मी

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस में मंथन का दौर शुरू हो गया है। इस बीच भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने कहा, कांग्रेस के भीतर मंथन होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि, अगर राहुल गांधी और उनके साथी फिर से ईवीएम के बारे में बात करना शुरू करते हैं, तो सबसे पहले उमर अब्दुल्ला से फटकार मिलेगी। शाजिया ने कहा कि कांग्रेस को अहंकार हो गया था कि वे झूठ बोलकर हरियाणा की जनता को गुमराह कर लेंगे। हरियाणा की जनता को मालूम था कि राहुल गांधी की दुकान में फर्जी माल बिक रहा है। किसी भी विफलता के लिए सिस्टम या प्रशासन को दोष देने के बजाय आत्मचिंतन आवश्यक है। कांग्रेस पार्टी को जनादेश पर भरोसा करना चाहिए और लोगों के फैसले का सम्मान करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी के लिए हमेशा दूसरों को दोष देने के बजाय आत्म-परीक्षण करना महत्वपूर्ण है। उन्हें हमेशा खुद को आईना दिखाने और यह आकलन

करने की जरूरत है कि वे क्या कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली सरकार घाटे में जा रही है। इस पर भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने कहा, यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली सरकार, जो हमेशा लाभ में रही है और जिसका राजकोषीय अधिशेष रहा है, अब पहली बार राजकोषीय घाटे में जा रही है। उनके पास सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी पर्याप्त धन नहीं है। दिल्ली जल बोर्ड को देखें, इसने हमेशा राजस्व अर्जित किया है और लाभ में रहा है। हालांकि, वे अब भारी कर्ज में है और सीएजी को ऑडिट रिपोर्ट देने के इच्छुक नहीं हैं। इस कर्ज से केवल टैंकर माफिया को फायदा हुआ है। पर्याप्त कर राजस्व प्राप्त करने के बावजूद, विभिन्न विभाग लगातार घाटे में जा रहे हैं। दिल्ली में सीएम आवास को लेकर छिड़े विवाद पर शाजिया इल्मी ने कहा, चाहे देश के प्रधानमंत्री हों, मुख्यमंत्री हों, मंत्री हों, सांसद हों, विधायक हों या कोई भी सरकारी अधिकारी, जब भी वे अपना बंगला खाली करते हैं या दूसरी जगह जाते हैं, तो पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) उसे अपने कब्जे में ले लेता है, उसका निरीक्षण करता है, जांच करता है और फिर नया आवंटन किया जाता है। शीश महल के अंदर क्या रहस्य है। जो केजरीवाल छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

दिसंबर 2024 से कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दे पाएगी दिल्ली सरकार : वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली सरकार घाटे में आ गई है। राज्य में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया है कि यदि यही हाल रहा तो दिसंबर में वह अपने कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दे पाएगी।

दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 1994-95 में मदन लाल खुराना ने दिल्ली का पहला सरप्लस बजट पेश किया था। तब से लेकर अब तक दिल्ली की वित्तीय स्थिति ठीक थी। लेकिन सवाल यह उठता है कि उच्च राजस्व होने के बावजूद दिल्ली सरकार सात हजार करोड़ रुपये के घाटे वाला बजट क्यों पेश कर रही है इसका जवाब भ्रष्टाचार, लूट और चोरी में ही छिपा है। दिल्ली सरकार चल रही परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में विफल हो रही है। इसलिए मैं

दिल्ली सरकार से आग्रह करता हूं कि वह जागे और कर्मचारियों के वेतन का प्रबंध करे, अपने राजस्व संबंधी मुद्दों को सुधारे और अपने वित्तीय प्रबंधन को सुधारे। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, भाजपा को भाजपा शासित प्रदेशों की चिंता करनी चाहिए।इस पर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, हम तो दिल्ली में पैदा हुए हैं। इसलिए दिल्ली की चिंता करते हैं। केजरीवाल और आप (सौरभ भारद्वाज) कहां से आए हैं? सचदेवा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, अरविंद केजरीवाल कहते थे कि उनकी सरकार का बजट 'सरप्लस बजट' है; इसी कथन की आड़ में वह बिना नए आर्थिक संसाधन जुटाए नई योजनाएं लाते रहे। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के 10 साल के आर्थिक कुप्रबंधन का परिणाम है कि 2024-25 का बजट दिल्ली के इतिहास का पहला घाटे का बजट बन चुका है। वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि संभवतः दिसंबर 2024 से दिल्ली सरकार अपने कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दे पाएगी, केजरीवाल सरकार के बजट के घाटे में जाने का मुख्य कारण है बिना आर्थिक संसाधन जुटाए योजनाओं को लागू कर देना, और उन योजनाबद्ध कार्यों को बजट में शामिल करने के बावजूद उनके लिए समयबद्ध राजस्व का प्रबंध न करना। उन्होंने कहा कि आप की केजरीवाल सरकार ने अपने 10 साल सत्ता संघर्ष की भेंट चढ़ा दिए और आज दिल्ली को ऐसे आर्थिक संकट में धकेल दिया है जहां विकास तो ठप हो ही गया है, अब जनहित की योजनाएं भी रुकती नजर आ रही हैं।

दिल्ली ने केन्द्र को लिखा पत्र, प्रदूषण से निपटने के लिए राजधानी में हो कृत्रिम वर्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से आगामी नवंबर माह में दिवाली के आसपास प्रदूषण बढ़ने से पैदा होने वाली आपात स्थिति से निपटने के लिए राजधानी में कृत्रिम वर्षा कराए जाने से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रिया समय से पूरा कराने का अनुरोध किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर तुरंत सभी हित धारकों की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि यह बैठक समन्वित प्रयासों से दिल्ली में आपात स्थिति में कृत्रिम वर्षा कराए जाने पर केंद्रित होनी चाहिए। अपने पत्र में गोपाल राय ने कहा है कि सर्दियों के दौरान अक्सर दिल्ली की वायु गुणवत्ता न्यूनतम स्तर पर पहुंच जाती है। ऐसे में आपातकाल स्थिति के निपटने के लिए कृत्रिम वर्षा कराए जाने पर विचार किया गया है। इससे संबंधित प्रेजेंटेशन को प्रस्तुत किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस बारे

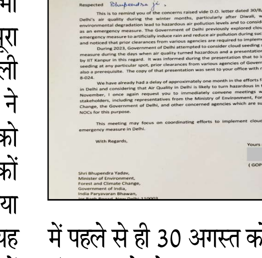

में पहले से ही 30 अगस्त को आपके मंत्रालय को भेजा गया था। ऐसे में जरूरी अनुमति लेने में हम पहले ही एक महीना लेट चल रहे हैं। एक मीटिंग बुलाई जाए जिसमें पर्यावरण मंत्रालय, दिल्ली सरकार और अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली सरकार ने पर्यावरण नियमों का सख्ती से पालन करने वाली 10 निर्माण एजेंसियों को दिया हरित रत्न अवार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पर्यावरण नियमों का सख्ती से पालन करने वाली दस निर्माण एजेंसियों को हरित रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया है। दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यह अवार्ड देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि सभी सरकारी और निजी निर्माण एजेंसी को एंटी डस्ट कैंपेन के तहत संवेदनशील बनाने को लेकर वर्कशॉप का आयोजन दिल्ली सचिवालय में किया गया। इसमें मुख्य तौर पर सीएंडडी पोर्टल और स्वच्छ निर्माण को प्रोत्साहन देने के विषय पर एजेंसी को बताया गया। सरकारी व प्राइवेट निर्माण एजेंसियों को साइट पर ही काम कर रहे कर्मचारियों को ट्रेनिंग देने का निर्देश दिया गया है। साथ ही सीएंडडी साइट्स का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और निर्माण संबंधी जारी 14 नियमों को लागू करने को लेकर उनको विस्तार से बताया गया। गोपाल राय ने बताया कि सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की वजह से दिल्ली में वायु प्रदूषण में लगातार सुधार हो रहा है।

NAME CHANGE

I, No.4582208N, Rank- SEP, Khot Sandeep Tukaram R/o Vill.Julewadi,PO-Save,Teh-Shahuwadi, Distt.Kolhapur, Maharashtra-416215 have changed my minor daughter's name from Trisha to Khot Trisha Sandeep for all future purposes vide affidavit no. IN-DL69259104141750W dated 10.10.2024, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-471571W Rank-SUB Name-BENDRE VIJAY PANDURANG R/o VPO-PIMPALNER, TEH-PARNER, DIST-AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-414302 have changed my mother's name from SAKKU BAI to SHAKUNTALA PANDURANG BENDRE for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-471571W Rank-SUB Name-BENDRE VIJAY PANDURANG R/o VPO-PIMPALNER, TEH-PARNER, DIST-AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-414302 have changed my daughter's name from PAYAL BENDRE to PAYAL VIJAY BENDRE for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-471571W Rank-SUB Name-BENDRE VIJAY PANDURANG R/o VPO-PIMPALNER, TEH-PARNER, DIST-AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-414302 have changed my daughter's name from KAJAL BENDRE to KAJAL VIJAY BENDRE for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-471429M Rank-SUB Name-GOPI CHAND KALER R/o VILL-DHANI CHARANAN, PO-KALIYASAR, TEH- HUNJHUNU, DISTT-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-331026 have changed my daughter's name from KANCHAN CHAUDHARY to KANCHAN CHOUDHARY for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

NAME CHANGE

I, JC-472141Y Rank-SUB Name-BALJIT R/o VPO-MAJRA D, TEH-BERI, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124202 have changed my daughter's name from TANNU KUMARI to TANNU for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SAROJ wife of JC-471429M Rank-SUB Name-GOPI CHAND KALER R/o VILL-DHANI CHARANAN, PO-KALIYASAR, TEH- HUNJHUNU, DISTT-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-331026 have changed my name from SAROJ to SAROJ DEVI for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-471429M Rank-SUB Name-GOPI CHAND KALER R/o VILL-DHANI CHARANAN, PO-KALIYASAR, TEH-HUNJHUNU, DISTT-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-331026 have changed my daughter's name from MUKTA CHAUDHARY to MUKTA CHOUDHARY for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-16012151N Rank-HAV Name-ASHOK KUMAR residing at VILL-BAHADURPURA, PO-KARAB, TEH-MAHAWAN, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281204 have changed my father's name from SHAHAB SINGH to SAHAB SINGH for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1951 instead of his correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-16019060M Rank-HAV Name-NARENDER R/o VILL-HATHWALA, TEH-JULANA, DIST-JIND, HARYANA-126101 have changed my mother's name from PHOOLPATI to PHULI for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAM KISHOR PRASAD TRIVEDI Father of No. 3013676K Rank-NK Name-SHIVA KANT TRIVEDI Presently residing at VPO-DUNDPUR, TEH-BIGHAPUR, DIST-UNNAO, UTTAR PRADESH-209801 have changed my name from RAM KISHOR PRASAD TRIVEDI to RAMKISHOR PRASAD TRIVEDI for all future purposes vide Affidavit dated 05/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KAMBLE BHIMRAO SAKHARAM Father of No. 4582165K Rank-NK Name-KAMBLE VINOD BHIMRAO Presently residing at VILL-MOUJE TASGAON, PO-PETH VADGAON, TEH-HATKANANGLE, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416122 have changed my name from KAMBLE BHIMRAO SAKHARAM to BHIMRAO SAKHARAM KAMBLE for all future purposes vide Affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-2897625K Rank-HAV Name-BHARTENDU KUMAR SINGH residing at 150P, AKHA, AONLA, BAREILLY, UTTAR PRADESH-243301 have changed my father's name from YOGENDAR PAL SINGH to YOGENDRA PAL SINGH for all future purposes vide affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SULOCHANA Mother of JC-472299F Rank-SUB, Name-NARESH KUMAR Presently residing at BAHADURGARH, PO-LADRAWAN, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124507 have changed my name from SULOCHANA to SALOCHNA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 11/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Yashpal Arora S/o Vasdev R/o S-221/17, Street No.4-5, Vishnu Garden, New Delhi-110018, have changed my name from Yashpal Arora to Yash Pal, for all purposes.

PUBLIC NOTICE

General Public at large is informed that my client Shri Raj Singh S/o Late Mansingh aged about 64 years R/o House in Front of Pole No. 19, Gali No. 03, Balmiki Colony, Village Bijwasan, South West Delhi, Delhi-110077 has disowned his both the sons and their wifes namely 1. Shri Balbeer S/o Shri Rajsingh and his wife Smt. Kamron Nisha 2. Shri Sanjay S/o Shri Raj Singh and his wife Smt. Meenakshi from his all moveable and immovable properties/assets as they are misbehaving with my client and no more under the control of my client. If anybody has done, is doing or will deal with his abovesaid both the sons and their wifes in any manner whatsoever, he has done the same or is doing the same or will do the same at his/their own risk and my client shall not be responsible for any act of them and their family members and moreover will not have any sort of liability for the same.

AMIT CHAUHAN Advocate
Chamber No. 336, Dwarka Court Complex, New Delhi 110075
Mob.+91 9999485362

NAME CHANGE

I Jana Bai mother of No.4582208N Rank- SEP, Name Khot Sandeep Tukaram R/o Village.Julewadi, PO-Save, Teh.Shahuwadi, Distt.Kolhapur, Maharashtra- 416215 have changed my name to Janabai Tukaram Khot & my DOP has been also wrongly mention as 28/03/1970 in my Son's service record but my correct DOB is 01/01/1951 for all future purposes vide affidavit no. IN-DL-69257625829350W dated 10.10.2024, before Notary Public, Delhi

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/ Ownership documents i.e. Sale Deed dated 01.09.2015 doc no. 9497 Reg. in Book No. 1, Vol. no. 8424 On Pages 73 to 79, Regd. At SRO IX New Delhi executed by 1. Sh. Sanjay Gupta S/o Sh. Y.P.L. Gupta 2. Sh. Anil Deswal S/o Late Sh. Ram Parshad in favour of Smt. Chanda W/o Sh. Amar Pal pertaining to Ground Floor of Property Bearing No. RZ-K-15/233, Out of Khasra No. 233, Area Measuring 35.59 Sq. Yds., Situated at West Sagarpur, Village Nasirpur, Delhi-110046. (hereinafter referred to as 'said property')Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Ishwar S/o Sh. Shiv Kumar who has agreed to Sell the 'said property' to Smt. Shahnaz Khanam and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., LAXMI NAGAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated : 11-10-2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE

This is to inform you that Smt. Kanchan Gupta is the owner of the freehold property bearing No. B-514, with an area of 495 sq. yards, situated in New Friends Colony, Delhi-110025. The entire property was purchased by Sh. Vivek Gupta and Jagdish Parshad from POI through DDA via a conveyance deed dated 19.11.1996. Jagdish Parshad passed away, and his wife, Sushila Gupta, also passed away, both leaving behind legal heirs: Smt. Vibha Gupta (daughter) and Sh. Vivek Gupta (son). Subsequently, Smt. Vibha Gupta released her share in favor of her brother, Sh. Vivek Gupta, through a relinquishment deed dated 10.08.2020. Later, Sh. Vivek Gupta also passed away, leaving behind legal heirs: (1) Ms. Nimisha Gupta (daughter), (2) Mr. Nimit Gupta (son), and (3) Smt. Kanchan Gupta (wife). Subsequently, Ms. Nimisha Gupta and Mr. Nimit Gupta both released their shares in favor of their mother, Smt. Kanchan Gupta, through a relinquishment deed dated 02.08.2021. The same property is being financed by Unity Small Finance Bank Ltd., Branch Ansal Bhawan, 12th Floor, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001. The original conveyance deed dated 19.11.1996, as Regd. No. 562, and the original relinquishment deed dated 10.08.2020, as Regd. No. 2249 both documents have been lost, and an FIR LR No: 1175232/2023 has been registered on 28.11.2023 with P.S. Crime Branch, Delhi. If any person(s) objection & regarding subject property, then kindly may submit his/her objection within 07 days from the date of the Notice in writing. The said objection may be kindly sent to the undersigned by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail. failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

केंद्र ने हरियाणा के लिए जारी किए 1947 करोड़ रुपये

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनते ही केंद्र सरकार ने हरियाणा को विभिन्न मदों के तहत रुके हुए 1947 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इससे प्रदेश में कई विभागों के अंतर्गत चल रही विकास परियोजनाएं पूरी की जा सकेंगी। यह जानकारी हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। राजनीतिक हलकों में केंद्र की इस कार्रवाई को हरियाणा के लिए उपहार कहा जा रहा है। हरियाणा का चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गत दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि नायब सैनी ने इस मुलाकात के माध्यम से हरियाणा के लिए रुके हुए अनुदान जारी करने का भी आग्रह किया था। इस बीच केंद्र सरकार ने हरियाणा सरकार को 1947 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने खुद इसकी जानकारी साझा की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा है कि केंद्र सरकार ने हरियाणा को 1947 करोड़ का कर हस्तांतरण किया है, हम इसके लिए कृतज्ञ हैं। इस राशि से हम हर वर्ग को लाभ पहुंचाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने वाली परियोजनाओं को और तेजी से पूरा कर सकेंगे।

शार्ट सर्किट से राइस मिल के गोदाम में लगी आग

हिसार। जिले के कस्बा हांसी में जींद रोड स्थित जैन राइस मिल में बिजली पैनल कंट्रोल में हुए शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग लगने से फैक्ट्री में रखी लाखों रुपए का पैकिंग मैटीरियल, चावल, इलैक्ट्रिक कंट्रोल पैनल व चावल जल कर राख हो गया। आगजनी की घटना से गोदाम में लगी लोहे टीन व बिल्डिंग को भी काफी नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया लेकिन तब तक गोदाम में रखा काफी सामान जलकर राख हो चुका था। जैन राइस मिल के प्रोपराइटर प्रीतम जैन ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब सवा सात बजे उसके पास मिल में काम करने वाले वर्कर का फोन आया कि इलेक्ट्रिक पैनल में शार्ट सर्किट के कारण मिल के गोदाम में आग लग गई है। मिल में आग लगने की सूचना मिलते ही उसने दमकल विभाग को फोन करके सूचना दी और मिल में पहुंचा तो देखा कि गोदाम में रखे सामान में भयंकर आग लगी हुई थी। गोदाम से करीब 30-35 फुट ऊंची लपटें उठ रही थी और मिल में काम करने वाले वर्कर आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने मिल में आगजनी की घटना पर काबू पाने के लिए फायर सिलेंडर, आग बुझाने वाले गोले तथा दो टैंकर हर वक्त पानी से भरे खड़े रहते हैं और उन्हीं की मदद से मिल वर्कर आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे और उसके बाद फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंच आग काबू पाया।

सोनीपत विधायक बोले,विकास ही मुख्य लक्ष्य

सोनीपत। सोनीपत से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक निखिल मदान ने कहा कि विकास ही उनका लक्ष्य है। सभी प्रदेशवासियों का धन्यवाद, जिनके आशीर्वाद से प्रदेश में तीसरी बार पूर्ण बहुमत से भाजपा सरकार बनी है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार देशवासियों के जन कल्याण के लिए कार्य कर रही है। निखिल मदान ने ओल्ड डीसी रोड पर न्यू ब्रह्म कालोनी में नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस मौक़े पर कालोनी वासियों द्वारा विधायक मदान का स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि आज न्यू ब्रह्म कालोनी की 4 गलियों में नई सीवरेज लाइन बिछाने और उनको सीसी से पक्का करने के कार्य का शुभारम्भ किया गया है। इस कार्य में 80 लाख की लागत आएगी। सोनीपत के महत्वपूर्ण विकास कार्यों को जल्द से जल्द धरातल पर शुरू करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। सोनीपत शहर तक मेट्रो की कनेक्टिविटी, शहर के बस स्टैंड को बाहर शिफ्ट करना, सामान्य हस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करना, नगर निगम का नया भवन पूरा करवाना, शहर में बरसाती पानी निकासी की सुदृढ़ व्यवस्था करवाना, सफाइ व्यवस्था को बेहतर करना, लाइन पार क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाना, मिनी बाई पास का निर्माण, उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

गुणवत्ता से तय समय सीमा में किए जाए शमशान घाट में सभी कार्य : निगमायुक्त

हिसार। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने ऋषि नगर श्मशान भूमि पर बनने वाले अत्याधुनिक इको फ्रैंडली श्मशान घाट के कार्यों निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण करते हुए ठेकेदार व कंसल्टेंस एंजेसी को गुणवता से कार्य करने के लिए निर्देश दिए। डॉ. वैशाली शर्मा ने निरीक्षण के दौरान कहा कि इस कार्य को तय समय सीमा में पूर्ण किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि श्मशान घाट के पहले फेज में लगभग 60 प्रतिशत कार्य हो चुका हैं और बाकी कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि फेज-1 के पूर्ण कार्य होने के पश्चात फेज-2 में जो कार्य होने हैं, उनकी तैयारी कर ली गई हैं और उनके टेंडर भी लगाए जाएंगे। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने ठेकेदार व कंसल्टेंसी एंजेसी को कार्य में ओर तीव्रता करने के आदेश दिए और बताया कि यह श्मशान घाट अपने स्तर पर हरियाणा का पहला सबसे अत्याधुनिक इको फ्रेंडली श्मशान घाट बनेगा।

मुख्य सचिव ने मंडल आयुक्तों व जिला उपायुक्तों से ली रिपोट

धान खरीद व उठान में तेजी के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने प्रदेश के सभी प्रशासनिक सचिवों को राज्य की मंडियों में धान और बाजरा खरीद की व्यक्तिगत तौर पर निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सचिव मंडियों का दौरा करें ताकि सुचारू खरीद के लिए सभी जरूरी प्रबंध सुनिश्चित किए जा सकें। प्रसाद चंडीगढ़ मंडलायुक्तों और उपायुक्तों के साथ खरीफ फसलों की खरीद, पराली जलाने और पटाखों की बिक्री और उपयोग के संबंध में एक वर्चुअल समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि सभी मंडियों में खरीद प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि तौल मशीनों, नमी मापने वाले उपकरणों, ढुलाई और भंडारण जैसी आवश्यक सुविधाओं की समुचित उपलब्धता हो। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों से बातचीत करके खरीद प्रक्रिया के बारे में उनकी चिंता का समाधान किया जाए। उन्होंने उपायुक्तों को निदेश दिए कि मंडियों में पहले से मौजूद धान के उठान में तेजी लाई जाए, क्योंकि आगामी सप्ताह में आवक बढने की उम्मीद है। प्रसाद ने पराली जलाने की समस्या और वायु गुणवत्ता पर इसके प्रभाव को देखते हुए, मंडल आयुक्तों

और उपायुक्तों को प्रदेश भर में पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी और नियंत्रण के लिए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आग की घटनाओं पर तत्परता से नजर रखने के लिए उपग्रह डेटा और ग्राउंड रिपोर्ट का उपयोग किया जाए। इसके लिए अधिकारी कृषि और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसे संबंधित विभागों के साथ मिलकर काम करें। प्रसाद ने कहा कि हालांकि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन उपाय किए जाने आवश्यक हैं, साथ ही कृषक समुदाय के साथ सहयोग से निवारक कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने त्योहारों के मौसम से पहले जिला अधिकारियों को हानिकारक बेरियम साल्ट वाले पटाखों के उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटाखों के निर्माण, बिक्री और भंडारण की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे।

बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव तथा नागरिक संसाधन सूचना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव वी. उमाशंकर, हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक तथा सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की महानिदेशक सुश्री आशिमा बराड़ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा में राज्य सभा की एक व मेयर की दो सीटें खाली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव परिणाम का ऐलान होने के बाद नए राजनीतिक समीकरण बनने शुरू हो गए हैं। इसराना से कृष्णलाल पंवार के विजयी होने के साथ ही हरियाणा में राज्य सभा की एक सीट खाली हो गई है। कृष्ण लाल पंवार मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान प्रदेश के परिवहन मंत्री रह चुके हैं।

विधायकों की संख्या के आधार पर खाली होने वाली यह सीट भी भाजपा के खाते में ही जाएगी। कृष्ण लाल पंवार विधायक पद की शपथ ग्रहण करने से पहले राज्य सभा सदस्य के पद से इस्तीफा देंगे। हालही में दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद बनने के बाद खाली हुई सीट पर भाजपा ने कांग्रेस से आई किरण चौधरी को राज्य सभा सांसद बनाया है। वर्तमान में राज्य सभा की सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा है। अब कृष्ण लाल पंवार की सीट खाली होने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा राज्य सभा में जाने के लिए लॉबिंग की जाएगी। कृष्ण लाल पंवार दो अगस्त 2022 को राज्य सभा में गए थे। उनका कार्यकाल एक अगस्त 2028 तक है। इस लिहाज से अब हरियाणा से जो भी सदस्य राज्य सभा

अंबाला व सोनीपत में रिक्त हुए मेयर के पद, शक्ति रानी व निखिल मदान को इस्तीफा देने की जरूरत नहीं

में जाएगा उसका कार्यकाल चार साल के लिए मान्य होगा।

चुनाव में अंबाला नगर निगम की मेयर शक्ति रानी शर्मा पंचकूला जिले के कालका विधानसभा हलके से भाजपा की उम्मीदवार के तौर पर विधायक निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी प्रदीप चौधरी को 10 हजार 883 वोटों के अंतर से पराजित किया है। शक्ति रानी शर्मा दिसंबर 2020 में हरियाणा जनचेतना पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर अंबाला नगर निगम के मेयर पद पर प्रत्यक्ष (सीधी) निर्वाचित हुई थी। नगर निगम कानून, 1994 की धारा 8 ए के अनुसार प्रदेश के किसी नगर निगम के मेयर या सदस्य एक ही समय पर साथ-साथ विधायक या सांसद नहीं रह सकता है। अगर कोई व्यक्ति नगर निगम के मेयर पद या सदस्य होते हुए प्रदेश की विधानसभा या संसद के लिए निर्वाचित हो जाता है, तो विधायक या सांसद के तौर पर निर्वाचित घोषित होने की तारीख से वह नगर निगम का मेयर या सदस्य नहीं रहेगा। 8 अक्टूबर को कालका विधायक निर्वाचित होने की तिथि से शक्ति रानी अंबाला नगर निगम की मेयर नहीं हैं। इसके लिए उन्हें औपचारिक तौर पर मेयर पद से त्यागपत्र देने की कोई आवश्यकता नहीं है। अंबाला नगर की तरह ही सोनीपत नगर निगम के मेयर निखिल मदान भी सोनीपत वि.स. सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए हैं। सोनीपत में भी मेयर का पद रिक्त हो गया है। हरियाणा में वर्ष 2018 से नगर निगम मेयर के लिए सम्बंधित निगम क्षेत्र के मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष (सीधा) निर्वाचन किया जाता है।

जींद पराली प्रबंधन जागरूकता वाहन को किया रवाना

एजेंसी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने स्थानीय लघु सचिवालय परिसर से पराली प्रबंधन के जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। जागरूकता वाहन के माध्यम से कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जिला के प्रत्येक गांवों में किसानों को पराली नहीं जलाने के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह जागरूकता वैन 10 अक्तूबर से आगामी 30 नवम्बर तक जिला के प्रत्येक गांव में जाकर गीतों एवं नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से किसानों को जागरूक करेगी।

उपायुक्त ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि इस जागरूकता वैन में कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी गांव में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर लोगों को पराली जलाने से होने वाले दुष्प्रभाव के परिणामों को लेकर जागरूक करें। सरकार के निर्देशानुसार कृषि विभाग पराली प्रबंधन के लिए किसानों को प्रोत्साहन राशि भी दे रहा है। पराली प्रबंधन के लिए अनुदान पर कृषि यंत्र भी दिए जा रहे हैं। ऐसे में किसान धान की पराली या फसल अवशेष जलाने की बजाय कृषि यंत्रों के माध्यम से खेत की मिट्टी में मिलाए ताकि मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बनी रहे। उन्होंने बताया कि जिले में पराली जलाने पर पूर्णरूप से अंकुश लगाने

के लिए ग्राम स्तर से जिला स्तर तक की कमेटियों का गठन किया गया है। जिसमें राजस्व विभाग, कृषि विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि के अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने खंड एवं ग्राम स्तर की निगरानी कमेटियों को निर्देश दिए कि वे गांव में किसानों को पराली नहीं जलाने के बारे में जागरूक करें। इसके अलावा यदि कोई भी पराली जलाता है तो उसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। पराली जलाने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इस मौके पर कृषि एवं कल्याण विभाग के उपनिदेशक गिरीश नागपाल, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अलका श्रीवास्तव, क्यूसीआई जींद नरेंद्र पाल, एसडीओ नरवाना बलजीत लाठर, एसडीओ सफीदों सुशील गुप्ताच सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी ईश्वर दत्त एवं संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सरस मेले में एटीएम क्लॉथ बैग उपलब्ध कराएगा नगर निगम

मेले को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के साथ हुई बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान में 13 अक्टूबर से 29 अक्टूबर के बीच आयोजित होने वाले तीसरे राष्ट्रीय सरस मेले में जिला प्रशासन का भी विशेष योगदान रहेगा। इस संबंध में केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने गुरुग्राम के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में डीसी निशांत कुमार यादव व सीपी विकास अरोड़ा, निगम कमिश्नर नरहरि सिंह बांगड़ सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों संग बैठक कर मेले के सफल आयोजन को लेकर व्यापक चर्चा की।

डीसी निशांत कुमार यादव ने बैठक में बताया कि मेले में आने वाली स्वयं सहायता समूह की

दीदियों के मेला स्थल से लेकर उनके रुकने के स्थान तक आवागमन को लेकर सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि गुरुग्राम जिले में आने वाली दीदियां यहां जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की एक बेहतर छवि मन मे लेकर जाएं। इस दौरान उन्होंने मेला प्रबंधन में सहयोगी की भूमिका निभाने वाले सभी प्रमुख विभागीय अधिकारियों को मेलव के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में सीपी विकास अरोड़ा ने आश्वस्त किया कि मेले के दौरान मेला परिसर में पूरी सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। इसके साथ ही आयोजन स्थल तक आगुन्तकों को पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को भी सभी जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं। संयुक्त सचिव ने बैठक में बताया कि गुरुग्राम में तीसरी बार आयोजित होने वाला सरस मेला पूरी तरह से ईको फ्रेंडली होगा। इस दौरान बैठक में निगम आयुक्त ने बताया कि मेले में आने वाले ग्राहक खरीदारी के समय कपड़े का बैग इस्तेमाल में ला सके इसके लिए नगर निगम द्वारा मेला परिसर में क्लॉथ बैग एटीएम भी स्थापित किए जाएंगे। जिसमें एक निर्धारित राशि देकर ग्राहक कपड़े का थैला खरीद सकेंगे।

एक माह के भीतर उम्मीदवारों को जमा करवाना होगा चुनावी खर्च ब्यौराः अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। विधानसभा आम चुनाव-2024 लड़ने वाले उम्मीदवारों को चुनाव परिणाम आने के बाद एक माह के भीतर अपने चुनावी खर्च का ब्यौरा जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय को जमा करना होगा। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार तय समयावधि में चुनावी खर्च का ब्यौरा न देने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अभिषेक मीणा ने गुरूवार को बताया कि नियम के अनुसार उम्मीदवार द्वारा नामांकन पत्र भरने के साथ ही चुनावी खर्च की गणना शुरू हो जाती है। इसके लिए उम्मीदवार को अलग से एक रजिस्टर में अपने रोजाना के चुनावी खर्च का हिसाब रखना होता है और अलग से बैंक खाता भी खुलवाना होता है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक खर्च की गणना चलती है। विधानसभा आम चुनाव के परिणाम 8 अक्तूबर को घोषित हुए थे, इसके बाद एक माह के अंदर-अंदर उम्मीदवारों को अपने

चुनाव खर्च का ब्योरा देना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि तय समयावधि में चुनावी खर्च का ब्यौरा न देने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

हरियाणा से 55 दिन बाद हटी चुनाव आचार संहिता

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के गठन को लेकर 55 दिन बाद आदर्श चुनाव आचार संहिता हटाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। चुनावी दंगल में प्रत्याशियों ने खूब जोर-अजमाइश की, जिसमें से निर्धारित 90 प्रत्याशियों को ही जनता ने चुनकर विधानसभा भेजा। प्रदेश में 16 अगस्त को चुनावों का ऐलान हुआ था। प्रदेश में तकरीबन डेढ़ महीने से ज्यादा समय आचार संहिता लागू रही।

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा विधानसभा आम चुनाव-2024 की चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही प्रदेश में लागू आदर्श चुनाव आचार संहिता हट गई है। अग्रवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में आवश्यक अधिसूचना जारी की है, जिसकी एक-एक प्रति भारत सरकार के कैबिनेट सचिव राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली, मुख्य सचिव हरियाणा और मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा को आवश्यक सूचनार्थ भेजी गई है।

नारनौल में अब तक हुई 30 हजार 538 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने गुरूवार को वीडियो कांफ्रैंसिंग के जरिए रबी फसल की सरकारी खरीद के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर उन्होंने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए पटाखों से होने वाले प्रदूषण के मामलों के लिए भी ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह ने इन दोनों विषय पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। एसडीएम ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में बाजरे की सरकारी खरीद सुचारू रूप से चल रही है। अभी तक जिला महेंद्रगढ़ में 30 हजार 538 मैट्रिक टन बाजरे की खरीद हो चुकी है। अब तक 13 हजार 771 मैट्रिक टन बाजरे का उठान हो चुका है। किसानों का बाजरा न्यूनतम समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है।

एसडीएम ने जिला के किसानों से आह्वान किया कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह से साफ करके मंडी में लाएं ताकि मंडी में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने बताया कि इस बार किसानों की सहूलियत के लिए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से गेट पास काटने की सुविधा दी दी गई है ताकि किसानों को लाइन में ना लगना पड़े। किसान पोर्टल के माध्यम से अपने आप भी अपना गेट पास काट सकते हैं। इसके अलावा अनाज मंडी के मुख्य गेट पर भी गेट पास काटने के लिए कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं।

नशे से बर्बाद हो जाता है जीवनः शैलजा गुप्ता

एजेंसी

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता ने नशा मुक्ति केंद्रों, सेवा संस्था सीनियर सिटिजन होम व पुलिस लाइन नारनौल में सेफ हाउस का निरीक्षण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी शैलजा गुप्तों ने निजामपुर रोड स्थित बाल भवन में नशा मुक्ति केंद्र का दौरा कर मरीज से उनका हाल-चाल जाना। साथ ही उन्होंने नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे से न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होता है बल्कि पैसे की बर्बादी व घर की भी बर्बादी होती है। इसलिए हमें जीवन में कभी भी नशा नहीं करना चाहिए और अपने सगे संबंधियों व आस.पड़ोस के लोगों को भी नशा न करने के बारे में प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि नारनौल के नशा मुक्ति केंद्र में इलाज बिल्कुल फ्री है। यह केंद्र 24 घंटे खुला रहता है। इसके बाद उन्होंने नागरिक अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र व पुलिस लाइन में सेफ हाउस का निरीक्षण कर साफ सफाई का जायजा लिया। सीजेएम शैलजा गुप्ता ने सेवा संस्था सीनियर सिटिजन होम नांगल चौधरी में बुजुर्गों से उनका हाल-चाल जाना।

यूएलबी पोर्टल पर लंबित फाइलों का निपटान समय रहते किया जाए : डॉ. वैशाली शर्मा

एजेंसी

हिसार। जिला नगर आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने सभी यूएलबी के अधिकारियों को प्रॉपर्टी टैक्स की पेडिंग फाईलों का निपटान जल्द से जल्द करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी यूएलबी पोर्टल पर पेटिंग फाईलों निपटान समय रहते करें।

जिला नगर आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा नगर निगम के मुख्य सभागार में जिले की सभी यूएलबी के साथ मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि वे चैक करें कि यूएलबी पोटर्ल पर लगाए गए रिवर्ट में आवेदकों से सही से रिवर्ट में किन दस्तावेजों की मांग की गई हैं ताकि आवेदक उन दस्तावेजों को पूर्ण कर सकें। उन्होंने सभी यूएलबी को प्रॉपर्टी टैक्स बकाया की वसूली का लक्ष्य को निर्धारित करके कार्य करने के आदेश दिए और कहा कि लक्ष्य को तय समय सीमा में हासिल करें।

जिला नगर आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने स्वामित्व योजना के तहत सभी यूएलबी के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि पेडिंग केसों को जल्द से जल्द निपटान करवाएं। जिन मालिकों द्वारा 100 प्रतिशत बकाया अदा कर दिया गया है, उनकी

कनेवेशन डीड के किसी भी केस को पेडिंग रखने के सख्त आदेश दिये।

समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह, उप-निगम आयुक्त वीरेन्द्र सहारण, कार्यकारी अभियंता हांसी जयबीर डूडी, एई सुमित कुमार, एसडीओ साहिल, सीएसआई राजकुमार, सचिव संजय शर्मा, सचिव दीपक कुमार, अकांउट ऑफिसर सरोज, सीटीएल प्रदीप जाखड़, एपीओ सुनील वर्मा, कानूनगो होशियार सिंह राणा, सुरेन्द्र वर्मा, बनवारी लाल, अकांउटेंट नरेश कुमार, एसआई दीपक झांब, अकाउंटेट आदमपुर ज्योति रानी, एनयूएलएम हांसी विनय, अकांउटेक उकलाना मनजीत कौर, सचिव उकलाना संदीप, सेक्शन ऑफिस राजबाला, डीईओ हांसी रोशन लाल, अकांउटेट नीलम, सचिव नारनौद प्रदीप कुमार, एमई आदमपुर सुमित, सचिव बरवाला गौरव शर्मा, सेक्शन ऑफिसर हांसी रविन्द्र कुमार, एसआई हांसी संजय कुमार व एमई अमित बेरवाल आदि मौजूद रहे।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का होना भी अत्यंत आवश्यक : विनोद छोकर

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने कहा है कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का होना भी अत्यंत आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य से ही शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर विश्वविद्यालय में अप्लाइड साइकोलॉजी विभाग की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ संजय कुमार परमार ने की। कुलसचिव ने कहा कि हमें शुरुआत से ही बच्चों की मानसिक गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए ताकि समय रहते बच्चों में आने वाली मानसिक समस्याओं को समझ सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सभी पहलुओं से अवगत करवाया। डा. संजय कुमार ने बताया कि इस एक दिवसीय आयोजन में मानसिक स्वास्थ्य पर एक पेनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। पेनल डिस्कशन में हरियाणा केन्द्रीय मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल, विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर काउंसलिंग एंड वैल बींग के निदेशक प्रो. संदीप राणा, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक प्रो. सुनीता रानी पेनेलिस्ट के रूप में उपस्थित रहे। तीनो पेनलिस्ट ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सभी मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की तथा बताया कि किस प्रकार मानसिक स्वास्थ्य मनुष्य के लिए आवश्यक है तथा इसे कैसे बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए तथा वर्क लाइफ बैलेंस और वर्क प्लेस हरासमेंट के बारे में विस्तार से बताया। विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। इस नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। यह नाटक विश्वविद्यालय के शिक्षण खंड-7, केफेटेरिया, टी-प्वाइंट तथा पुस्तकालय के सामने भी किया गया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों से नशा न करने तथा नशामुक्ति के लिए सहयोग देने की शपथ भी दिलवाई गई।

केंद्र ने राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण किया जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांरित किया है। राज्यों को जारी की गई इस राशि में अक्टूबर में देय नियमित किस्त के अलावा 89,086.50 करोड़ रुपये की अग्रिम किस्त भी जारी की गई है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर सरकार ने राज्य सरकारों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांतरण जारी किया है। इस राशि में अक्टूबर माह की सामान्य नियमित किस्त 89,086.50 करोड़ रुपये के अलावा अग्रिम किस्त भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों को यह अग्रिम किस्त पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उनके विकास और कल्याण संबंधी व्यय को वित्तपोषित करने में सक्षम बनाने के लिए जारी की गई है।

फाइनेंशियल मार्किट में रिलायंस का बड़ा दांव, नया जियोफाइनेंस ऐप लॉन्च

मुंबई। पहले से बेहतर वित्तिय सेवाएं देने के लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने अपना पूर्णता विकसित जियोफाइनेंस ऐप लॉन्च कर दिया है। जियोफाइनेंस ऐप का बीटा संस्करण करीब 4 माह पहले 30 मई, 2024 को लॉन्च किया गया था। तब से अब तक इसे 60 लाख उपभोक्ता डाउनलोड कर चुके हैं। कंपनी का दावा है कि ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर ही नया ऐप तैयार किया गया है। नया ऐप गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और माईजियो से डाउनलोड किया जा सकेगा। कंपनी ने अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट चेन में कई नई सर्विस जोड़ी हैं। इनमें म्यूचुअल फंड पर लोन, संपत्ति पर लोन, होम लोन और होम लोन बैलेंस ट्रांस्फर शामिल हैं। फाइनेंशियल बाजार में पैर जमाने के लिए कंपनी प्रतिस्पर्धी दरों पर लोन उपलब्ध कराएगी। कंपनी के मुताबिक जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) में करीब 15 लाख ग्राहक बचत खाता खुलवा चुके हैं। बैंक में बचत खाता सिर्फ 5 मिनटों में डिजिटली खोला जा सकता है। खाते के साथ डेबिट कार्ड भी मिलेगा और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की वजह से बचत खाता अधिक सुरक्षित भी होगा। इसके अतिरिक्त, यूपीआई पेमेंट, मोबाइल रिचार्ज और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान जैसी सर्विस भी ग्राहकों को उपलब्ध होंगी। जियोफाइनेंस ऐप में ग्राहकों के विभिन्न बैंक खातों और उनके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को भी लिंक किया जा सकता है।

अमेजन पर मीडियाटेक डेज़ शुरू

नयी दिल्ली। प्रति वर्ष दो अरब से अधिक कनेक्टेड एज डिवाइस को ताकत प्रदान कर रही विश्व की प्रमुख फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2024 तक अमेजन पर 'मीडियाटेक डेज़' शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अमेजन पर 5 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के दौरान मीडियाटेक प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक बनाने और उपभोक्ता को अगली पीढ़ी के प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराने पर ध्यान देगी। इस अभियान का लक्ष्य कनेक्टेड डिवाइसेज़ के नए युग में मीडियाटेक की ताकत वाले अद्भुत प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और समाधानों को लेकर जागरूकता पैदा करना है जिससे उपभोक्ताओं को जानकारी के आधार पर खरीदारी का निर्णय करने में मदद मिल सके। मीडियाटेक के निदेशक (मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस) अनुज सिद्धार्थ ने कहा, जुड़ी हुई जिंदगी की आज की दुनिया में, यह त्यौहारी सीज़न नवीनतम प्रौद्योगिकी में सर्वोत्तम का अनुभव लेने का शानदार अवसर लाता है। हमारे मीडियाटेक डेज़ अभियान के साथ उपभोक्ता मीडियाटेक से ताकत प्राप्त अद्भुत स्मार्टफोन और स्मार्ट डिवाइस की उत्साहजनक रेंज खंगाल सकते हैं। मीडियाटेक में हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं को सशक्त करना और उन्हें अपने क्षितिज का विस्तार करने एवं अनूठी टेक्नोलॉजी के जरिए अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल करने के लिए प्रेरित करना है।

त्योहारी मांग से अधिकांश खाद्य तेल उबले

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर त्योहारी मांग निलकने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेल 1832 रुपये प्रति क्विंटल तक उबल गया वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अक्टूबर का पाम ऑयल वायदा सात रिंगट बढ़कर 4350 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.15 सेंट की गिरावट लेकर 42.91 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में उबाल रहा। सोया रिफाइंड 205 रुपये, पाम ऑयल 1832 रुपये और वनस्पति तेल 1796 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि सरसों तेल 15 रुपये और सूरजमुखी तेल 219 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया। वहीं, मूंगफली तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट लगातार जारी है। हालांकि आज चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज महानवमी के दिन देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये से लेकर 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 70,390 रुपये से लेकर 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज भी 93,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा

है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने की वजह से सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। इजरायल-ईरान में हिंसक संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.18 डॉलर यानी 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 79.22 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.12 डॉलर यानी 0.16 फीसदी फिसलकर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

जीएसटी एमनेस्टी स्कीम 1 नवंबर से, कम ब्याज और पेनल्टी देकर होगा केस का निपटारा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जीएसटी एमनेस्टी स्कीम को नोटिफाई कर दिया है। ये स्कीम 1 नवंबर से ओपन हो जाएगी। टैक्सपेयर्स इस स्कीम के तहत तुलनात्मक तौर पर कम इंटरेस्ट और पेनल्टी चुका कर अपने पेंडिंग मामलों का निपटारा कर सकते हैं। जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का फायदा वे सभी टैक्सपेयर्स उठा सकेंगे, जिनके 1 जुलाई 2017 से लेकर 31 मार्च 2020 तक के टैक्स के मामले पेंडिंग पड़े हुए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई में बजट पेश करते वक्त अपने बजट भाषण में ही जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का ऐलान किया था।

बताया जा रहा है कि ऐसे टैक्सपेयर्स, जिन्हें सेक्शन 73 नोटिस का आर्डर मिला है, वे इस स्कीम का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि जिन टैक्सपेयर्स को फ्रॉड के मामलों में नोटिस दिया गया है, उन्हें इसका फायदा नहीं मिल सकेगा। इस स्कीम के तहत टैक्सपेयर्स को सिर्फ इंटरेस्ट और पेनल्टी के अमाउंट में ही राहत मिलेगी। इसके अलावा एक्चुअल टैक्स डिमांड की राशि का उन्हें भुगतान करना ही पड़ेगा। जानकारों के अनुसार जीएसटी एमनेस्टी स्कीम के लिए सरकार ने फाइनेंस बिल में सेक्शन 128ए को शामिल किया गया था। इसके तहत सेक्शन 73 के तहत भेजे गए नोटिस या ऑर्डर के मामले में टैक्सपेयर्स

को सिर्फ इंटरेस्ट और पेनल्टी के अमाउंट में राहत देने का प्रावधान किया गया है। सरकार की ओर से दावा किया गया है कि जीएसटी एमनेस्टी स्कीम से काफी बड़ी संख्या में टैक्सपेयर्स को राहत मिलेगी। इसके साथ ही ट्रिब्यूनल्स और अदालतों में अपील के मामलों की संख्या में भी गिरावट आएगी। फिलहाल ट्रिब्यूनल्स और अदालतों में ऐसे मामले काफी बड़ी संख्या में पेंडिंग हैं। इसकी वजह से व्यावसायिक घरानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन अब इस स्कीम के आने के बाद व्यावसायिक घराने कम ब्याज और कम पेनल्टी चुका कर अपने पेंडिंग मामलों का निपटारा कर सकेंगे। सरकार की ओर से नोटिफाई किए गए जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने भी स्वागत किया है। सीए फर्म टैक्स सॉल्यूशंस के सीएमडी संतोष अग्रवाल का कहना है कि सरकार की इस एमनेस्टी स्कीम से व्यावसायिक घरानों को काफी फायदा होगा। जुलाई 2017 में जीएसटी की व्यवस्था जब लागू की गई थी तो कई व्यावसायिक घरानों को इसके नियमों के बारे में ठीक से पता नहीं था। इस वजह से कई लोगों से रिटर्न फाइल करते वक्त गलतियां भी हुई थी। बाद में इन लोगों को जीएसटी अथॉरिटीज के नोटिस का सामना करना पड़ा। हालांकि इनमें से अधिकांश लोग ऐसे थे, जिनसे रिटर्न फाइल करने में अनजाने में गलती हुई थी। ऐसे लोगों को अब केंद्र सरकार की इस स्कीम से फायदा मिलेगा।

इनकम टैक्स के कानूनों में बदलाव की तैयारी, सीबीडीटी ने लोगों से सुझाव मांगे

एजेंसी

नई दिल्ली। इनकम टैक्स से जुड़े कानूनी फ्रेमवर्क को चुस्त, स्पष्ट और आसानी से समझ में आने योग्य बनाने के लिए केंद्र सरकार इसके नियमों में बड़ा फेरबदल करने जा रही है??। दावा किया जा रहा है कि इनकम टैक्स के नियमों या कानूनों में बदलाव होने से टैक्स से जुड़े विवाद के मामलों में कमी आएगी। इसके साथ ही टैक्सपेयर्स भी इनकम टैक्स से जुड़े नियमों को लेकर ज्यादा सहज हो सकेंगे।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि आयकर कानून में बदलाव करने के लिए इनकम टैक्स पे करने वाले टैक्स पेयर्स समेत सभी संबंधित पक्षों से सुझाव मांगा गया है। सीबीडीटी ने लोगों से इनकम टैक्स कानून की आसान भाषा, इनकम टैक्स जुड़े मुकदमों में कमी लाने, फार्म और रिटर्न फाइलिंग जैसे कंप्लायंस में कमी करने और इनकम टैक्स कानून के गैर जरूरी प्रावधानों को खत्म करने के संबंध में सुझाव मांगा है।बताया जा रहा है कि टैक्स सुधार की दिशा में यह एक काफी बड़ा कदम है। इसीलिए नए कानून बनाने की प्रक्रिया में टैक्स पेयर्स से लेकर सभी संबंधित पक्षों के सुझाव काफी महत्वपूर्ण होने वाले हैं। इससे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, टैक्स प्रोफेशनल्स और कंसल्टेंट्स को प्रस्तावित बदलावों और उनके असर को उनके लागू होने

से पहले ही समझने के लिए पर्याप्त मौका मिल सकेगा। इस साल जुलाई में बजट पेश करने के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि केंद्र सरकार इनकम टैक्स जुड़े कानून को सुविधाजनक और आसान बनाने के लिए इनमें बदलाव करने का काम कर रही है। वित्त मंत्री के इसी ऐलान के बाद सीबीडीटी ने हर विषय का अध्ययन करने के बाद लोगों से सुझाव मांगे हैं। जानकारों का कहना है कि जीएसटी कानून को लागू करने और उसके बाद हुई परेशानियों से सबक लेते हुए सीबीडीटी ने सभी संबंधित पक्षों से आयकर कानून में प्रस्तावित बदलावों को लेकर सुझाव मांगे हैं। 2017 में जीएसटी कानून को वैट, सेंट्रल एक्साइज और सर्विस टैक्स के कानून की जगह संयुक्त रूप से लागू किया गया था लेकिन इस कानून के लागू होने के बाद इसमें कई बार संशोधन और बदलाव भी करना पड़ा। ऐसा होने से जीएसटी कानून के दायरे में आने वाले पक्षों को जहां कंप्लायंस में परेशानियों का सामना करना पड़ा, वहीं लंबे समय तक नियमों को लेकर स्पष्टता का भी अभाव रहा। यही वजह है कि सीबीडीटी इनकम टैक्स के नए नियमों को बनाने के पहले लोगों की राय जानने पर सबसे अधिक ध्यान दे रहा है, ताकि बाद में किसी भी तरह की परेशानी ना हो।

ओपन एंडेड इक्विटी म्यूचल फंड्स के निवेश में आई गिरावट, एसआईपी के एयूएम में रिकॉर्ड तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली।नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (हि.स.)। इक्विटी म्युचुअल फंड्स में निवेश के लिहाज से सितंबर लो परफॉर्मेंस वाला महीना बन गया। इस महीने ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड में हुए निवेश में करीब 10 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। सितंबर में ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कुल 34,419 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अगस्त की तुलना में करीब 10 प्रतिशत कम है। ये जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई है। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में शेयर बाजार में तेजी आने के बावजूद इक्विटी फंड्स में निवेश में कमी आ गई। सितंबर के महीने में स्टॉक मार्केट में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। इस अवधि में सेंसेक्स 2.4 प्रतिशत उछल गया था, जबकि निफ्टी ने 2.3 प्रतिशत की मजबूती दिखाई थी। जुलाई के बाद सितंबर के महीने में ही शेयर बाजार के संवेदी सूचकांकों में सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई।

इसके बावजूद ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाले निवेश में गिरावट आ गई। हालांकि एएमएफआई द्वारा दिए जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड्स स्कीम्स में होने वाले निवेश में सितंबर के महीने में तेजी आई। इस दौरान एसआईपी के जरिए होने वाला मासिक निवेश 24,508.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि अगस्त के महीने में इस माध्यम से म्युचुअल फंड्स में 23,547.34 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी बढ़ कर 13.82 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके पहले अगस्त के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट 13.39 लाख करोड़ रुपये था। सितंबर के महीने में म्युचुअल फंड्स के यूनिक इन्वेस्टर्स की संख्या भी 5.01 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जबकि इन्वेस्टमेंट फोलियो की संख्या 21 करोड़ के स्तर को पार कर गई। ये अभी तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

ग्रामीणों की आमदनी में पांच साल में 57 फीसदी का हुआ इजाफा : नाबार्ड सर्वे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की इनकम में लगातार वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार पिछले 5 वर्षों में ग्रामीण परिवारों की औसत मासिक आमदनी में 57.6 फीसदी का इजाफा हुआ है। हालांकि, इस दौरान ग्रामीण परिवारों की खर्च के साथ कर्ज भी बढ़ा है। वित्त मंत्रालय ने नाबार्ड के 'अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (एनएएफआईएस) 2021-22' के जारी आंकड़ों में बताया है कि 2016-17 में गांव वालों की औसत मासिक आमदनी 8,059 रुपये थी, जो अब बढ़कर 12,698 रुपये हो गई है। ये वृद्धि 57.6 फीसदी को दर्शाती है, जो 9.5 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के बराबर है। नबार्ड का ये दूसरा एनएएफआईएस रिपोर्ट का निष्कर्ष एक लाख ग्रामीण परिवारों के सर्वेक्षण पर आधार पर आधारित है। इस सर्वेक्षण में सभी 28 राज्य, जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे। नाबार्ड ने अपने सर्वेक्षण में यह उल्लेख किया है कि ग्रामीण परिवारों

की बचत में वृद्धि हुई है। 2021-22 में औसत घरेलू बचत 13,209 रुपये सालाना रही है, जबकि पांच साल पहले यह 9,104 रुपये रही थी। इस अवधि के दौरान 66 फीसदी परिवारों ने बचत की जो सूचना दी है, उसके मुताबिक 2016-17 में 50.6 फीसदी थी। यह दर्शाता है कि ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय साक्षरता और बचत की प्रवृत्ति में सुधार हो रहा है। आंकड़ों के मुताबिक हालांकि, बकाया ऋण वाले परिवारों का अनुपात भी बढ़ा है। पिछले पांच वर्षों में ये अनुपात 47.4 फीसदी से बढ़कर 52.0 फीसदी हो गया है।

नाबार्ड के सर्वेक्षण में ये पाया गया है कि ग्रामीण परिवारों में बीमा कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2016-17 में कम से कम एक सदस्य का बीमा कराने वाले परिवारों का अनुपात 25.5 फीसदी था, जो 2021-22 में बढ़कर 80.3 फीसदी हो गया है। ये कोरोना महामारी (कोविड-19) के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं की पहुंच में सुधार को दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक एनएएफआईएस 2021-22 के परिणाम 2016-17 में पिछले सर्वेक्षण के बाद से ग्रामीण वित्तीय समावेशन में की गई उल्लेखनीय प्रगति को उजागर करते हैं।

इस सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण परिवारों ने आय, बचत, बीमा कवरेज और वित्तीय साक्षरता में उल्लेखनीय सुधार का अनुभव किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-यू), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम), दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) जैसी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं ने ग्रामीण आबादी के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

त्योहारी सीजन में मसालों की कीमत में उतार - चढ़ाव, जीरे में तेजी आई तो हल्दी पर बढ़ा दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्दी का सीजन शुरू होने के पहले मसाले की कीमत में काफी उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। जीरे के भाव में तेजी आई है, वहीं लगभग एक महीने की तेजी के बाद हल्दी पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। जबकि रबर भी सात साल के शिखर से फिसल कर गिरावट का शिकार हो गया है, इसी तरह धनिया में कमजोरी दर्ज की गई है। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर जीरे का अक्टूबर वायदा 9 दिनों के ऊंचाई पर पहुंच गया है। सितंबर में भी जीरे की कीमत में लगातार तेजी बनी हुई थी। अब अक्टूबर के महीने में भी जीरा तेजी दिखा रहा है। एनसीडीईएक्स की चाल पर अगर नजर डालें तो पिछले एक हफ्ते के दौरान जीरा करीब 1 प्रतिशत तक उछल गया है। वहीं पिछले एक महीने के दौरान जीरे के भाव में 5 प्रतिशत तक की तेजी आ गई है। हालांकि अगर 1 साल की अवधि की बात करें, तो पिछले साल अक्टूबर की तुलना में अभी तक जीरे के भाव में 45 प्रतिशत तक की गिरावट आ

चुकी है जानकारों का कहना है कि बाजार में जीरे की मांग में लगातार बढ़ोतरी हुई है। इस साल देश में जीरे की बुवाई भी कम हुई है, जिसके कारण बाजार को इस साल जीरे के उत्पादन में कमी आने की आशंका है। इसके साथ ही थोक बाजार में जीरे की आवक भी कम हो रही है। हालांकि इसकी मांग में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि ठंड की शुरुआत के पहले मांग में थोड़ी बढ़ोतरी ही हुई है। मांग की तुलना में आवक कम होने के कारण जीरे की कीमत को लगातार सपोर्ट मिल रहा है। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट अजय श्रीवास्तव का कहना है कि जीरे के उत्पादन में कमी आने की आशंका लगातार बनी हुई है। इस वजह से अगले एक से डेढ़ महीने में ही यानी नवंबर के अंत तक ही जीरा पिछले साल की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। जीरा के विपरीत हल्दी का अक्टूबर वायदा इस सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस सप्ताह हल्दी के भाव में 0.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि एक महीने की अवधि में इसका भाव 4 प्रतिशत तक लुढ़क गया है। जानकारों का कहना है कि हल्दी की मांग में फिलहाल गिरावट आई है, वहीं हल्दी की आवक बढ़ने की वजह से भी बाजार में इसकी कीमत पर दबाव बन गया है। इसके साथ ही हल्दी की बुवाई का रकबा बढ़ने और इसके एक्सपोर्ट में कमी आने से भी बाजार में दबाव की स्थिति बनी है। हालांकि ठंड की शुरुआत के साथ ही हल्दी की मांग में भी तेजी आने की उम्मीद है, जिससे इसकी कीमत में भी जल्दी ही तेजी आ सकती है।

हल्दी की तरह ही धनिया में भी फिलहाल कमजोरी नजर आ रही है। पिछले 1 हफ्ते के दौरान धनिया की कीमत में 1 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। हालांकि मासिक आधार पर देखें तो धनिया के भाव अभी 7 प्रतिशत चढ़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि सितंबर के महीने में धनिया पिछले 9 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया था। इसलिए फिलहाल उसकी कीमत में करेक्शन हो रहा है। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में डेढ़ से दो प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ज्यादातर मसालों की तरह ही कमोडिटी मार्केट में रबर के भाव पर भी दबाव बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर की कीमत 7 साल के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने के बाद फिसल गई है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर 214 डॉलर प्रति किलो के स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। इस संबंध में वेंकटेश्वर रबर एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर जीवी सुरेश का कहना है कि घरेलू बाजार में रबर की सप्लाई में लगातार कमी बनी हुई है, जबकि डिमांड अपने सर्वोच्च स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर की कीमत में आई गिरावट की वजह से इसकी कीमत में मामूली गिरावट जरूर आई है, लेकिन घरेलू मांग में तेजी आने के कारण अब इसमें और गिरावट आने की उम्मीद नहीं है।

टीसीएस का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 5 फीसदी बढ़कर 11,909 करोड़ रुपये

मुंबई/नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में टीसीएस का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 4.99 फीसदी बढ़कर 11,909 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। टाटा समूह की कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान उसका मुनाफा 11,909 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में टीसीएस को 11,342 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। हालांकि, पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में टीसीएस का मुनाफा 12,040 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने वित्तीय नतीजे की जानकारी देते हुए कहा कि सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका राजस्व 7.06 फीसदी बढ़कर 64,988 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 60,698 करोड़ रुपये रहा था। टीसीएस ने अप्रैल-जून तिमाही में 63,575 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था। इसके अलावा कंपनी का कर-पूर्व लाभ 16,032 करोड़ रुपये रहा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 15,330 करोड़ रुपये था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर टीसीएस का शेयर 23.90 अंक यानी 0.56 फीसदी गिरकर 4,228.40 रुपये के भाव पर बंद हुआ है।

क्या डेंगू से भी ज्यादा खतरनाक होता है टाइफाइड? किस वजह से होता है यह इंफेक्शन, डॉक्टर से जान लें

डेंगू एक वायरल इंफेक्शन होता है, जबकि टाइफाइड बैक्टीरियल इंफेक्शन है. दोनों ही परेशानियां ज्यादा बढ़ जाएं, तो जानलेवा हो सकती हैं. हालांकि दोनों की वजह और ट्रीटमेंट अलग होता है.

बदलते मौसम में डेंगू और टाइफाइड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. बरसात के बाद मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां बढ़ जाती हैं, जबकि खान-पान का ध्यान रखने से भी कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं. कई लोगों को लगता है कि डेंगू और टाइफाइड एक ही तरह की बीमारियां हैं और दोनों में बुखार आने लगता है. हालांकि डेंगू और टाइफाइड दोनों अलग तरह के इंफेक्शन होते हैं, जिनका इलाज भी अलग दवाओं से किया जाता है. आज डॉक्टर से जानेंगे कि डेंगू और टाइफाइड में क्या अंतर है. साथ ही यह भी जानेंगे कि कौन सा इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक है.नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत ने ह्ल2ह्य18 को बताया कि डेंगू एक वायरल इंफेक्शन है, जो मच्छर के काटने से फैलता है. डेंगू में लोगों को तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और त्वचा पर रैशेज जैसे लक्षण नजर आते हैं. डेंगू फीवर में लोगों का प्लेटलेट काउंट तेजी से गिरने लगता है. डेंगू बुखार का इलाज लक्षणों के आधार पर किया जाता है और यह एक खतरनाक इंफेक्शन होता है. अगर सही समय पर डेंगू का इलाज न कराया जाए, तो इससे मौत भी हो सकती है. ब्लड टेस्ट के जरिए डेंगू को डिटेक्ट किया जाता है.डॉक्टर ने बताया कि टाइफाइड एक बैक्टीरियल इंफेक्शन है, जो साल्मोनेला टाइफी बैक्टीरिया से कंटामिनेटेड खाने-पीने की वजह से लोगों में फैलता है. टाइफाइड होने पर लोगों को तेज बुखार, पेट में दर्द, उल्टी, दस्त जैसे लक्षण नजर आते हैं. टाइफाइड को भी ब्लड टेस्ट के जरिए डिटेक्ट किया जाता है. टाइफाइड लंबे समय तक चल सकता है और इसका ट्रीटमेंट एंटीबायोटिक दवाओं से किया जाता है. जब टाइफाइड के बैक्टीरिया दवाओं से मर जाते हैं, तब मरीज को आराम मिलने लगता है. अगर सही समय पर टाइफाइड का इलाज न कराया जाए, तो यह भी जानलेवा साबित हो सकता है. हालांकि टाइफाइड की वैक्सीन उपलब्ध है और डॉक्टर की सलाह लेकर 2-3 साल में एक बार वैक्सीन जरूर लगवानी चाहिए.

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो डेंगू और टाइफाइड दोनों ही गंभीर बीमारियां हैं. इनकी वजह और ट्रीटमेंट अलग-अलग होताहै, लेकिन सही समय पर इलाज न मिले, तो दोनों ही बीमारियों की वजह से लोगों की मौत हो सकती है. ध्यान देने वाली बात यह है कि कई बार लोगों को डेंगू और टाइफाइड एक साथ भी हो सकता है. ऐसी कंडीशन में बीमारियों को लेकर कंफ्यूजन हो जाती है. इससे बचने के लिए डॉक्टर से मिलकर जांच करानी चाहिए, ताकि सही ट्रीटमेंट किया जा सके. डेंगू में बेहद तेजी से प्लेटलेट काउंट कम होने लगता है और इंटरनल ब्लीडिंग का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए.

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस की जीत के साथ बदलाव की जमीन तैयार

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमाया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हार मान ली। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन की जीत के साथ जम्मू-कश्मीर में बहुत कुछ बदलने वाला है। एक तो यह कि भाजपा के पंख कट गये हैं। न उपराज्यपाल अब राजा की तरह होंगे और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सम्राट की तरह।

भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव हार गयी। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने जीत दर्ज की। नेशनल कॉन्फ्रेंसके अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला अगले मुख्यमंत्री होंगे। घाटी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के लिए भारी मतदान किया था। जम्मू के हिंदुओं ने भाजपा को अपना चेहरा बचाने वाला एक मौका दिया, लेकिन उस हद तक नहीं, जिसकी भाजपा को उम्मीद थी। कांग्रेस जम्मू क्षेत्र में एनसी-कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत अधिक संख्या में दर्ज कर सकती थी परन्तु इसमें उनसे चूक हो गयी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमाया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हार मान ली। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन की जीत के साथ जम्मू-कश्मीर में बहुत कुछ बदलने वाला है। एक तो यह कि भाजपा के पंख कट गये हैं। न उपराज्यपाल अब राजा की तरह होंगे और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सम्राट की तरह।

महत्वपूर्ण बात यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंसके पक्ष में किस्मत नहीं थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस की सीटें लोगों के जनादेश के दम पर भारी बहुमत से आगे निकल गयीं, जो ज्यादातर नेशनल कान्फ्रेंस के पक्ष में था। वास्तव में, कांग्रेस एनसी के पाले में लटकी रही। इतना ही नहीं, यहां तक कि इंजीनियर रशीद, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र से हराया था, भी एनसी के शानदार प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं कर पाये।नेशनल कॉन्फ्रेंस की तुलना में पीडीपी को करारी हार का सामना करना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि कश्मीर के मतदाता कश्मीर क्षेत्र से स्पष्ट विजेता चाहते थे, न कि विभाजित जनादेश, जिससे किसी भी क्षेत्रीय विजेता को अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण से उत्पन्न समस्याओं को हल करने का मौका न मिले। कश्मीरी मुसलमान भारत के बाकी हिस्सों के मुसलमानों से अलग नहीं हैं। वे भी केंद्र के प्रति बहुत आभारी नहीं हैं क्योंकि आतंकवादियों द्वारा मारे जाने और बच जाने के बाद भी आज उनका जीवन कम नारकीय नहीं हो गया है। उस समय भी नहीं जब पत्थरबाजी एक दैनिक घटना थी।

स्वतंत्र उम्मीदवार, जिन पर भाजपा ने भरोसा किया था, भी हार गये। नेशनल कॉन्फ्रेंस/कांग्रेस के उम्मीदवारों ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में पीडीपी उम्मीदवारों को हराया, लेकिन इसने अब्दुल्ला परिवार को महबूबा की ओर दोस्ताना हाथ बढ़ाने से नहीं रोका। जीत में उदारता! परिणाम लगभग ऐसे थे जैसे पीडीपी ने चुनाव ही नहीं लड़ा था। इल्तिजा मुफ्ती तो मुफ्ती परिवार के गढ़ बिजबेहरा में भी हार गयीं।यह कहा गया किये विधानसभा चुनाव 2014 के बाद से जम्मू और कश्मीर के पहले चुनाव थे। साथ ही, जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किये जाने के बाद भी ये पहले चुनाव थे।

खास बात यह है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला चुनाव था। एग्जिट पोल ने त्रिशंकु सदन की भविष्यवाणी की थी, लेकिन यह पता चला कि जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं की धारणा बिल्कुल अलग थी। सुबह 8 बजे से ही वोटों की गिनती शुरू हो गयी थी और तभी से यह स्पष्ट था।

हिंसा की कोई घटना नहीं हुई, मानो तथाकथित उग्रवादी भी यह देखने के लिए इंतजार कर रहे थे कि नतीजे किसके पक्ष में आते हैं। छह साल के अंतराल के बाद एक नयी सरकार चुनी जानी थी। 20 जून, 2018 को पीडीपी-भाजपा शासन का पतन हो गया था। इसके बाद अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर के लाखों लोग इन चुनावों का इंतजार कर रहे थे। चुनाव परिणाम से पता चला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों से जम्मू-कश्मीर के अधिसंख्य लोग प्रभावित नहीं हुए।जम्मू-कश्मीर को उसके राज्य-दर्जा में वापस लाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की समय सीमा भी है। समय सीमा का पालन करना होगा। बहाने बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे। जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में बना हुआ है। ऐसी दबी हुई खबरें हैं कि लद्दाख को जम्मू-कश्मीर में वापस लौटने में कोई आपत्ति नहीं होगी।कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि सर्वोच्च न्यायालय की समय-सीमा का पालन किया जाये। इंडिया गठबंधन, जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंसएक घटक है, भी इस पर विचार करेगा।नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है, जिसकी अब आवश्यकता नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि उपराज्यपाल को पांच आरक्षित सीटों पर यादृच्छिक लोगों को नामित करने का कोई अधिकार नहीं है। एनसी-कांग्रेस गठबंधन ने इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की योजना बनाई है। पांच नामित सदस्यों के आने से विधानसभा की संख्या 95 हो जायेगी और बहुमत का आंकड़ा 48 हो जायेगा।

विधानसभा चुनाव तीन चरणों में हुए थे। 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को। अब सभी को राहत मिली कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गये। वास्तव में, यह केंद्र की उपलब्धि थी। सभी मतगणना केंद्रों पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतगणना की गयी। कोई नहीं कह सकता कि कश्मीर में कब विस्फोट हो जाये।जम्मू-कश्मीर चुनाव में पाकिस्तान की भी दिलचस्पी है। आतंकवाद, उग्रवाद और सीमा पार से घुसपैठ सभी इस %मित्रवत पड़ोसी% की बदौलत हैं। सवाल यह है कि जम्मू-कश्मीर में नागरिक सरकार की वापसी से पाकिस्तान के साथ आधिकारिक या अन्यथा संबंधों पर क्या असर पड़ेगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस दोनों ही चाहते हैं कि भारत-पाक वार्ता फिर से शुरू हो। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार कम से कम फिलहाल पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध रखने के खिलाफ है। केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच टकराव होना तय है। राज्य के लोग और घाटी के लोग विरोध करेंगे। अलगाववादी अपनी मांगों और विरोध के अपने तरीके के साथ प्रतिशोधात्मक तरीके से फिर उभर सकते हैंअनुच्छेद 370 एनसी-कांग्रेस गठबंधन सरकार के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में उम्मीदों की सरकार

हिंसा और राज्य समर्थित दमन के 10 वर्षों के बाद जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस की गठबन्धन वाली सरकार बनी है तो स्वाभाविकत- लोगों के मन में उसे लेकर बड़ी उम्मीदें हैं। ये आशाएं केवल उस राज्य में रहने वालों को ही नहीं वरन देश-विदेश में रहने वाले हर उस व्यक्ति की हैं जो उस राज्य की स्थिति को लेकर दुखी हैं। 5 अगस्त, 2019 को भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा छीन लिया था। वहां आतंकवाद के सफाये के नाम पर नागरिकों पर जुल्म ढाये गये। पिछले एक दशक तक प्रदेश प्रतिनिधित्व विहीन रहा। भाजपा का एक नुमाइंदा प्रशासक बनकर राज्य को हांकता रहा। इसे लेकर जो बड़े-बड़े दावे भाजपा और केन्द्र सरकार ने किये थे, वे कुछ भी पूरे नहीं हुए। उल्टे जम्मू-कश्मीर विकास की दौड़ में पिछड़ता चला गया।

नयी सरकार से लोगों को उम्मीद है कि वह लोगों के ज़ख्मों पर मरहम लगाये और सूबे को विकसित करे। हिंसा और नफ़रत को खत्म कर यहां कश्मीरियत की वह इबारत फिर से लिखे जाने की ज़रूरत है, जिसे पिछले बरसों में पूर्णत- मिटाने की कोशिश की गयी। इस प्रांत में रहने वालों के प्रति भाजपा की घृणा जगजाहिर है। इसी नफरती भावना के चलते 370 समाप्त तो कर दी गयी लेकिन केन्द्र सरकार को उसके बाद यह नहीं पता चल सका कि अब क्या करना है। बताया गया था कि अनुच्छेद 370 ही सारी समस्याओं की जड़ है और इसके हटते ही कश्मीर में शांति और विकास की गंगा बहने लगेगी। वैसे साफ था कि केन्द्र सरकार की दिलचस्पी जम्मू-कश्मीर के लोगों में नहीं बल्कि यहां के व्यवसाय और यहां की जमीनों को हड़पने में है। आरोप लगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां के प्रमुख कारोबार अपने व्यवसायी मित्रों को सौंपना चाहते हैं। सम्भवत- बाद में उन्हें और उनके दोस्तों को एहसास हुआ होगा कि इस प्रांत को सम्हालना वैसा आसान नहीं है. जैसा वे सोच रहे थे। हकीकत यह है कि धारा 370 के खत्म करने से यहां कुछ भी हासिल नहीं हुआ। नागरिकों का जो नुकसान हुआ वह अपनी जगह पर है।जम्मू-कश्मीर की जो नयी सरकार बनने जा रही है, उसे कुछ बातों का ख्याल रखना होगा। पहली तो यह कि सरकार को गिराने की हरसम्भव कोशिश होगी क्योंकि यह भाजपा की नाक का सवाल है और ध्रुवीकरण का उपकरण भी। प्रचारित यह किया गया था कि अनुच्छेद 370 हटने से यहां के नागरिक खुश हैं और खुशहाली बहाल हुई है। सत्ता पाने के लिये जम्मू में 5 सीटें बढ़ाई भी गईं। फिर, एक अशांत सीमा से लगे होने के कारण केन्द्र के माध्यम से भाजपा द्वारा प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की भरपूर कोशिशें होंगी। जम्मू-कश्मीर के जो हालात हैं, ऐसे अवसर मिल सकते हैं। न हों तो बनाये जा सकते हैं। भाजपा का कुख्यात %ऑपरेशन लोटस% फिर से सक्रिय करने के भी प्रयास होंगे। हालांकि नयी विधानसभा में जो दलीय स्थिति है, उसके चलते फिलहाल उसकी गुंजाइश नहीं है परन्तु भाजपा इस सरकार को गिराने के रास्ते तैयार करती ही रहेगी। दूसरे, वह यह भी ख्याल रखे कि इस सरकार को पाने के लिये यहां की गैर भाजपायी सियासती पार्टियों को अनेक तरह की तकलीफें उठानी पड़ी हैं। 370 का विलय करने के बाद पूरी घाटी में असंतोष था। लोगों का दमन करने के लिये सरकार ने कई क्रूर कार्रवाइयां कीं। इनमें अंधाधुंध गिरफ्तारियां, गोलीचालन आदि से लेकर लम्बे-लम्बे कर्फ्यू तथा इंटरनेटबंदी आदि शामिल है। ऐसे ही, प्रशासक बैठाकर जनप्रतिनिधियों को अप्रासंगिक बनाया गया।गठबन्धन वाली इस सरकार को बनाने में राहुल गांधी का बड़ा योगदान रहा है। 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकली उनकी पहली भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर के श्रीनगर स्थित लाल चौक पर खत्म हुई थी। 30 जनवरी, 2023 को इस अवसर पर बर्फबारी के बीच राहुल के दिये भाषण ने यहां के लोगों तथा भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों- खासकर नेशनल कांफ्रेंस एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ा हौसला दिया था। स्थानीय कारणों से पीडीपी ने अलग चुनाव लड़ा था- बावजूद इसके कि वह राष्ट्रीय स्तर पर बने संयुक्त विपक्षी गठबन्धन इंडिया का हिस्सा है। दोनों पार्टियों का इतिहास देखें तो वे कभी न कभी केन्द्र हो या राज्य में भाजपा के साथ सत्ता में भागीदारी निभा चुकी हैं। वैसे तो अनुच्छेद 370 हटाने के कारण कश्मीर में भाजपा के खिलाफ माहौल है .

पूरब के ऑक्सफोर्ड में किताबों पर बुलडोजर

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार-बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनावी गहमागहमी के बीच बहुत सी जरूरी खबरें हाशिए पर धकेली गईं, इन्हीं में से एक खबर आई मौजूदा प्रयागराज यानी अतीत के इलाहाबाद से। खबर यह कि अब बुलडोजर का ज़ोर मकानों से बढ़ते हुए पुस्तकों पर भी असर दिखाने लगा है। बीते शनिवार नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने फुटपाथ पर पुरानी किताबें बेचकर आजीविका कमाने वाले एक गरीब दुकानदार के बक्से को बुलडोजर से रौंद डाला। दुकानदार लोहे के इसी बाक्स में पुरानी किताबें रखता था, पढ़ने-लिखने के शौकीन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और जरूरतमंद विद्यार्थी इन पुरानी किताबों को सस्ते दामों पर खरीदते थे। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के बाहर के फुटपाथ पर कई दुकानदार पुरानी किताबों की दुकान लगाते हैं, और यह सिलसिला बरसों से चल रहा है। लेकिन अब नगर निगम को इसमें अवैध कब्जा नजर आया और उसने अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई। तमाम दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वो अपना सामान फुटपाथ से हटा लें, बहुतों ने हटा भी लिया, लेकिन एक गरीब दुकानदार किताबें नहीं समेट पाया, तो फिर बुलडोजर चलाकर उन किताबों के चिथड़े इस तरह उड़ाए गए, उन्हें इस तरह रौंदा गया कि समाज पढ़ाई-लिखाई से तौबा कर ले। शायद सत्ता की मंशा भी यही है। क्योंकि पढ़ी-लिखी जमात से उसे डर लगता है कि वह खुद तो सवाल करेगी ही, समाज को भी तर्क करने के गुर सिखाएगी।

इस इलाहाबाद को अपने नाम के साथ जोड़ने वाले मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी ने कभी लिखा था- हम ऐसी कुल किताबें क़ाबिल-ए-ज़ब्ती समझते हैं

कि जिन को पढ़ के लड़के बाप को ख़ब्ती समझते हैं

लेकिन इन पंक्तियों को पढ़कर कोई ये समझने की भूल न करे कि अकबर इलाहाबादी पढ़ने-लिखने के खिलाफ थे, क्योंकि इन्हीं अकबर इलाहाबादी ने यह भी लिखा था कि-

खींचो न कमानों को न तलवार निकालो।

जब तोप मुक़ाबिल हो तो अख़बार निकालो।।

किताबों को जब्ती के काबिल समझने की बात करने वाले शायर ने नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच विचारों के अंतर और असहमति को रेखांकित किया था। जब अकबर इलाहाबादी तोप का सामना करने के लिए अखबार निकालने का मशविरा देते हैं तो वे समाज को यह समझाते हैं कि सत्ता के किसी भी जुल्म का मुकाबला समाज की जागरुकता से ही किया जा सकता है। और समाज पढ़-लिख कर ही जागरुक हो सकता है। लेकिन आज के सत्ताधीश तो किताबों को जब्त करने के बाद अब उन्हें कुचलने पर आमादा हो गए हैं, यह बात डरावनी है।लायब्रेरी पर हमले, किताबों की प्रतियां जलाना, किसी किताब का विरोध कर उसे प्रतिबंधित करवाना ये सारे पैंतरे भी पहले भी असहमति से डरने वाले लोग आजमाते रहे हैं। 2004 में पुणे के प्रसिद्ध भंडारकर प्राच्यविद्या संस्था पर जनवरी 2004 में संभाजी ब्रिगेड के तक़रीबन 100 कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी और यहां के इतिहासकारों के साथ मार-पीट भी की थी। संभाजी ब्रिगेड को नाराजगी थी कि अमेरिकन लेखक जेम्स लेन ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र पर लिखी किताब %शिवाजी हिन्दू किंग इन इस्लामिक इंडिया% में उनके बारे में कुछ विवादास्पद बातें लिखी हैं और भंडारकर संस्थान के इतिहासकारों ने इसमें जेम्स लेन की मदद की है। अपनी नाराजगी जतलाने का यही तरीका उन्हें समझ आया कि मार-पीट और तोड़-फोड़ करो। इस मामले में 2017 में सभी 68 आरोपियों को निर्दोष भी करार दे दिया गया। इसके बाद भी ऐसी और घटनाएं हुईं।2020 में सीएए विरोधी आंदोलन को कुचलने के फेर में दिल्ली पुलिस ने किस तरह जामिया मिलिया इस्लामिया विवि की लायब्रेरी में घुसकर पढ़ाई कर रहे छात्रों पर लाठियां चलाई थीं, उसके वीडियो दुनिया ने देखे। इसी तरह पिछले साल अप्रैल में बिहार शरीफ में भड़के दंगों में उत्पाती भीड़ ने 110 साल पुराने अजीजिया मदरसे और लायब्रेरी को आग के हवाले कर दिया था। जिसमें इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, प्राचीन पांडुलिपियों और धर्मग्रंथों से संबंधित 4500 से अधिक पुस्तकें जल गईं। पांच दिनों तक ऐतिहासिक महत्व की पुस्तकें और दस्तावेज जलते रहे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद जून 2024 में ही नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया तो अतीत के गौरव

और पुनर्जागरण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कहीं। तब वह प्रसंग भी लोगों को याद दिलाया गया कि 1193 में नालंदा विवि को बख्तियार खिलजी ने आग के हवाले किया था और हफ्तों तक यहां किताबें जलती रही थीं। लेकिन तब बिहार शरीफ की ऐतिहासिक लायब्रेरी को जलाने की बात याद नहीं आई।अतीत की घटना को तो कोई बदल नहीं सकता, 12वीं सदी में न भारत संघीय गणराज्य था, न लोकतांत्रिक शासन था। लेकिन अभी तो हम दस सदी आगे आ चुके हैं, और समाज में असहमति को कुचलने या सत्ता का आतंक स्थापित करने के लिए हजार साल पुराने तौर-तरीके ही अपनाए जाएंगे तो फिर समाज को सोचना होगा कि विकसित भारत की बात करने वाले देश को आगे ले जा रहे हैं या पीछे धकेल रहे हैं। विकास का मतलब समय के चक्र का उल्टा घूमना तो कतई नहीं होता।

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार-बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है (कब तक लेगा, कहा नहीं जा सकता) , जिसे पूरब का ऑक्सफोर्ड माना जाता था। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी 23 सितंबर, 1887 को मात्र 5,240 रुपये के कर्ज से शुरु की गई थी। यह उत्तर प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी और भारत की चौथी सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी है। पश्चिमी जगत में जो सम्मान और रुतबा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का रहा है, कमोबेश वैसे ही इज्जत इलाहाबाद विवि को मिलती रही, क्योंकि यहां पठन-पाठन, शोध की गौरवशाली परंपरा कायम हुई।

कई बड़े राजनेता, लेखक, विद्वान, बुद्धिजीवियों का संबंध इस विवि से रहा। धर्मवीर भारती के कालजयी उपन्यास गुनाहों का देवता में इस विवि का कई तरह से जिक्र आया। 2003 में तत्कालीन वाजपेयी सरकार के मंत्रिमंडल ने इसे केंद्रीय सार्वभौमिकता का दर्जा बहाल किया था फिर मनमोहन सिंह सरकार के दौर में 2005 में भारत की संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया था। ये बातें दो दशक पुरानी हो गई हैं, तब शैक्षणिक संस्थानों और पढ़े-लिखे लोगों, खासकर नेताओं की इज्जत हुआ करती थी। फिर देश ने पुराने भारत को न्यू इंडिया में तब्दील होते देखा, जिसमें खादी के कैलेंडर पर गांधीजी की जगह नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगी, जिसमें गांधी को स्वच्छता अभियान के चश्मे तक कैद करने की कोशिश हुई और जिसमें हार्वर्ड विवि से पढ़े लोगों का मजाक बनाने का दुस्साहस दिखाया गया। कहा गया कि हम हार्ड वर्क वाले हैं, हार्वर्ड वाले नहीं। मानो हार्वर्ड विवि में दाखिला टहलते-फिरते मिल जाता है। अब तक पूरब के आक्सफोर्ड का मखौल बैल बुद्धि बोल कर नहीं उड़ाया गया है, यही कमी रह गई है। लेकिन किताबों पर जिस तरह बुलडोजर चलाया गया है, वो सीधे-सीधे प्रगतिशील सोच रखने वाले लोगों को चुनौती है कि तुम्हारी किताबों को ही नहीं, तुम्हारी चेतना को भी कुचलने का दम सत्ता रखती है।

परसाई जी ने बाजारवाद के प्रसार पर तंज करते हुए लिखा था- बाज़ार बढ़ रहा है, इस सड़क पर किताबों की एक नयी दुकान खुली है और दवाओं की दो। ज्ञान और बीमारी का यही अनुपात है हमारे शहर में।आज के हालात परसाई जी देखते तो शायद लिखते कि ज्ञान की बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए बुलडोजरी हिम्मत सरकार ने दिखाई है। एंटायर पॉलिटिकल साइंस और संन्यास वाले सत्ताधीशों का यह बेजोड़ संगम, संगमनगरी बरसों-बरस याद रखेगी। साधो, धर्म ध्वजा फहराए रखने के लिए कुंभ मेला ही काफी नहीं है, किताबों का अवरोध हटाना भी जरूरी था।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचांग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आंतरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

हेल्थ प्लस

तनावग्रस्त प्रेगनेंट महिला के शिशु को एलर्जी का खतरा

गर्भावस्था में मां के आचार-विचार का भावी शिशु पर असर पड़ने की बात यूं ही नहीं कही जाती। अब डाक्टरों ने एक नए शोध के आधार पर बताया है कि गर्भावस्था में तनावग्रस्त रहने वाली महिलाओं के नवजात शिशुओं के दमा या एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका अधिक रहती है। अमेरिकन थोराइसिस सोसायटी इंटरनेशनल कांफ्रेंस टोरंटो में पेश की गई अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान तनाव में रहती हैं उनके शिशुओं के दमे और एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका बढ़ जाती है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की प्रमुख शोधकर्ता डा. रोसालिन राइट कहती हैं कि इस शोध से उन सबूतों को और बल मिला है कि मां के मानसिक तनाव का शिशु पर गहरा असर पड़ता है। किसी भी प्रकार का तनाव गर्भावस्था के दौरान भी बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। शोध से यह संकेत मिलता है कि जन्म से पहले तनाव की चपेट में आने वाले बच्चे पिस्सू से उत्पन्न होने वाली एलर्जी आदि के प्रति जल्दी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। डॉ. राइट ने कहा कि यह शोध इस अवधारणा को पुष्ठ करता है कि तनाव भी एक सामाजिक प्रदूषक है जो शरीर में पैदा होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। गर्भावस्था के दौरान मस्त रहने वाली माताएं ऐसे शिशुओं को जन्म देती हैं जिनमें ई या आईजी ई का उच्च स्तर होता है जो एक रोग प्रतिरोधक प्रणाली है।

पुरुषों में बढ़ रहे हैं स्तन कैंसर के मामले

पुरूषों में स्तन कैंसर सुनने में जरूर कुछ अटपटा सा लग सकता है लेकिन कैंसर विशेषज्ञों का दावा है कि महिला स्तन कैंसर की ही तरह अब पुरूष भी इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं और देश में पुरूषों में यह एक प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक और जाने माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से पुरूषों में भी स्तन कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं और इनमें एक प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके कारण का अभी तक पूरी तरह पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा समझा जा रहा है कि जीवनचर्या में तेजी से आ रहा परिवर्तन और हार्मोन में बदलाव भी प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि अभी यह संख्या बहुत कम है। इसलिए इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जहां तक इसके प्रारंभिक लक्षणों का सवाल है, जब स्तर कैंसर की शुरूआत होती है तो पुरूषों में स्तन के निप्पल का आकार बड़ा हो जाता है और एक गांठ बन जाती है जिसका रंग लाल होने लगता है और उसको दबाने से दर्द होने लगता है।

यह पूछे जाने पर कि पुरूष स्तन कैंसर किन किन कारणों से होता है, इसी संस्थान की स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. के गीता ने कहा कि पुरूष स्तन कैंसर किन कारणों से होता है अभी निश्चित रूप से इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता है। आज इस दिशा में दुनियाभर में तेजी से अनुसंधान चल रहे है ताकि इस रोग का समय रहते उपचार किया जा सके।

एक प्रश्न के उत्तर में डा. चतुर्वेदी ने कहा कि जहां तक भारत में महिला स्तन कैंसर का सवाल है यह एक सामान्य कैंसर है लेकिन जीवनचर्या में तेजी से आ रहे परिवर्तन के कारण आज देश में स्तन कैंसर के मामलों में 5-10 प्रतिशत वृद्धि हो रही है और यदि यह स्थिति जारी रही तो वर्ष 2020 तक देश में स्तन कैंसर के मामलों में 200 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि हम सहस्त्राब्दि लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं तो हमें महिला और पुरूष दोनों के स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों को रोकने और इसके बचाव के लिए एक रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि देश में महिला स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता की भारी कमी है। यदि शुरूआती अवस्था में ही स्तन कैंसर का पता चल जाए तो इसका कारगर इलाज हो सकता है। जाने माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. समीर कौल ने इस संबंध में कहा कि हार्मोन असंतुलन और जीन में बदलाव आने के कारण अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले पुरूष स्तन कैंसर रोगियों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। आमतौर पर देखने में आया है कि पुरूष इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि महिला स्तन कैंसर की अपेक्षा पुरूष स्तन कैंसर अधिक घातक माना जाता है।

मां के मोटापे का असर बच्चों पर दिखता है ज्यादा

मोटापे की शिकार महिलाएं न सिर्फ इस व्याधि को अपने बच्चों तक पहुंचाती हैं बल्कि इन बच्चों में मांसपेशियां भी कम होती है। अमेरिका स्थित आक्लाहोमा विश्वविघालय के स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र के डा. डेविड ए. फील्ड के नेतृत्व में किए गए शोध में यह बात सामने आई है। शोध में यह भी पाया गया कि वैश्विक स्तर पर खासकर उत्तरी अमेरिका और यूरोप में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में वजन बढ़ने की समस्या बढ़ रही है। इसके फलस्वरूप इनके पैदा होने वाले बच्चे का वजन तो चार किग्रा या इससे भी ज्यादा होता लेकिन मांसपेशियां कम होती है। शोध में पाया गया कि मोटापे की समस्या के साथ जन्म लेने वाले बच्चे इसी के साथ बड़े भी होते हैं और इस कारण से जवानी की दहलीज तक पंहुचते ही इनमें मधुमेह सहित अन्य व्याधियां पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

फल व सब्जियां लाभदायक आंखों के लिए

फलों व सब्जियों के सेवन से हुए लाभों में अब एक नया लाभ और जुड़ गया है। हाल ही में विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध के अनुसार एक्यूट माक्यूलर डिजनेरेशन (ए.एम.डी.) नामक आंखों की बीमारी जिससे अंधापन हो जाता है, की संभावना को भी फलों एवं सब्जियों का सेवन कम करता है। अधिकतर फलों व सब्जियों में ल्यूटिन, जियाएक्सानथिन नामक पिगमैंट पाए जाते हैं। ये पिगमैंट आंखों को नीली रोशनी के प्रभाव से बचाते हैं तथा हमारी आंखों की देखने की शक्ति सुरक्षित रहती है। वृद्धावस्था में इस पिगमैंट का स्तर कम होता है जिससे दिखाई देना बंद हो जाता है।

बुजुर्गों के लिए अच्छे हैं खर्राटे

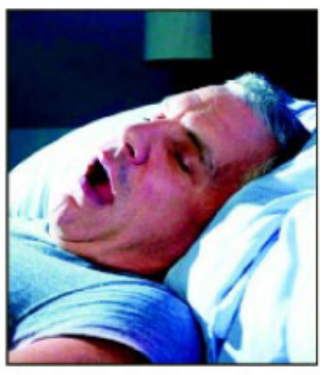

यदि आप मानते हैं कि खर्राटा लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो आपको दुबारा सोचना चाहिए, क्योंकि एक ताजा अध्ययन से पता चला है कि सोते हुए खर्राटा भरने और नाक से आवाज निकलने वाले लोग, विशेषकर बुजुर्ग लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जीते हैं।

इस्राइल में हुए शोध में पाया गया है कि खर्राटे की बीमारी से मुक्त लोगों की अपेक्षा 65 साल से अधिक आयु के उन लोगों, जिनमें खर्राटा संबंधित बीमारी 'स्लीप एपनिया' होती है, उनके चिरायु होने की संभावना अधिक होती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह हिपोक्सिया में छेद के कारण होता है, जो सांस लेने में आने वाली बाधा है। यह बुजुर्गों के कार्डियोवास्कुलर तंत्र को दुरूस्त करते हुए ऑक्सीजन की कमी को दूर कर रक्षात्मक प्रभाव डालता है। दिल के दौरे के समय जब ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होती है, उस समय शरीर उससे निपटने में अधिक सक्षम होता है। 'डेली मेल' के अनुसार अध्ययन में पाया गया है कि स्लीप अपोनिया का युवाओं पर इसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ता है, ऐसा इसलिए है क्योंकि दिल की बीमारी का जोखिम प्रौढ़ व्यक्तियों को अधिक होता है। टेक्नियोन संस्थान क शोधकर्ताओं ने चार वर्षों की अवधि में छह सौ से अधिक बुजुर्ग लोगों के विश्लेषण के आधार पर अपना निष्कर्ष दिया है, जिनमें स्वस्थ स्वयंसेवकों के समूह की अपेक्षा दिल की बीमारी से संबंधित कम मौते हुई। शोध के नतीजों को ग्लास्गो में यूरोपीय एसोसिएशन फार स्लीप रिसर्च की बैठक में पेश किया गया।

गैचेट ऑन तो बैकपेन गॉन

कमरदर्द के कारण कई तरह की परेशानियां झेल रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। एक गैजेट निर्माता ने दावा किया है कि उसका गैजेट दो हफ्ते के भीतर ही बैकपेन से मुक्ति दिला देगा। बैंडेज की तरह दिखने वाले इस गैजेट को कमर से सटाकर बांधना होगा। यह कमर के पोस्चर को ठीक करने में मददगार साबित होता है। इस आई-पोस्चर डिवाइस को कमर पर लगाकर एक मिनट में तीन डिग्री के मोशन के लिए सेट करना होता है। उसके बाद यह वाइब्रेट होना शुरू हो जाता है।

यह वाइब्रेशन तब तक जारी रहता है जब तक कि कमर एकदम सीधी न हो जाए। छाती बाहर की आर और सिर स्थिर। दसअसल, यह डिवाइस प्रयोगकर्ताओं को यह बताएगी कि उनकी कमर अब बिल्कुल सीधी अवस्था में है। कमर को सीधी रखने की आदत में ढलने के लिए गैजेट को दो से चार हफ्ते तक रोजाना चार घंटे इस्तेमाल करना पड़ सकता है। एक बार कमर सीधी रखने की आदत पड़ने के बाद इस गैजेट का इस्तेमाल जरूरी नहीं है। इस गैजेट में एक माइक्रोचिप लगी है, जो प्रत्येक सेकेंड में कमर की मूवमेंट को मॉनीटर करेगी। इसमें लगा विशेष सॉफ्टवेयर फिलटर गलत मुद्राओं के बारे में सूचित करेगा, जो आई-पोस्चर को शरीर की कई मुद्राओं को ग्रहण करने के बारे में भी जानकारी देगा। इसे बैठते, चलते समय इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गैजेट ऐसे लोगों के लिए खासा मददगार है, जो घंटों कंप्यूटर के सामने बैठते हैं। इस गैजेट से संबंधित शोध के नतीजे बताते हैं कि यह कमर की स्थिति को लेकर काफी कारगर है और पुरूषों में खासा सफल रहा है। जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, जो महिलाएं अपनी कमर की मुद्रा को सुधार लेती हैं, उनकी कमर की मोटाई भी दो इंच तक घट सकती है। ऐसी महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस फ्रैक्चर की संभावना भी कम हो जाती है। इस गैजेट को बनाने वाले न्यूरोलॉजिस्ट और पैन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डा. मोआकिर शूनैप का मानना है कि उनका आविष्कार कमर की स्थितियों को सुधारने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा, 'दरअसल, हम इस आर ध्यान नहीं देते कि कमर की मुद्राएं हमें प्रभावित करती हैं। जो कि बेहद जरूरी है। गैजेट का इस्तेमाल करने के साथ-साथ नियमित एक्सरसाइज भी करनी होगी। सुधार दिखने के बाद भी कुछ हफ्तों तक गैजेट का प्रयोग करें, यह उनकी कमर की स्थिति सुधारने में मददगार होती है।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2614

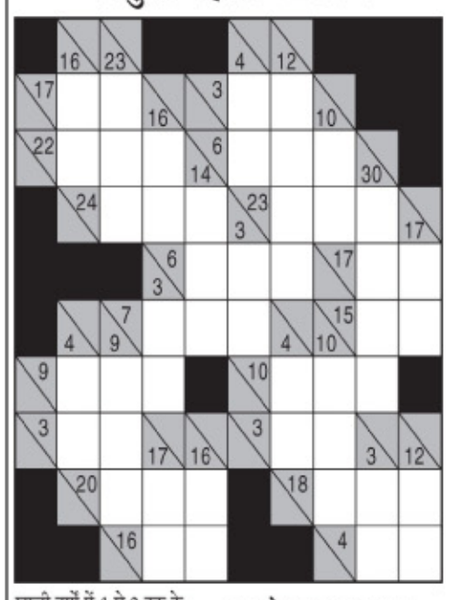

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

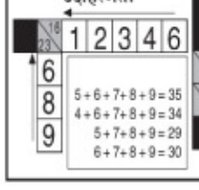

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2613 का हल

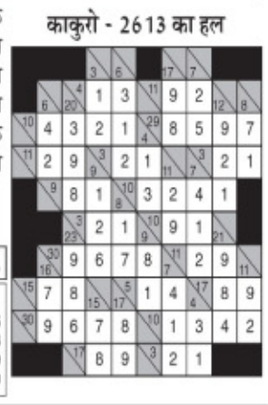

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

□ □ □

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

□ □ □

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2614

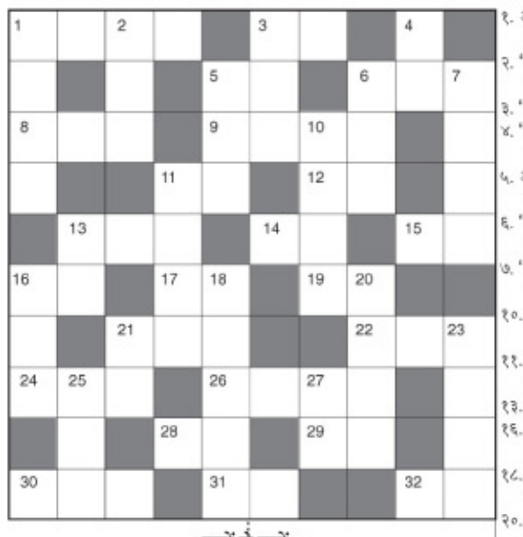

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लाय, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यज्ञ पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रोमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'वास्ति' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जग जग' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2613

सूडोकु -2614

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2615 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 2614

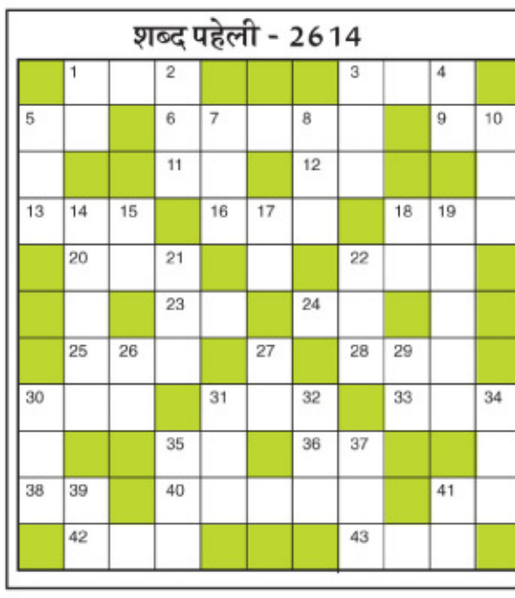

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,बापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -2613 का हल

मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई भीमा काली मंदिर न्यास समिति की बैठक

एजेंसी

रामपुर। भीमा काली मंदिर न्यास की बैठक रामपुर सर्किट हाउस में आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण और शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने की। इस दौरान मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मंदिर की वेबसाइट को अपडेट रखा जाए तथा इसमें न्यास की हर गतिविधि के बारे में जानकारी समय-समय पर मिलती रहे। न्यास के कई प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। न्यास एक अत्याधुनिक एंबुलेंस की सुविधा भी शुरू करेगी। बैठक में एंबुलेंस खरीदने की अनुमति भी प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान आईआईटी मंडी के विशेषज्ञों से फोन पर बात हुई जिसमें मंदिर के एक हिस्से के धंसने को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये गए। मंदिर भवन के एक हिस्से में हो रहे झुकाव को लेकर आईआईटी मंडी की टीम के माध्यम से स्टडी रिपोर्ट तैयार करवाई जाएगी। दरअसल पिछले कई साल से मंदिर का एक हिस्सा लगातार धंस रहा है। ऐसे में नया निर्माण कार्य या मरम्मत कार्य तभी करवाया जा सकता है जब इसके बारे में विशेषज्ञों की रिपोर्ट हो। लोक निर्माण मंत्री ने अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए कि आईआईटी मंडी से पत्राचार करके तुरंत मामले में रिपोर्ट तैयार करवाई जाए।

पीएम मोदी देंगे काशी को विश्वस्तरीय स्टेडियम की सौगात, 200 करोड़ की लागत से हुआ तैयार

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्टूबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक विश्व स्तरीय स्टेडियम का उद्घाटन करेंगे। यह स्टेडियम वाराणसी के सिगरा में स्थित है, जिसका नाम उत्तर प्रदेश के दूसरे मुख्यमंत्री रहे डॉ. संपूर्णानंद के नाम पर रखा गया है। डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम पूरी तरह तैयार हो चुका है, इसे लगभग 15 एकड़ में विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ बनाया गया है। लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस स्टेडियम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। वाराणसी के जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने कहा कि स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए पूरी तरह से तैयार है और लगभग 15 एकड़ में फैला है। उन्होंने कहा, यह शहर का सबसे बड़ा स्टेडियम होगा। यह सभी सुविधाओं से लैस है। उन्होंने आगे बताया, वाराणसी के सबसे बड़े स्टेडियम को तीन चरणों में तैयार किया गया है। पहले चरण में एक बहुउद्देश्यीय हॉल है और ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल है, जबकि दूसरे चरण में एक क्रिकेट ग्राउंड, एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के साथ-साथ खिलाड़ियों और कोचों के लिए छात्रावास हैं। तीसरे चरण में एथलेटिक्स के लिए सिंथेटिक ट्रैक है। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने कहा, कोई भी खिलाड़ी यहां अभ्यास के लिए आ सकता है।

अजमेर शहर की बड़ी समस्या का समाधान, स्मार्ट सिटी के फंड से मिलेंगे 6.15 करोड़ : विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देशों पर अजमेर में कचहरी रोड पर ड्रेनेज एवं सड़क निर्माण को लेकर बना गतिरोध समाप्त हो गया है। वित्त विभाग ने इस कार्य के लिए निर्धारित 6.15 करोड़ रूपए की राशि अजमेर स्मार्ट सिटी के पास उपलब्ध राशि में से कराने की स्वीकृति जारी की है। अब कचहरी रोड एवं एलीवेटेड रोड के नीचे सड़क व ड्रेनेज के कार्य जल्द हो सकेंगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी कचहरी रोड एवं एलीवेटेड रोड के नीचे ड्रेनेज, नाला निर्माण एवं सड़क निर्माण के लिए प्रयासरत थे। स्थानीय लोगों, व्यापारियों एवं आमजन ने उन्हें काम अटका होने से आ रही परेशानियों से अवगत कराया था। उन्होंने इस सम्बन्ध में अजमेर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जिला प्रशासन एवं आरएसआरडीसी के बीच समन्वय स्थापित कर काम शुरू करने के निर्देश दिए। श्री देवनानी ने राज्य स्तर पर सार्वजनिक निर्माण विभाग, वित्त विभाग एवं आरएसआरडीसी के अधिकारियों को बुला कर फंड जारी करने एवं काम शुरू करने के निर्देश दिए। देवनानी के निर्देश पर गुरूवार को वित्त विभाग ने आदेश जारी किए हैं। इस आदेश में बताया गया है कि आरएसआरडीसी के प्रस्तावानुसार अजमेर में एलीवेटेड रोड के लिए पूर्व में मूल कार्य के लिए प्रशासनिक एवं वितीय स्वीकृति अजमेर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 252 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हो रहा भव्य और दिव्य केदार का निर्माण : सीएम धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भव्य और दिव्य केदार का निर्माण हो रहा है। भगवान केदार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असीम आस्था है। साल 2013 की आपदा के बाद केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷हाल ही में भाजपा ने हरियाणा में जीत का परचम लहराकर तीसरी बार सरकार बनाई है। अब हरियाणा में भी तेजी से विकास होगा। हरियाणा की जनता ने एक बार फिर से भाजपा पर विश्वास जताया है।उन्होंने कहा, उत्तराखंड की 21 जलविद्युत परियोजनाएं, देहरादून का निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड और रोपवे का काम जल्दी से करवाने की दिशा में भी लगातार कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि देवभूमि के विकास की गति शिथिल न हो। देवभूमि से जुड़े कई मुद्दों पर हमारी वार्ता जारी है। उन्होंने कहा, कल मेरी पी.टी. उषा से भी मुलाकात हुई थी।

संपदा-2.0 बनेगा ऑनलाइन दस्तावेज पंजीयन में डिजिटल क्रांति का माइलस्टोन : सीएम डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया डिजिटल इंडिया मिशन अब कल्पवृक्ष की तरह आमजन की हर जरूरत पूरी कर रहा है। जीरो बैलेंस खाता, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और ई-रजिस्ट्री जैसे नवाचार ने सभी का जीवन सरल और सुगम बनाया है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश में नवीन तकनीक पर आधारित संपदा-2.0 का नवाचार ऑनलाइन दस्तावेज पंजीयन में डिजिटल क्रांति का माइलस्टोन बनेगा। इस नवाचार को पूरा देश फॉलो करेगा। पहले प्रदेश में दस्तावेज पंजीयन और अन्य कार्यों के लिए कार्यालय आना पड़ता था, लेकिन पोर्टल और ऐप के माध्यम से सभी लोग घर से ही इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में ई-

रजिस्ट्री और ई-पंजीयन के नवीन प्रणाली पर विकसित संपदा-2.0 पोर्टल और मोबाइल ऐप का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने मध्य प्रदेश को दो नए महत्वपूर्ण कार्य सौंपे हैं। इसमें 120 शहरों के जीआईएस कार्य को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से आईटी विभाग द्वारा पूरा किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में जीआईएस लैब स्थापित करने जा रहे हैं। इसका लाभ प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आईटी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश बहुत उन्नति कर रहा है। आईटी में नवाचार के साथ मध्यप्रदेश सरकार पेपरलेस सिस्टम की दिशा में कदम बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने संपदा-2.0 की खूबियां बताते हुए कहा कि संपदा-2.0 उन्नत तकनीक पर आधारित सॉफ्टवेयर है। इसमें राजस्व वित्त विभाग और नगरीय प्रशासन के साथ जीएसटी और युनिक आईडी आधार से भी इंटीग्रेटेड किया गया है। जमीन की कलेक्टर गाइडलाइन दर ऐप में लोकेशन के माध्यम से मालूम हो सकेगी। सॉफ्टवेयर से संपत्ति की जीआईसी मैपिंग होगी, बायोमैट्रिक पहचान और दस्तावेजों की फॉर्मेटिंग भी होगी। दस्तावेजों के पंजीयन के लिए व्यक्तिगत मौजूदगी की जरूरत नहीं होगी। घर बैठे ही दस्तावेज सत्यापन और पंजीकरण हो सकेगा। दस्तावेज की सॉफ्ट कॉपी व्हाट्सएप और ईमेल से आवेदक को प्राप्त होगी।

ओबीसी की अनदेखी कांग्रेस को पड़ी भारी, पार्टी के लिए आत्ममंथन का समय : अजय सिंह यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी में विरोध के स्वर उठने लगे हैं। कांग्रेस ओबीसी सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि ओबीसी समाज की अनदेखी पार्टी के लिए भारी पड़ गई। अजय सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा चुनाव में मिली करारी शिकस्त का कांग्रेस पार्टी को आंकलन और आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा, कौन लोग थे जो पार्टी को लीड कर रहे थे, चुनाव प्रचार में कहां कमी रह गई, इसकी समीक्षा होनी चाहिए। किसी ओबीसी चेहरे को आगे क्यों नहीं रखा गया। मैं ओबीसी विभाग का राष्ट्रीय चेयरमैन हूं, मेरा फोटो नहीं लगाया गया। मैं जानना चाहता हूं कि क्या प्रदेश में पार्टी में तीन-चार ही नेता हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी के ओबीसी विभाग का कोई मतलब नहीं है।उन्होंने कहा कि ईवीएम जहां 99 प्रतिशत चार्ज है, वहां कांग्रेस आ रही है। यह भी एक बहुत बड़ा नरेटिव है। इसके बारे में जांच होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस के टॉप लीडरशिप में ओबीसी का प्रतिनिधित्व नहीं है, ऐसे में ओबोसी आपको वोट नहीं देगा। आप उनको न टिकटों में तवज्जो देते हैं और न ही संगठन के समायोजन में प्रतिनिधित्व देते हैं। इसका नुकसान तो पार्टी को उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मैं भी मुख्यमंत्री बनने का दावा कर सकता था, लेकिन मैं इस तरह की बातों को लेकर सामने नहीं आया। मुख्यमंत्री का चेहरा आलाकमान का विषय है। अगर नायब सिंह सैनी बन सकते हैं तो कांग्रेस पार्टी में भी कोई बन सकता है। यह कहना कि मैं सीएम बनने लायक हूं।

त्रिधारा मंडप में नारे लगाने पर गिरफ्तार नौ डॉक्टरों को सात दिनों की पुलिस हिरासत

एजेंसी

कोलकाता। अलीपुर अदालत ने त्रिधारा सम्मेलन के मंडप में नारेबाजी करने वाले नौ लोगों को सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने अदालत में बताया कि गिरफ्तार लोगों की व्हाट्सएप चैट में यह पाया गया है कि उन्होंने पूर्व नियोजित तरीके से यह किया है। पुलिस का दावा है कि अगर इन्हें जमानत पर रिहा किया जाता है, तो वे अन्य पूजा मंडपों में भी इसी तरह की घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान आसनसोल के कुल्टी के निवासी सुजॉय मंडल (20), दमदम के उत्तरण साहा राय (18), टंगरा के कुशल कर (27), नरेंद्रपुर के जवाहर सरकार (29), साग्निक मुखोपाध्याय (26), पूर्व बर्धमान के नादिम हजारी (20), हसनाबाद के ऋतव्रत मल्लिक (20), खड़दह के चंद्रचूड़ चौधरी (20) और रहड़ा के दृप्तमान घोष (20) के रूप में हुई है। इन सभी को पुलिस ने बिटी झा की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया है, जो रविंद्र सरोवर क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने अदालत को यह भी बताया कि गिरफ्तार लोगों ने एक पूजा मंडप में भीड़भाड़ वाले स्थान पर विरोध प्रदर्शन किया, जो कि सुरक्षा के लिए खतरा था।

सरकारी वकील ने तर्क दिया कि ऐसी भीड़भाड़ वाली जगह पर विरोध प्रदर्शन से दुर्घटना हो सकती है, जिसके लिए कौन जिम्मेदार होगा?पुलिस ने इन लोगों को 12 दिनों की हिरासत में लेने की मांग की थी, जबकि उनके वकील का कहना था कि यह एक शांतिपूर्ण विरोध था। वकील ने आगे कहा कि पुलिस ने बिना उचित कारण के इन्हें रात में 11ः35 बजे एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया, जबकि इससे पहले स्वास्थ्य भवन में जूनियर डॉक्टरों और मुख्य सचिव के बीच बैठक हो रही थी। वकील ने कहा कि इस बैठक के सफल न होने के कारण पुलिस ने कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोग बुधवार को त्रिधारा सम्मेलन के मंडप में न्याय के लिए नारे लगा रहे थे। उस समय पूजा मंडप में जूनियर डॉक्टरों का अभया परिक्रमा कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें वे दक्षिण 24 परगना की पीड़िता की प्रतीकात्मक मूर्ति के साथ मंडप का दौरा कर रहे थे। यह मंडप तृणमूल विधायक देवाशीष कुमार से जुड़ा हुआ था, और वहां नारेबाजी के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और नौ डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया।

पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषयः नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। जेपी नड्डा ने कहा कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। ममता दीदी प्रशासन ने अराजकता, जंगल राज का माहौल बना दिया है और टीएमसी की गुंडागर्दी चिंताजनक है। पश्चिम बंगाल के राजारहाट न्यूटाउन में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों से बातचीत के दौरान उन्होंने यह बात कही। सोशल मीडिया पर साझा किए अपने वक्तव्य में जेपी नड्डा ने कहा कि जनता के एक सच्चे नेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है कि उनकी विकासात्मक पहल हमारे देश के हर कोने तक पहुंचे। दुर्भाग्य से, ममता दीदी सरकार लोगों के कल्याण पर राजनीति को प्राथमिकता देती है, जिससे वे केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं से वंचित हो जाते हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हाल की

घटना के आलोक में, उन्होंने कहा कि इस बात पर जोर दिया कि भाजपा सरकार हमारे डॉक्टरों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें केंद्र सरकार से अटूट समर्थन का आश्वासन देती है।

हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आश्वासन के बाद हड़ताल की समाप्त

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा राइस मिलर्स के सभी मुद्दों के समाधान के आश्वासन के बाद, हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन ने अपनी हड़ताल समाप्त करने और राज्य भर की मंडियों में धान का उठान फिर से शुरू करने की घोषणा की। आज चंडीगढ़ में हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में, श्री नायब सिंह सैनी ने उनकी विभिन्न मांगों को सुनते हुए कहा कि एसोसिएशन की अधिकतर मांगें भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और केंद्र सरकार से संबंधित हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि किसानों और व्यापारियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो इसके लिए उनकी सभी मांगों और मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। इस पर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि राइस मिलर्स द्वारा उठान प्रक्रिया को तुरंत प्रभाव से शुरू किया जायेगा। मिलिंग शुल्क बढ़ाने के अनुरोध के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि मिलिंग शुल्क भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है, इसलिए राज्य सरकार इसे बढ़ाने के संबंध में केंद्र सरकार से अनुरोध करेगी। यदि केन्द्र सरकार द्वारा मिलिंग शुल्क में वृद्धि नहीं की जाती है तो राज्य सरकार मिल मालिकों को अतिरिक्त बोनस देने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि ड्रायज चार्ज को 0.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 1 प्रतिशत करने के अनुरोध पर भी विचार किया जाएगा। हाइब्रिड धान के लिए आउट-टर्न अनुपात के संबंध में मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन को आश्वासन दिया कि आउट-टर्न अनुपात को कम करने के लिए मिल मालिकों की मांग पर विचार करने की सिफारिश के साथ इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा।

रेल मंत्री वैष्णव और सांसद निशिकांत ने तेजस राजधानी और इंटर सिटी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

साहिबगंज। रेलवे ने संताल परगना को त्योहार के सीजन में बड़ी सौगात दी है। साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर मालदा रेल मंडल की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली से रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े थे तो वहीं साहिबगंज स्टेशन पर मौजूद राजमहल विधायक अनंत ओझा ने हरी झंडी दिखाकर अगरतला-आनंद विहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव व साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी

एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना किया। पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व सांसद निशिकांत दुबे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एवं साहिबगंज से विधायक अनंत ओझा व डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर 20501 डाउन तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को दोपहर 1ः58 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उसके ठीक डेढ़ घंटे के बाद 3ः19 बजे साहिबगंज से हावड़ा के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर हावड़ा के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत ओझा, मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता,डीएमई एचपी तिवारी सहित साहिबगंज नगर के अन्य नागरिक मौजूद थे।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में विस्फोटक होने की अफवाह

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद जिले के टूंडला रेलवे जंक्शन पर पुरी से नई दिल्ली जाने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस मे आतंकियों और उनके साथ विस्फोटक सामग्री होने की सूचना के आधार आरपीएफ और जीआरपी द्वारा बुधवार रात में रोककर साढे तीन घंटे तक सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सूचना मात्र अफवाह साबित हुई उसके बाद रेल प्रशासन ने राहत की सांस ली। आरपी एफ अधिकारी टूंडला अमित गुप्ता के मुताबिक पुरी से चलकर नई दिल्ली को जाने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस रात को आतंकवादी और उनके पास विस्फोटक होने की सूचना दी गई जो किसी बड़ी घटना के लिए दिल्ली जा रहे है। जानकारी मिलते ही पुलिस और रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया रात में 2:30 बजे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को टूंडला प्लेटफार्म पर रोक दिया गया और आरपीएफ और जी आरपी के जवानों और अधिकारियों ने डॉग स्क्वॉड के साथ पुरी ट्रेन के यात्रियों के समान की छानबीन की गई सुबह 6:00 बजे तक चल सर्च ऑपरेशन के बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया।

कांग्रेस हाईकमान ने हुड्डा, उदयभान व बाबरिया को किया तलब, तीनों नहीं पहुंचे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मिली करारी हार को लेकर कांग्रेस में मंथन शुरू हो गया है। कांग्रेस हाईकमान ने टिकट आवंटन से लेकर चुनाव लड़ने तक की समीक्षा करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान समेत पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया को दिल्ली में तलब किया लेकिन तीनों ही इस बैठक में शामिल नहीं हुए। नई दिल्ली में हुई बैठक की खास बात यह रही कि इसमें कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला तथा कैप्टन अजय सिंह यादव को नहीं बुलाया गया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, अजय माकन विशेष रूप से मौजूद रहे।

करीब आधे घंटे चली मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने हुड्डा-सैलजा के मतभेदों पर कहा कि हार के बहुत सारे कारण हैं, जो चुनाव आयोग से लेकर नेताओं के मतभेद तक हैं। इन्हीं सब कारणों पर चर्चा हुई और आगे भी चर्चा करेंगे।

बैठक में कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला तथा कैप्टन अजय सिंह यादव को नहीं बुलाया गया था लेकिन पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान तथा प्रभारी दीपक बाबरिया बुलाने के बावजूद इस बैठक में शामिल नहीं हुए। दीपक बाबरिया स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण वीसी से शामिल हुए, जबकि हुड्डा व उदयभान पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते बैठक में नहीं गये। हाईकमान ने इस चुनाव में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को फ्री हैंड दिया था, जिसके चलते 90 में 73 सीटों पर हुड्डा की पसंद के उम्मीदवार उतारे गए। चुनाव प्रचार के दौरान भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ही कमान संभाली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस बैठक में कहा है कि चुनाव के दौरान हमारे नेताओं के निजी हित पार्टी के हितों से ऊपर रहे। बैठक में तय किया गया कि हार के कारणों को जानने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई जा रही है, जो हरियाणा में जाकर नेताओं से चर्चा करके रिपोर्ट हाईकमान को सौपेंगी। कमेटी में कौन-कौन चेहरे शामिल किए जाएंगे, अभी उनके नामों पर चर्चा नहीं हो पाई है।

अब केरल के कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पालतू कुत्तों और बिल्लियों का आयात निर्यात होगा आसान

एजेंसी

कोच्चि। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने केरल के कोच्चि में कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पालतू कुत्तों और बिल्लियों के आयात व निर्यात लिए यहां पर पशु संगरोध सुविधा केंद्र (एनिमल क्वारंटाइन एंड सर्विस सर्टिफिकेशन सर्विस सेंटर) का उद्घाटन किया।इससे पालतू कुत्तों और बिल्लियों के आयात में सुविधा तो होगी ही पालतू जानवरों के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को यात्रा करने में आसानी रहेगी। इस मौके पर केंद्रीय

राज्य मंत्री ने पशुधन, मत्स्य उत्पादों और संबंधित गतिविधियों के लिए आयात और निर्यात प्रक्रियाओं को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पक्षों से सुझाव भी मांगे। इस पहल के तहत कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 24 घंटे वातानुकूलित पालतू स्टेशन, एक समर्पित कार्गो अनुभाग, ऑन-

कॉल पशु चिकित्सक सुविधा, एक सीमा शुल्क निकासी केंद्र और एक पालतू-अनुकूल सुविधा सहित कई सुविधाएं स्थापित की हैं । इससे केरल में पशु और मत्स्य उत्पादों के समग्र आयात और निर्यात प्रक्रिया में सुधार होगा। समारोह के दौरान पशुपालन और डेयरी विभाग की अतिरिक्त सचिव वर्षा जोशी ने नए सुविधा केंद्र (केंद्र पशु संगरोध सुविधा) संबंध में महारत्न कंपनी सीआईएएल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर सीआईएएल के प्रबंध निदेशक एस सोहास ने कहा कि साझेदारी का उद्देश्य विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करते हुए पालतू जानवरों के मालिकों और यात्रियों के लिए केरल में जानवरों को लाना आसान बनाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय 1898 के पशुधन आयात अधिनियम के तहत पशुधन और पशुधन उत्पादों का आयात नियंत्रित होता है। इसे भारत में विदेशों में प्रचलित बीमारियों के प्रवेश को रोकने के लिए 2001 में संशोधित किया गया था। वर्तमान में पालतू जानवरों सहित जीवित जानवरों को छह प्रमुख प्रवेश बिंदुओं के माध्यम से आयात किया जाता है। जिनमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद शामिल हैं।

इंदौर में नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में होगी यूरेशियन ग्रुप प्लेनरी एण्ड वर्किंग ग्रुप्स की बैठक

एजेंसी

इंदौर। इंदौर में नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण पांच दिवसीय आयोजन होगा। यूरेशियन ग्रुप प्लेनरी एण्ड वर्किंग ग्रुप्स की बैठक का आयोजन आगामी 25 से 29 नवम्बर 2024 तक किया जाना प्रस्तावित है। इस बैठक में ?विभिन्न देशों के लगभग डेढ़ सौ डेलीगेट्स शामिल होंगे। इनके साथ ही भारत सरकार के मंत्रीगण, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश के मंत्रीगण भी शामिल होंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं के संबंध में यहां एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के संचालक स्मारक स्वैन वर्चुअली रूप से शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह सहित नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के सीईओ सिद्धार्थ जैन, नगर निगम के अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा और रोहित सिसोनिया, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, ज्योति शर्मा तथा रोशन राय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

स्वैन ने आयोजन के संबंध में

जानकारी दी। कलेक्टर आशीष सिंह ने इंदौर में की जा रही तैयारियों के बारे में बताया। कलेक्टर ने कहा कि इस आयोजन के लिये पूर्ण गरिमा के साथ सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय में पूरी की जाएंगी। बैठक में कलेक्टर ने तैयारियों से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को दायित्व भी सौंपे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी तैयारियां आयोजन की गरिमा के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाए। आयोजन में किसी भी तरह की कोर कसर नहीं रखी जाए। यह आयोजन इंदौर नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। बैठक में बताया गया कि आयोजन के दौरान एयरपोर्ट पर अतिथियों का स्वागत परंपरागत रूप से किया जाएगा। उनके सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। स्वागत कक्ष भी बनाया जाएगा। साथ ही अतिथियों के ठहरने के लिए होटल की व्यवस्थाओं के संबंध में भी चर्चा की गई। निर्देश दिए गए कि होटल में आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था भी रखी जाए। सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी चर्चा की गई। अतिथियों के परिवहन आदि के बारे में भी निर्देशित किया गया। बताया गया कि आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए एक कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा।

मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था में चमकता सितारा बन कर उभरा हैः शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां स्थायी नीति का निर्माण नहीं हुआ और पहले भारत को फ्रजाइल फाइव में गिना जाता था लेकिन आज अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएफएम) देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था में चमकता केन्द्र कहता है। श्री अमित शाह ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में जनता ही तय करती है कि सरकार का नेतृत्व किसके हाथ में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक अध्ययन किए बिना हम सही मूल्यांकन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि 2014 और 2024 की देश की तुलनात्मक स्थिति देखने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले सभी लोग कहते थे कि हमारे देश को पॉलिसी पैरालिसिस हो गया है, नीतियां नहीं बनती है, लेकिन मोदी जी ने पॉलिसी पैरालिसिस को समाप्त, ढेर सारी नीतियों का सृजन कर, पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस स्थापित करने का काम किया है। उन्होंने यहां पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 119वें वार्षिक अधिवेशन को विकसित भारत 2047ः उन्नति के शिखर की ओर अग्रसर विषय पर संबोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हम सबके सामने 2 लक्ष्य रखे हैं - 2047 में जब देश की आज़ादी की शताब्दी मनाई जाएगी उस वक्त भारत एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बन जाएगा और 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

ठंड के व्यंजन

कंपकंपाती सर्दियों के साथ आता है, स्वाद का दौर। यह मौसम है ही ऐसा। ठंड में चटखारे लेने के लिए कई विकल्प मौजूद होते हैं। इन्हीं में से कुछ स्वादिष्ट विकल्प आपके लिए लेकर आए हैं हम, जिनमें शामिल हैं सूप, स्टार्टर, मुख्य भोजन का अंश और मीठा...

गाजर-मटर सूप

सामग्री

2बड़े गाजर, 1/2कप मटर, 1 प्याज़, 4-5 लहसुन की कलियां, 2 चम्मच दूध, 1 चम्मच किसा हुआ पनीर, 2 छोटे चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक और काली मिर्च।

विधि

गाजर, मटर, प्याज़, लहसुन को आवश्यकतानुसार पानी के साथ कुकर में दो सीटी देकर पका लें। इसे कुछ देर ठंडा होने दें। उबली हुई सब्ज़ियों में पानी और दूध डालकर प्यूरी बना लें। इस प्यूरी को धीमी आंच पर पकने रख दें। परोसने से पहले इसमें नमक और काली मिर्च मिला लें। चाहें तो ऊपर से किसा हुआ पनीर डालकर सजा भी सकते हैं।

पालक बादाम टिक्की

सामग्री

1 कटोरी बारीक़ कटी पालक, 2चम्मच बादाम का चूरा, 2 चम्मच किसा हुआ पनीर, 2 उबले मसले आलू, 1/2 कटोरी ब्रेड का चूरा, 1/2 चम्मच चाट मसाला, 1/2 चम्मच ग्रीन चिली सॉस, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि

तेल के अलावा सभी चीज़ों को एक बड़े बोल में मिलाएं। इस मिश्रण से एक ही आकर की टिक्कियां बना लें। हर टिक्की के ऊपर बादाम लगा लें। अगर टिक्कियां फैल रही हों, तो थोड़े-से कॉर्नफ्लोर का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म तेल में टिक्कियों को सुनहरा होने तक तल लें। चिली सॉस के साथ परोसें।

मेथी थेपला

सामग्री

2 कटोरी गेहूं का आटा, 1/2 कटोरी बाजरे का आटा, 1/2 कटोरी बेसन, 1/4 चम्मच हल्दी,1/2 चम्मच लाल मिर्च, 1/2चम्मच जीरा पाउडर, 2 बारीक़ कटी हरी मिर्च, 7-8 लहसुन की कलियों का पेस्ट, 2 कटोरी बारीक़ कटी मेथी।

विधि

बेसन, बाजरे और गेहूं के आटे को एक साथ मिलाएं। फिर इसमें नमक, हल्दी, लाल मिर्च, जीरा पाउडर, हरी मिर्च, लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें मेथी मिला लें। 2-3 चम्मच तेल डालकर पानी की मदद से आटा गूंध लें। अब छोटी-छोटी लोई बनाकर बेलें। ध्यान रहे, ये रोटियां एकदम पतली होनी चाहिए। अब इन्हें पराठे की तरह सेंकें। तैयार थेपलों को हरी चटनी या दही के साथ सर्व करें।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

रोटा वायरल डायरिया - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है। एलर्जी और अस्थमा - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है। त्वचा में लाल दाने - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय: छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है। निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है। बड़ों की लापरवाही - अ सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफे शन का खतरा बढ़ता है। किसी भी चीज को मुंह में लेना - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है। नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है। कमरे के तापमान का ध्यान न रखना - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें। नहलाना कम करे - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें। गर्म कपड़े पहनाएं - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें। मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें। संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे। ठंडी चीजें खाने को न दें - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें। बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

खूबसूरती के लिए..

आज जहां बाज़ार में प्रतिदिन नए सौंदर्य प्रसाधन और नई तकनीक आ रही है, वहीं त्वचा से सम्बन्धी समस्याओं की सूची भी कुछ कम नहीं हैं। हम सभी चाहते हैं बेदाग और खिली-खिली त्वचा। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा हमेशा ऐसी ही दिखे तो इसके लिए आपको अपनी त्वचा का ख्याल रखना होगा। त्वचा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का इलाज जितनी जल्दी हो करा लें, फिर चाहे आंखों के नीचे काले घेरे हों या स्ट्रैच मार्क।

उम्र के साथ झुर्रियों का पड़ना भी आम है, लेकिन अगर समय से पहले आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ रही हैं या आपका सौंदर्य प्रभावित हो रहा है तो इसे अस्वीकार करें और इसका समाधान निकालें। स्ट्रैच मार्क, आंखों के नीचे काले घेरे या एक्ने जैसी समस्या से हालांकि किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती ना ही यह खतरनाक होते हैं। लेकिन इनसे साइकालाजिकल समस्याएं भी हो सकती हैं क्योंकि इनसे होने वाले तनाव भी कुछ कम नहीं होते। आज ऐसी समस्याओं को स्वीकार कर लेना कोई समाधान नहीं बल्कि चिकित्सा के तरीके अपनाना अच्छा है। कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नयी तकनीक से ऐसी समस्याओं का इलाज बहुत आसानी से सम्भव हो पाया है। अपनी त्वचा का ख्याल रख आप स्वस्थ त्वचा तो पा ही सकते हैं, साथ ही आकर्षण का पात्र भी बन सकते हैं।

दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल के कास्मेटिक सर्जन के अनुसार कार्बोक्सीथेरेपी स्ट्रैच मार्क, सेल्युलाइट और आंखों के नीचे काले घेरों से बचने का सरल और सस्ता उपाय है। इस चिकित्सा के दौरान त्वचा में कार्बनडाइआक्साइड का इंजेक्शन लगाया जाता है, जिससे नई रक्त कोशिकायें बनती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अगर इसे सेप्टिक तरीके से किया जाये तो इससे किसी भी प्रकार के अतिरिक्त प्रभाव नहीं होते। इस चिकित्सा में आने वाले एक सिटिंग का खर्च सिर्फ 3000 से 4000 रूपये तक का है। स्ट्रैच मार्क अकसर गर्भावस्था के बाद या किशोरावस्था के दौरान होते हैं और ऐसा त्वचा के खिंचाव के कारण होता है। कार्बोक्सीथेरेपी का प्रयोग सेल्युलाइट्स से बचाव के लिए भी किया जाता है। जहां पहले स्ट्रैच मार्कस हटाने के लिए लेज़र तकनीक का प्रयोग होता था, वहीं आज कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नान सर्जिकल प्रक्रिया का प्रयोग हो रहा है जो कि बहुत सुरक्षित है। गृहणी रेशमा अपने 2 हफ्ते के बच्चे के साथ बहुत खुश हैं, लेकिन जब वो अपने शरीर पर पड़े स्ट्रैच मार्कस देखती हैं, तो वो दुखी हो जाती हैं। पाश्चात्य कपड़े पहनना उनका शौक है, लेकिन अब इन स्ट्रैच मार्कस को छिपाने के लिए उन्होंने पाश्चात्य कपड़े पहनना भी छोड़ दिया है। पिछले कई दिनों से वो अपने मित्रों से और इंटरनेट पर इस समस्या का समाधान ढूढने में लगी हैं, लेकिन वो अब तक सफल नहीं हो पाई हैं । हालांकि स्ट्रैच मार्क से उन्हें कोई समस्या नहीं, लेकिन उन्हें लगने लगा है कि उनका सौंदर्य खो रहा है। नई दिल्ली के न्यू लुक कास्मेटिक लेज़र क्लीनिक में कार्यरत वरिष्ठ कास्मेटिक सर्जन डा प्रीतम पंकज के अनुसार भारत में अधिकतर लोग सेल्युलाइट रिडक्शन और स्ट्रैच मार्क के इलाज के लिए कार्बोक्सीथेरेपी को पसंद कर रहे हैं। यह चिकित्सा बहुत ही सुरक्षित है और कम समय लेने वाली है इसलिए आफिस जाने वाले लोग भी आसानी से इसका लाभ उठा सकते है। इस चिकित्सा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें किसी प्रकार का दर्द नहीं होता। सावधानी के तौर पर आपको सिटिंग के 4-5 घंटों बाद तक नहाना नहीं चाहिए और ना ही स्वीमिंग पूल में उतरना चाहिए। निशान, एक्ने और स्ट्रैच मार्क से बचने का यह एक आसान और कारगर उपाय है।

आपको भी परेशान करते हैं चेहरे के मुँहासे

लड़कियां मुंहासों को लेकर काफी चिंतामग्न रहती हैं और सखी-सहेलियों के बीच जाने में शर्म महसूस करती हैं और इनको मिटाने के लिए नित नए-नए समाधान तलाशती रहती हैं जिससे कई बार परेशानी बढ़ जाती है। मुंहासे त्वचा के साफ न रहने के कारण या फिर उसके अधिक तैलीय होने के कारण होते हैं। बाजार में उपलब्ध विभिन्न प्रसाधनों को अपनाने की बजाय यदि लड़कियां निम्न बातों का ख्याल रखें तो उन्हें मुंहासों की समस्या से निजात मिल सकती है-

- पेट साफ रखें। कब्ज न हो इसके लिए हर रोज सुबह एक गिलास नींबू पानी जरूर लें।
- तली-भुनी व मिर्च मसालेदार चीजों के सेवन से बचें।
- मेकअप प्रसाधनों का प्रयोग कम से कम करें।
- खूब पानी पीएं।
- सप्ताह में दो बार चेहरे पर फेसपैक व एक बार फेसस्क्रब लगाएं। इससे त्वचा साफ व स्वस्थ रहेगी।
- जब तक मुंहासे हों, त्वचा पर मेडिकेटिड साबुन का प्रयोग करें।
- खीरे या टमाटर के टुकड़े मलने से भी मुंहासे कम हो जाते हैं।
- त्वचा को धूल-मिट्टी से बचाएं।
- मुंहासों को कभी फोड़े नहीं। इससे मुंहासे फैल जाएंगे।
- चेहरे को हरदम साफ व स्वच्छ रखें। चेहरे पर चिकनाहट न आने दें।
- मुंहासों वाली त्वचा पर फेशल, ब्लीचिंग व भाप आदि न लें।
- मुंहासों वाली त्वचा को साफ व स्वच्छ तौलिए से ही साफ करें।

मुंहासों की समस्या से निजात पाने के साथ ही यदि पूरे शरीर का भी ख्याल रखा जाए तो आपको युवावस्था के दौरान होने वाली कई परेशानियों से एक साथ छुटकारा मिल सकता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप निम्न उपाय अपना सकती हैं-

- नियमित रूप से सुबह ताजी हवा में तेज-तेज चलें। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होगा।
- शाम को भी आधा घंटा पैदल सैर जरूर करें।
- साइकिलिंग, तैराकी व रस्सी कूदना आदि भी यदि संभव हो तो जरूर करें।
- कुछ हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी करें। इससे शरीर में स्फूर्ति व लचीलापन आएगा।
- खानपान में फास्टफूड कम से कम लें।
- पौष्टिक व संतुलित आहार लें।
- भोजन में ताजे फलों का रस, सलाद, हरी पत्तेदार सब्जियों का सूप, दूध व दूध से बनी चीजों का सेवन अधिक करें।
- चाय व कॉफी निश्चित मात्रा में लें।
- धूम्रपान व अलकोहल के सेवन से बचें।
- तनावमुक्त रहें।
- कम से कम आठ-नौ घंटे की नींद जरूर लें।

जब लड़कियां युवावस्था में कदम रखती हैं तो जैसे-जैसे उनके अंगों का विकास होता जाता है वैसे-वैसे उन्हें कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। इन परेशानियों में कुछ अंदरूनी होती हैं तो कुछ बाहरी। अंदरूनी परेशानी तो लड़कियां किसी प्रकार सहन कर जाती हैं लेकिन बाहरी परेशानियों को लेकर उनमें संकोच का भाव उत्पन्न होता है। बाहरी परेशानियों में सबसे प्रमुख है मुंहासों की समस्या।

मध्य प्रदेश के माधवेन्द्र और केरल की दिवी बने राष्ट्रीय अंडर 11 शतरंज विजेता

एजेंसी

हैदराबाद। भारत की 37वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप का समापन आज यहाँ जीएमसी इंडोर स्टेडियम में सम्पन्न हुआ जिसमें मध्य प्रदेश के माधवेन्द्र प्रताप शर्मा नें बालक और वर्ग और केरला की दिवी बीजेश नें बालिका वर्ग का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर लिया । बालक वर्ग में दूसरे वरीय खिलाड़ी माधवेन्द्र नें कुल खेले गए 11 राउंड में 10 अंक बनाते हुए राष्ट्रीय स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया , इस दौरान उन्होने पहले लगातार 9 मुक़ाबले जीते और उसके बाद अंतिम दो मुक़ाबले ड्रॉ खेलेते हुए अपना दूसरा राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर लिया , माधवेन्द्र नें इससे पहले 2022 में राष्ट्रीय अंडर 9 का खिताब भी अपने नाम किया था और अगले ही वर्ष 2023 में एशियन अंडर 10 स्पर्धा का खिताब भी अपने नाम किया था । इसी वर्ष सम्पन्न हुई नेशनल अंडर 19 स्पर्धा में भी उन्होने चौंथा स्थान हासिल करते हुए सभी को बेहद प्रभावित किया था । बालक वर्ग में 9.5 अंक बनाकर महाराष्ट्र के आदविक अग्रवाल नें दूसरा और तमिलनाडु के आरव ए नें तीसरा स्थान हासिल किया । बालिका वर्ग में चौंथी वरीय केरल की दिवी बीजेश नें 9.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर राष्ट्रीय अंडर 11 आयु वर्ग के बालिका का खिताब अपने नाम किया जबकि 9.5 ही अंक बनाने वाली प्रतीति बोरदोलोई टाईब्रेक के आधार पर दूसरे स्थान पर रही जबकि कर्नाटका की आदया गोवदा 9 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही ।

मुलतान टेस्ट के दौरान बीमार हुआ पाक स्पिनर अबरार अहमद, अस्पताल में भर्ती

मुल्तान। पाकिस्तान के लेगस्पिनर अबरार अहमद का बीमार होने के बाद अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के तीसरे दिन 31 ओवर फेंकने वाले अबरार ने चौथे दिन की सुबह शरीर में दर्द और तेज बुखार की शिकायत की थी। वह पूरे चौथे दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान में कहा गया है कि उनके कई परीक्षण हुए हैं और नतीजे आने के बाद आगे की अपडेट जारी की जाएगी। अबरार को तीसरे दिन मुल्तान में अंग्रेज बल्लेबाजों द्वारा की गई पिटाई का शिकार होना पड़ा। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला और उन्होंने 5.00 की इकॉनमी से 174 रन दिए। अबरार पाकिस्तान के आक्रमण में एकमात्र अग्रणी गेंदबाज थे जो पहली पारी में विकेट नहीं ले सके। उनका प्रदर्शन 2 साल पहले इंग्लैंड के खिलाफ उनके प्रदर्शन से बिल्कुल विपरीत है, जहां उन्होंने 11 विकेट झटके थे। बता दें कि पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जाल्मी के लिए पेशेवर पदार्पण करने के बाद से अबरार चोटों से परेशान रहे हैं। उन्होंने 18 साल की उम्र में ज़ालमी के लिए अपनी पहली प्रस्तुति दी। इसके बाद अब्राट लगातार चोट के कारण कुछ साल किनारे बिताने के लिए बाहर चले गए। पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले उन्हें नस में चोट लग गई थी और वह तीन टेस्ट मैचों से चूक गए थे।

'पृथ्वी शॉ एक डार्क हॉर्स है': बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए पूर्व भारतीय चयनकर्ता की बोल्ड पिक

नई दिल्ली। भारत के पास टेस्ट मैचों में ओपनिंग कॉम्बिनेशन है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम में रिजर्व ओपनर होने की संभावना है। यह अगले महीने से शुरू होने वाला एक लंबा दौरा है और पुरुष सीनियर चयन समिति स्क्वाड को अंतिम रूप देते समय सभी आधारों को कवर करना चाहेगी। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर रिजर्व ओपनर तैयार रखना महत्वपूर्ण है। रोहित शर्मा के व्यक्तिगत कारणों से एक टेस्ट से बाहर होने की खबरों के साथ अजीत अगरकर एंड कंपनी इस भूमिका के लिए संभावित उम्मीदवारों पर कड़ी नजर रखेगी। अभिमन्यु ईश्वरन, रुतुराज गायकवाड़ और साई सुदर्शन कुछ विकल्प हैं, लेकिन भारत के पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने सूची में एक बहुत ही दिलचस्प नाम जोड़ा है। परांजपे का मानना है कि अपनी आक्रामक शैली और तेजी से रन बनाने के लिए मशहूर पृथ्वी शॉ शीर्ष क्रम में एक अलग गतिशीलता जोड़ते हैं और उन्हें लगता है कि वह डॉर्क हॉर्स हैं। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल शायद तीसरे सलामी बल्लेबाज के लिए एक अच्छा विकल्प हैं क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। हालांकि मैं स्थिति के आधार पर तीसरे सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए केएल राहुल पर भी विचार करूंगा। हर कोई रन बना रहा है। ईश्वरन भी अच्छा कर रहे हैं। एक ऐसा डॉर्क हॉर्स भी है जिसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है और वह पृथ्वी शॉ है। यह घरेलू सीजन शॉ के लिए महत्वपूर्ण होगा।'

वीनू मांकड़ ट्रॉफी: राजस्थान ने वनडे में ठोके 499 रन, दो बल्लेबाजों के दोहरे शतक

नई दिल्ली।नई दिल्ली के सेंट स्टीफंस क्रिकेट मैदान पर वीनू मांकड़ वन-डे ट्रॉफी में बड़ा रिकॉर्ड बना है। राजस्थान की टीम ने अंतिम लीग मैच में अरुणाचल के खिलाफ तीन विकेट खोकर 499 रन बना दिए। इस दौरान राजस्थान के दो बल्लेबाज कार्तिक शर्मा और मोहम्मद अनस दोहरा शतक लगाने में कामयाब रहा। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरुणाचल की टीम 43.3 ओवर में 161 रन पर ढेर हो गई। इस तरह राजस्थान ने 338 रन की शानदार जीत दर्ज की। राजस्थान ने पिछले सीजन में मेघालय के खिलाफ महाराष्ट्र द्वारा बनाए गए 466 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। राजस्थान के कप्तान कार्तिक शर्मा ने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया और नाबाद 225 रन बनाए। उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद अनस के साथ तीसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 484 रनों की साझेदारी भी की।

ग्लोबल शतरंज लीग: मैग्नस कार्लसन ने विश्वनाथन आनंद को हराया

एजेंसी

लंदन। मैग्नस कार्लसन ने ग्लोबल शतरंज लीग में विश्वनाथन आनंद को शिकस्त दी। हालांकि चेन्नई के यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब पहले जैसे सक्रिय नहीं हैं, लेकिन नॉर्वे के कार्लसन शतरंज में सबसे बड़े सितारे बने हुए हैं। दोनों सर्वकालिक महान खिलाड़ी, जिन्होंने कुल मिलाकर 10 विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, फ्रेंड्स हाउस में ग्लोबल शतरंज लीग में दूसरी बार आमने-सामने आए। अल्पाइन एसजी पाइपर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे कार्लसन ने इस बार जीत हासिल की। गंगेज ग्रैंडमास्टर्स के खिलाफ 13-5 की जीत कार्लसन और उनके साथियों के लिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि उन्होंने अपने अंकों की संख्या 18 मैच पॉइंट तक पहुंचाई और फाइनल के एक कदम और

करीब पहुंच गए।आइकॉन बोर्ड पर यहां अपने पहले मुकाबले में, उन्होंने ड्रॉ खेला था, लेकिन इस बार कार्लसन ने सिसिलियन डिफेंस के सफेद पक्ष से खेलते हुए जीत हासिल की। ??उन्होंने रूक-एंड-बिशप एंडिंग में थोड़ी बढ़त को जीत में बदल दिया।परहम मघसूदलू, आर. वैशाली और नर्गुयुल सलीमोवा के खिलाफ रिचर्ड रैपॉर्ट, होउ यिफान और कैटरीना लैग्नो की जीत ने पाइपर्स के लिए एक शानदार राह बना दी। टीम की जीत के बाद कार्लसन ने अपने साथियों की तारीफ करते हुए कहा, अब हमें त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स (शुक्रवार को) के खिलाफ एक कठिन मैच जीतना है। दिन के पहले मैच में अमेरिकन गैम्बिट्स ने अपग्रेड मुंबा मास्टर्स को 11-6 से हराया। दोनों ही टीमें भले ही फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में नहीं थीं, लेकिन उन्होंने कुछ दिलचस्प मुकाबले खेले।हिकारू नाकामुरा ने मैक्सिम वचियर-लाग्रेव के खिलाफ अपना आइकॉन बोर्ड गेम जीतकर बढ़त बनाई। विदित गुजराती पर जान-क्रिज़्टोफ़ डूडा की जीत गैम्बिट्स के लिए मैच जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुई।बाद में दिन में, पीबीजी अलास्का नाइट्स ने कॉन्टिनेंटल किंग्स पर 12-8 की जीत की बदौलत एक राउंड शेष रहते फाइनल में प्रवेश किया।

आईओसी अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के प्रेजेंटेशन जनवरी 2025 में

एजेंसी

जिनेव। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने घोषणा की है कि आईओसी प्रेसीडेंसी के लिए उम्मीदवारों के प्रेजेंटेशन 30 जनवरी, 2025 को स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन में होंगे।सात उम्मीदवारों द्वारा सुबह के प्रेजेंटेशन के बाद, आईओसी दोपहर में एक सत्र की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 शीतकालीन युवा ओलंपिक खेलों के लिए मेजबान शहर का फैसला किया जाएगा, जिसमें इस साल की शुरुआत में आईओसी के साथ लक्षित वार्ता के बाद इटली की डोलोमिटी वाल्टेलिना एकमात्र दावेदार है।सेबेस्टियन कोए, जुआन एंटोनियो समरंच जूनियर, प्रिंस फैसल अल हुसैन, किर्स्टी कोवेंट्री, जोहान एलियाश, डेविड लैपर्टिएंट और मोरिनारी वतनबे सभी ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है, चुनाव 18 से 21 मार्च, 2025 तक ग्रीस में आईओसी सत्र में होने वाले हैं।

भारत महिला ब्लाइंड फुटबॉल विश्व चैंपियनशिप की करेगा मेजबानी

नयी दिल्ली। भारतीय ब्लाइंड फुटबॉल महासंघ (आईबीएफएफ) ने कहा कि केरल में कोच्चि के कक्कनाड में यूनाइटेड स्पोर्ट्स सेंटर में अगले वर्ष दो से 12 अक्टूबर 2025 में होने वाली महिला ब्लाइंड फुटबॉल विश्व चैंपिनशिप की मेजबानी भारत करेगा। आज यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आईबीएफएफ ने यह घोषणा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय टीम के

मार्गदर्शक नरेश सिंह नयाल ने कहा कि अगले वर्ष होने वाले इस टूर्नामेंट के साथ-साथ आईबीएसए पुरुष राष्ट्र कप और आईबीएसए पुरुष एशियाई-ओशिनिया चैम्पियनशिप डिवीजन 2 की भी भारत मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में जापान, भारत, जर्मनी, इंग्लैंड, अर्जेंटीना, स्वीडन, मोरक्को और ऑस्ट्रिया टीम हिस्सा लेंगी। भारतीय दृष्टिहीन फुटबॉल टीम के निदेशक और कोच सुनील जे. मैथ्यू ने कहा, यदि सरकार और कॉर्पोरेट जगत समर्थन करते हैं तो भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। हमारा मुख्य लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 में होने वाले पैरालिंपिक खेलों में जगह बनाना है।इस दौरान भारतीय महिला ब्लाइंड फुटबॉल टीम की कप्तान निरमाबेन ने फुटबॉल खेल को लेकर अपने अनुभव साझा किये।

ग्लेन मैक्सवेल को रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, विक्टोरिया की टीम में हुए शामिल

एजेंसी

विक्टोरिया। ग्लेन मैक्सवेल को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की दूसरी एकादश प्रतियोगिता के तहत सोमवार से जंक्शन ओवल में शुरु हो रहे क्वींसलैंड के खिलाफ चार दिवसीय मैच के लिए विक्टोरिया की 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मैक्सवेल को 12 महीनों में अपने पहले चार दिवसीय मैच के लिए चुना गया है, क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका के टेस्ट दौरे पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। मैक्सवेल के विक्टोरिया के अगले शेफील्ड शील्ड मैच में खेलने की संभावना कम है, जो 20 अक्टूबर रविवार को शुरू होगा। स्टीवन स्मिथ, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क सहित ऑस्ट्रेलिया के कुछ टेस्ट खिलाड़ी उस मैच के लिए तैयार हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड के भी उस मैच में अपनी शील्ड वापसी करने की संभावना है।

सीए की दूसरी एकादश

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, मैच में 12 खिलाड़ी खेल सकते हैं, जिसमें 11 बल्लेबाजी और 11 गेंदबाजी करेंगे, जिसका अर्थ है कि चार दिनों के भीतर खिलाड़ियों के लिए आराम और रोटेशन संभव है। मैक्सवेल के कार्यभार की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाती है, क्योंकि दो साल पहले उन्हें पैर में चोट लगी थी। मैच के पहले दिन वह 36 वर्ष के हो गए और पिछले पांच वर्षों में उन्होंने केवल दो प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।मैक्सवेल 25 अक्टूबर को न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ एक दिवसीय घरेलू मैच खेलने के लिए तैयार हैं, जिसमें पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड शामिल हो सकते हैं, लेकिन विक्टोरिया के लिए तीसरे या चौथे शील्ड राउंड के लिए उनके उपलब्ध होने की संभावना नहीं है, जो ऑस्ट्रेलिया की पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और टी20आई श्रृंखला के साथ मेल खा रही है।

वह बीबीएल शुरू होने से पहले विक्टोरिया के पांचवें और छठे शील्ड गेम के लिए उपलब्ध होंगे और उनमें से कम से कम एक में खेलने के लिए तैयार हैं। विक्टोरिया 6 दिसंबर को एमसीजी में क्वींसलैंड की मेजबानी करने से पहले 24 नवंबर को गाबा में लाइट्स के नीचे गुलाबी गेंद के मैच में क्वींसलैंड से भिड़ेगी। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता उन्हें 30 नवंबर से कैनबरा में भारत के खिलाफ़ दो दिवसीय गुलाबी गेंद वाले प्रधानमंत्री एकादश मैच में भी मौका दे सकते हैं।

मैक्सवेल उपमहाद्वीप में अपने टेस्ट अनुभव के कारण ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के लिए दावेदार हैं। मैक्सवेल 2022 में श्रीलंका दौरे का हिस्सा थे और गॉल में पहला टेस्ट खेलने वाले थे, स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उनकी क्षमता को स्पिनिंग परिस्थितियों में एक परिसंपत्ति के रूप में देखा जाता है, खासकर अगर टेस्ट कम स्कोरिंग और तेज गति से चलने वाले हों।

इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेला

एजेंसी

मुल्तान। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी कर प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी में गुरुवार को खेल समाप्ति पर 152 रन पर छह विकेट झटककर उसे हार की कगार पर धकेल दिया। इंग्लैंड ने आज हैरी ब्रूक (317) और जो रूट (262) रिकार्ड बेहतरीन पारियों की बदौलत पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन आज सात विकेट पर 823 रन पारी घोषित कर दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 267 रनों की बढ़त मिल गई थी। पाकिस्तान की दूसरी पारी में शुरुआत काफी खराब रहीं। पहली ही गेंद पर वोक्स ने सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक को बोल्ड कर दिया। शफीक ने पहली पारी में (102) शतक बनाया था। अभी स्कोर बोर्ड 29 जुड़े थे कि एटकिंसन ने कप्तान शान मसूद को क्रॉली के हाथों कैच आउट करा पाकिस्तान को दूसरा झटका दे दिया। मसूद ने 11 रन बनाए। इसके बाद 41 रन के स्कोर पर पाकिस्तान के दो झटके लगे। पहले बाबर आजम को एटकिंसन ने स्मिथ के हाथों के कैच आउट कराया वही अगले ओवर में कार्स ने सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को डकेट के हाथों कैच करा पाकिस्तान का चौथा विकेट गिरा दिया। सैम ने 29 रन बनाए। कार्स ने मोहम्मद रिजवान (10) रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड कर इंग्लैंड को पांचवी सफलता दिलाई। बाद में लीच ने सऊद शकील को स्मिथ के हाथों कैच आउट करा कर पाकिस्तान को संभावित हार की ओर धकेल दिया। दिन का खेल समाप्त होने पर पाकिस्तान ने छह विकेट पर 152 रन बना लिये है और वह पहली पारी के आधार पर अभी 115 रन पीछे है। खेल समाप्ति के समय आगा सलमान (41) एवं आमेर जमाल (27) रन पर खेल रहे थे। इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन , ब्राइडन कार्स ने दो-दो तथा क्रिस वोक्स एवं जैक लीच ने एक-एक विकेट लिया।

इंग्लैंड ने आज सुबह कल के तीन विकेट पर 492 के स्कोर से आगे शुरु किया। इंग्लैंड चौथे दिन के पहले सेशन में तीन विकेट खोकर 607 रन बनाये और इस दौरान जो रूट ने अपना दोहरा शतक पूरा किया। रूट ने इस बीच अब से करीब 62 साल पुराने कीर्तिमान को ध्वस्त किया। इससे पहले वर्ष 1962 में कराची में खेले गये मैच में टेड डेक्सटर ने पाकिस्तान के खिलाफ 205 रन ठोके थे।जो रूट अब इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज तो पहले ही बन गए थे। उन्होंने पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने इस मैच में 262 रनों की पारी खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 20 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। रूट के टेस्ट करियर का यह छठा दोहरा शतक है और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इसके साथ ही दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिये 454 रनों की साझेदारी की है।137वें ओवर में आगा सलमान ने जो रूट को पगबाधा आउट किया। रूट ने 375 गेंदों में 17 चौके लगाते हुये 262 रन बनाये। जेमी स्मिथ (31), गस ऐटकिंग्स (दो) रन बनाकर आउट हुये। क्रिकेट इतिहास में यह दूसरी बार है जब इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही पारी में दोहरे शतक लगाने का कारनामा किया है। इंग्लैंड की ओर से टेस्ट की एक ही पारी में दो दोहरा शतक बनाने का कारनामा 1985 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ग्रीम फाउलर और माइक गैटिंग ने किया था।

ग्रीस फुटबॉलर बाल्डॉक स्विमिंग पूल में मृत पाए गए

एजेंसी

ग्लाइफाडा (ग्रीस)। इंग्लैंड में जन्मे ग्रीस के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी जॉर्ज बाल्डॉक दक्षिणी एथेंस के ग्लिफ़ाडा में अपने घर के स्विमिंग पूल में मृत पाए गए है।मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पुलिस ने घटनास्थल पर 31 वर्षीय बाल्डॉक को होश में लाने का प्रयास किया लेकिन उसे होश में नहीं लाया जा सका और चिकित्सा आपातकालीन इकाइयों ने खिलाड़ी की मौत की पुष्टि की। पुलिस ने कहा कि मौत का कारण अज्ञात है। बाल्डॉक सात साल तक ब्लेड्स में रहने के बाद गर्मियों में ग्रीस के पैनाथिनाइकोस क्लब में शामिल हुए थे।

टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने किया संन्यास का ऐलान, बताया- डेविस कप फाइनल होगा आखिरी मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। 38 साल के नडाल ने एक इमोशनल वीडियो जारी करते इस बात की जानकारी दी। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने सभी को शुक्रिया कहा।

उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से एक कठिन निर्णय है, जिसे लेने में मुझे कुछ समय लगा है लेकिन इस जीवन में, हर चीज की शुरुआत और अंत होता है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि उनका आखिरी मैच डेविस कप फाइनल होगा। सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि हेलो दोस्तों, मैं आपको यह बताने आया हूं कि मैं पेशेवर टेनिस से संन्यास ले रहा हूं। मेरे लिए पिछले कुछ वर्ष कठिन रहे हैं, विशेषकर पिछले दो वर्ष। दिग्गज खिलाड़ी ने आगे कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा आखिरी टूर्नामेंट डेविस कप

का फाइनल होगा, जिसमें मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगा। मुझे लगता है कि यह एक चक्र पूरा हो रहा हैं, क्योंकि एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरी पहली सबसे बड़ी खुशी 2004 में सेविले में डेविस कप फाइनल था। इसी के साथ उन्होंने पूरे टेनिस जगत को धन्यवाद दिया। डेविस कप के नॉकआउट राउंड्स 19 से 24 नवंबर के बीच खेले जाएंगे।

38 साल के नडाल की गिनती दुनिया के महान टेनिस खिलाड़ियों में होती है। वह सर्बिया के नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी हैं। नडाल ने अपने करियर में कुल 22 ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किए हैं, जो टेनिस में एक बड़ी उपलब्धि है। उनसे आगे केवल सर्बिया के नोवाक जोकोविच हैं, जिन्होंने अब तक सबसे ज्यादा 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इसके अलावा नडाल ने 2008 ओलंपिक में टेनिस में सिंगल्स कैटेगिरी में स्वर्ण पदक जीता, वहीं 2016 में रियो ओलंपिक में डबल्स में स्वर्ण अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः साल 2009, 2022

फ्रेंच ओपनः साल 2005, 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019, 2020, 2022

विंबलडनः साल 2008, 2010

यूएस ओपनः साल 2010, 2013, 2017, 2019

महिला टी20 विश्व कप: वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

शारजाह। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजों के सामूहिक प्रयास और 29 वर्षीय स्पिनर करिश्मा रामहरैक के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में कैरेबियाई टीम ने दबदबा कायम किया। 104 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की तूफानी बल्लेबाजी ने बांग्लादेश को धूल चटा दी। कप्तान हेले मैथ्यूज और स्टेफनी टेलर ने तेज पीछा की नींव रखी। शुरुआती ओवरों में सतर्क रुख अपनाने के बाद सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में बाउंड्री से निपटा और आसानी से स्कोर 48/0 पर पहुंचा दिया। आठवें ओवर में, बांग्लादेश को आखिरकार सफलता मिली। दाएं हाथ के मारुफा अक्तर ने 109.4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और वेस्टइंडीज के कप्तान को आउट कर दिया। डेक

से काफी दूर जाने के कारण गेंद मैथ्यूज के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेते हुए स्टंप्स से जा टकराई। मैथ्यूज ने 22 गेंदों पर 6 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए।

सोभना मोस्टरी द्वारा कैच छोड़ने के बाद टेलर ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने शेमेन कैम्पबेल के साथ मैदान पर कुछ समय बिताया, लेकिन अंत में लंगड़ाते हुए 29 गेंदों पर 27 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। इसके बाद 84 के कुल पर शेमैन कैंपबेल (21) को नाहिदा अख्तर ने आउट कर बांग्लादेश को दूसरी सफलता दिलाई। हालांकि इसके बाद डिएंड्रा डॉटिन (नाबाद 19) और चिनेल हेनरी (नाबाद 2) ने वेस्टइंडीज को 12.5 ओवर में सात ओवर से जीत दिला दी। डिएंड्रा डॉटिन ने शानदार अंदाज में गेंद को बाउंड्री रोप के पार पहुंचाकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मैथ्यूज ने पहली पारी में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, लेकिन रामहरैक ने अपने शानदार स्पेल से सबको चौंका दिया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में हर एक ओवर में विकेट लिया, जिससे बांग्लादेश की पारी गति पकड़ने से पहले ही पटरी से उतर गई। उन्होंने अपने 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट लिए। बांग्लादेश ने अपने 20 ओवर में 8 विकेट पर 103 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से निगार सुल्ताना ने 44 गेंदों में 39 रन की धीमी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 19, सोभना मोस्टरी ने 16 और रितू मोनी ने 10 रन बनाए।

ज्ञानिक दृष्टिकोण ने खो खो और उसके खिलाड़ियों का भविष्य किया सुनहरा: निर्मला भाटी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय संस्कृति में गहरी जड़ों वाला एक स्वदेशी खेल 'खो खो', जो अब अत्याधुनिक खेल विज्ञान से लैस होकर वैश्विक मंच पर अपनी जगह मजबूती से बना रहा है। इस खेल की होनहार खिलाड़ी राजस्थान की मूल निवासी और भारतीय टीम की सदस्य 25 वर्षीय निर्मला भाटी ने एक जुनून से इस खेल को काफी करीब से बदलते देखा है।खो-खो के पारंपरिक से सुविधा संपन्न खेल बनने को लेकर निर्मला का कहना है कि, मैं बचपन में ही खो खो से जुड़ी थी और जब भी हम सभी बच्चे सड़कों पर खेलने के लिए इकट्ठा होते थे, तो मैं हमेशा खो खो को प्राथमिकता देती थी। हालांकि स्ट्रीट गेम्स से पेशेवर खेलों तक का उनका सफर आसान नहीं रहा। अभी कुछ साल पहले खो-खो खिलाड़ियों को अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ा था। निर्मला ने कहा कि खो खो के खेल में कोई करियर नहीं था या नौकरियों के लिए कई विकल्प नहीं थे इसलिए मैंने खेल छोड़ने पर भी विचार किया।हालांकि 2017 में स्थिति बदलनी शुरू हुई जब भारतीय खो खो महासंघ के भीतर नए नेतृत्व ने खेल में एक नया दृष्टिकोण लाया। अब, जब भारत पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है, तो गर्व और उत्साह की स्पष्ट भावना है। खो खो में नए विकास और बेहतर एथलीट बनने के लिए अपनी जीवनशैली को कैसे बदला जाए, इस पर निर्मला ने कहा, मानव रचना यूनिवर्सिटी में एक कैंप लगा था, उससे पहले हमें स्पोर्ट्स साइंस के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। हमें पता था कि हमें दौड़ना है इसलिए हम सिर्फ उसी पर फोकस करते थे, लेकिन जैसे-जैसे कैंप आगे बढ़ता गया, हमें बहुत कुछ पता चला। इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने प्रशिक्षण विधियों में क्रांति ला दी है।निर्मला ने कहा, अब हम दौड़ने के साथ प्रॉपर मैथड से कंप्लीट वर्कआउट करते हैं। कांप में एक दिनचर्या निर्धारित की गई। हमारे परीक्षण के साथ हमारी कमजोरियों को समझने में मदद की गई। कैसे दौड़ना है, हमारी कैलोरी का सेवन, क्या करें और क्या न करें.. सब बताया गया।

क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत, सलामी बल्लेबाजों पर रहेगी निगाह, देखें संभावित 11

एजेंसी

हैदराबाद। पहले दो मैच में आसान जीत दर्ज करके श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरगी जिसमें उसके सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी। भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम देकर इस टी20 श्रृंखला में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ ही कुछ दिन पहले कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है। भारत ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-0 से जीती थी और अब वह टी20 श्रृंखला में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

दुर्गा पंडाल में पहुंची

रानी मुखर्जी

ने नहीं सुनी बात, काजोल ने सबके सामने शोल्डर पर मारा हाथ! लोगों ने...

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल कई सालों से जुहू में अपना दुर्गा पूजा पंडाल लगा रही हैं। एक्ट्रेस के इस पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन के लिए उनके परिवार के अलावा बॉलीवुड के तमाम सितारे भी पहुंचते हैं। दुर्गा पूजा के दूसरे दिन भी मां के दर्शन के लिए कई फिल्मी सितारे पहुंचे। इस दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ऐसे में इसी दौरान का वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद लोग काजोल को जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

काजोल ने सबके सामने मारा रानी को थप्पड़!

काजोल के दुर्गा पूजा पंडाल में मां के दर्शन के लिए उनकी बहन और एक्ट्रेस रानी मुखर्जी भी पहुंची। रानी हर साल काजोल के इस दुर्गा पूजा पंडाल में आती हैं। इसी बीच अब काजोल और रानी का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि काजोल रानी से कुछ कहती हैं, लेकिन शायद रानी का ध्यान उनकी बात पर न होकर कहीं और था। अपनी बात को अनसुना होता देख काजोल ने रानी के शोल्डर पर एक जोर से थप्पड़ मारा। इसके बाद वो अपनी बात फिर से रानी से कहती हैं। वो शायद अपनी मांथे पर लगे तिलक को दिखाती हैं। रानी उसे ठीक करने की कोशिश करती हैं।

लोगों ने काजोल की हरकत पर किया ट्रोल

काजोल और रानी मुखर्जी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कई यूजर्स को काजोल का रानी संग ये बर्ताव पसंद नहीं आया है। इस वीडियो पर कमेंट कर यूजर्स काजोल के ट्रोल कर रहे हैं। इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, %पैसा बोलता है और कुछ नहीं। एक ने लिखा, ये दिन पर दिन और भी ज्यादा बदतमीजी होती जा रही हैं।% ऐसे कई और कमेंट इस वीडियो पर हैं।

जब सनी देओल ने तोड़ी थी चुप्पी, बताया डर फिल्म के बाद शाहरुख खान के साथ क्यों नहीं किया काम, छलका था दर्द

सुपर स्टार शाहरुख खान और सनी देओल बॉलीवुड के दो बड़े नाम हैं. दोनों ने अंतिम बार 1993 में यश चोपड़ा की रोमांटिक फिल्म 'डर' में काम किया था. तब से दोनों ने कभी भी एकदूसरे के साथ काम नहीं किया. दोनों कभी एक साथ सार्वजनिक रूप से भी नजर नहीं आए. पिछले साल सनी देओल ने दोनों के बीच चली लंबी फाइट पर चुप्पी तोड़ी थी. गदर एक्टर ने लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर सिर्फ इतना ही कहा था कि 'हर कोई आगे बढ़ गया है' और अब 'खुश और संतुष्ट' है.

सनी देओल और शाहरुख खान के बीच अनबन 1993 में शुरू 'डर' फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई थी. शाहरुख खान ने दीवाना फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. डर फिल्म में सनी लीडिंग रोल में जरूर थे लेकिन शाहरुख खान की भूमिका ज्यादा सशक्त थी. फिल्म में शाहरुख खान फिल्म की हीरोइन जूही चावला का पीछा करते रहते हैं. शाहरुख खान का विलेन वाला लोगों को बहुत पसंद आया और फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिली. फिल्म की सफलता का क्रेडिट शाहरुख खान को मिल गया. इससे सनी देओल खुश नहीं थे. यहीं से दोनों एक्टर के बीच दरार पैदा हो गई. फिर तो दोनों कलाकारों ने 16 साल तक एक-दूसरे से बात नहीं की.

1993 में डर फिल्म रिलीज होने के बाद फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में सनी देओल ने कहा था, 'मैं यश चोपड़ा के साथ आगे कभी काम नहीं करूंगा. उन्होंने मेरा भरोसा तोड़ा है. उन्होंने मेरे साथ धोखा किया है. मेरे मन में उनसे जुड़ी अच्छी यादें नहीं हैं.'

2019 में सनी देओल ने एक अन्य इंटरव्यू में कहा था, 'लोगों की मेरी फिल्में पसंद हैं. शाहरुख खान की फिल्में भी उन्हें पसंद हैं. डर फिल्म को लेकर मेरी मसला सिर्फ इतना है कि मुझे पता नहीं था विलेन को हीरो बनाया जाएगा. मैं दिल से फिल्म में काम करता हूं और लोगों पर भरोसा करता हूं. मुझे भरोसे में रहकर काम करना पसंद है. दुर्भाग्य से, फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई एक्टर हैं जो इस ढंग से काम नहीं करते. हो सकता है कि वो इस तरह से स्टारडम पाना चाहते हैं.'

मेकअप के लिए शूटिंग रुकवा देतीं थी सुहाना खान, वेदांग रैना ने खोली पोली, बताया खुशी कपूर की कौन सी आदत है नापसंद

वेदांग रैना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. उनके करियर की दूसरी फिल्म 11 अक्टूबर को रिलीज के लिए तैयार है. इस फिल्म में वो आलिया भट्ट संग नजर आने वाले हैं. इन दिनों वेदांग रैना 'जिगरा' के प्रमोशन में जी-जान से जुटे हुए हैं. प्रमोशन के एक इवेंट के दौरान उन्होंने अपनी पहली को-स्टार सुहाना खान और खुशी कपूर के बारे में बात करते हुए दोनों की उन आदतों का जिक्र किया जो उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं है.गलाटा इंडिया को दिए इंटरव्यू में वेदांग रैना से पूछा गया था कि उन्हें सुहाना खान और खुशी कपूर की कौन सी आदत अच्छी लगती हैं और उन्हें उन दोनों की कौन सी आदत ना पसंद है. एक्टर ने इस बारे में बात करते हुए शाहरुख खान की

लाडली का राज खोल दिया.

सुहाना की टीम रुकवा देती थी शूटिंग

वो कहते हैं कि सुहाना अपने आस-पास के सभी लोगों के साथ बहुत अच्छे से पेश आती हैं और उन्हें उनकी ये आदत बहुत अच्छी लगती है. एक्ट्रेस की बुरी आदत के बारे में बात करते हुए वेदांग ने कहा कि वो मेकअप के लिए बहुत समय लेती हैं. 'द आर्चीज' के सेट पर वो सारे लड़के 15 मिनट में तैयार रहते थे, लेकिन फिर उन्हें सुहाना के लिए 40 मिनट इंतजार करना पड़ता था.कभी-कभी सुहाना खान की मेकअप टीम उनके टाइम पर तैयार न होने की वजह से शूटिंग रुकवा देती थी. हालांकि, वेदांग का मानना है कि उसमें सुहाना खान की गलती नहीं थी. फिल्म में उनका किरदार ही वैसा था.

खुशी कपूर की बताई खूबियां और कमियां

रूमर्ड गर्लफ्रेंड खुशी कपूर के बारे में बात करते हुए वेदांग कहते हैं वो बहुत पोलाइट हैं और सब से बहुत प्यार से पेश आती हैं और एक्ट्रेस की यही आदत उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है. वेदांग रैना के मुताबिक खुशी कपूर कभी-कभी अपनी काबिलियत पर शक करती हैं जो उन्हें बिलकुल पसंद नहीं है.

राधिका मदान

से छिपाया गया था कि इरफान खान नहीं बचेंगे, बताया आखिरी दिन क्या कहकर गए

इरफान खान अब हमारे बीच नहीं हैं। इस बात पर उनके फैन्स को अभी तक यकीन नहीं होता। उनके साथ अंग्रेजी मीडियम में काम कर चुकीं राधिका मदान ने एक इंटरव्यू में उनके बारे में बात की। राधिका ने बताया कि उन्हें आखिरी वक्त तक पता नहीं लगने दिया था कि वह नहीं बचेंगे। राधिका ने यह भी बताया कि फिल्म का आखिरी सीन शूट करते वक्त इरफान की हालत बिगड़ गई थी। साथ ही उनका आखिरी मैसेज भी याद किया।

नहीं बताया बिगड़ रही है हालत

राधिका मदान शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में थीं। वहां उनसे इरफान खान के बारे में सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या शूटिंग के वक्त पता था कि वह नहीं बचेंगे? इस पर राधिका ने जवाब दिया, नहीं, शायद मेकर्स को आइडिया था। लेकिन वे लोग मुझे इस जानकारी से बचा रहे थे क्योंकि शायद उन्हें लगा होगा कि ये नई लड़की है। एक्टिंग पर असर न हो जाए। मुझे बोलते थे कि ठीक हो गया सब, रिकवर हो रहे हैं। मुझे नहीं पता था कि हालत और खराब हो रही है। हम जब सेकंड हाफ शूट कर रहे थे तो मुझे ये भी नहीं बताया गया था कि नहीं पता कि वह शूट पूरा कर पाएंगे या नहीं क्योंकि उनकी हालत बिगड़ रही थी।

आखिरी वक्त पर मांगी सेल्फी

राधिका आगे बताती हैं, लंदन में जब सेकंड हाफ का शेड्यूल था। आखिरी दिन पर मुझे अच्छी तरह याद है और अच्छी बात है कि यह हमारा आखिरी सीन था। मुझे याद है टेक देने के बाद उनके पास जरा भी एनर्जी नहीं बची। वह इमोशनली,मेंटली एग्जॉस्ट लग रहे थे। पहली बार मुझे उनकी आंखें ब्लैंक लगीं। पूरी फिल्म में मैं उनकी आंखों में देकर एक्टिंग कर रही थी। वह ब्लैंक थे, ऐसा लग रहा था कि उन्होंने सब कुछ दे दिया। राधिका बोलीं वह कार में चले गए। उनके पास जरा भी एनर्जी नहीं थी। मैंने उनसे सेल्फी मांगी। गाड़ी में बैठकर वह बोले, अरे आपको हमेशा मेरे साथ याद किया जाएगा। यह उनके आखिरी शब्द थे।% यह बताते-बताते राधिका रो पड़ीं।